THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 32 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.1 2080 शुक्रवार, 21 अप्रैल 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आर्मी ट्रक पर आतंकी हमला, 5 जवान शहीद

हमलावरों ने फायरिंग की, ग्रेनेड अटैक का भी शक, आग में झुलसकर जवानों की मौत

जम्मू, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे सेना के ट्रक पर आतंकियों ने फायरिंग की। इसके बाद ट्रक में आग लग गई, जिसमें झुलसकर 5 जवान शहीद हो गए। सेना को शक है कि अज्ञात आतंकियों ने ट्रक पर ग्रेनेड भी फेंके। आग इसी से लगी।

नॉर्दर्न कमांड हेडक्वार्टर की ओर से जारी बयान में बताया गया कि जवानों को लेकर ट्रक भिंबर गली से पुंछ की तरफ जा रहा था। बारिश हो रही थी। विजिबिलिटी भी काफी कम थी। आतंकियों ने इसी का फायदा उठाया। हमले में एक जवान गंभीर रूप से घायल भी हुआ है। उसे राजौरी में सेना के अस्पताल में भर्ती किया गया है।

बयान में यह भी बताया गया कि शहीद हुए जवान राष्ट्रीय रायफल्स यूनिट के थे। उन्हें इस इलाके में आतंकियों के खिलाफ जारी ऑपरेशंस में लगाया गया था।

इससे पहले सेना के एक अधिकारी ने बताया था कि जवानों की मौत ट्रक में आग लगने की वजह से हुई। शक यह भी जताया जा रहा था कि बिजली गिरने से ट्रक में आग लगी। इसी साल 11 जनवरी को जम्मू और कश्मीर के कुपवाड़ा के माछिल सेक्टर में सेना का अफसर और 2 जवान शहीद हो गए थे। ये तीनों भारतीय सेना की चिनार कॉर्प्स के सैनिक थे। एक जेसीओ (जूनियर कमीशंड ऑफिसर) और 2 ओआर (अन्य रैंक) का ये दल रेगुलर ऑपरेशन के लिए निकला था। बर्फ के कारण उनकी गाड़ी फिसलकर गहरी खाई में गिर गई थी। मरने वालों के नाम नायब सूबेदार पुरुषोत्तम कुमार, हवलदार अमरीक सिंह और सिपाही अमित शर्मा थे।

पिछले साल दिसंबर में गई थी 16 जवानों की जान :

पिछले साल दिसंबर में सिक्किम के जेमा में आर्मी का ट्रक खाई में गिर गया था, इसमें 16 जवान शहीद हो गए थे। आर्मी की दो वैन और थी। तीनों वाहन चटन से थंगू के लिए निकले थे। रास्ते में ट्रक एक मोड़ पर फिसलकर खाई में जा गिरा। इस हादसे में 4 जवान गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिन्हें बाद में एयरलिफ्ट किया गया था।

नवंबर में माछिल में हुआ था हादसा :

पिछले साल नवंबर में भी कुपवाड़ा के माछिल इलाके में 3 जवान हिमस्खलन की चपेट में आ गए थे। 2 जवानों को बर्फ के नीचे से सुरक्षित निकाला गया था। जब हादसा हुआ तब 56 राष्ट्रीय रायफल्स के पांच जवान रूटीन गश्त पर थे। हादसे की जानकारी मिलते ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया, लेकिन जब तक जवानों को निकाला गया, तब तक 3 की मौत हो चुकी थी।

दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट में लॉन्चिंग के बाद विस्फोट

वॉशिंगटन, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट में बुधवार को लॉन्च के बाद विस्फोट हो गया। इसे शाम करीब 7 बजे टेक्सास के बोका चिका से लॉन्च किया गया था। ये स्टारशिप का पहला ऑर्बिटल टेस्ट था। इससे पहले मंगलवार को भी इसे लॉन्च करने की कोशिश की गई थी, लेकिन प्रेशर वाल्व के फ्रीज होने के कारण लॉन्च 39 सेकेंड पहले रोक दिया गया।

स्टेनलेस स्टील से बने स्टारशिप को दुनिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने बनाया है। स्पेसएक्स ने कहा, स्टेज सेपरेशन से पहले स्टारशिप ने रेपिड अनशेड्यूल्ड डिसअसेंबली एक्सपीरियंस की। इस तरह के एक टेस्ट के साथ, हम जो सीखते हैं उससे सफलता मिलती है। आज का टेस्ट हमें स्टारशिप की रिलायबिलिटी में सुधार करने में मदद करेगा।

स्टारशिप इंसानों को मंगल पर पहुंचाएगा :

ये लॉन्चिंग इसलिए अहम थी क्योंकि ये स्पेसशिप ही इंसानों को इंटरप्लेनेटरी बनाएगा। यानी इसकी मदद से पहली बार कोई इंसान पृथ्वी के अलावा किसी दूसरे ग्रह पर कदम रखेगा। मस्क साल 2029 तक इंसानों को मंगल ग्रह पर पहुंचाकर वहां कॉलोनी बसाना चाहते हैं। स्पेसशिप इंसानों को दुनिया के किसी भी कोने में एक घंटे से कम समय में पहुंचाने में भी सक्षम होगा।

मानहानि केस में नहीं बनी राहुल के मन की बात

जज ने एक शब्द कहा-डिसमिस्ड, राहुल अब हाईकोर्ट में अपील करेंगे

सूरत, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। सूरत कोर्ट ने मानहानि केस में दोषी ठहराए जाने के खिलाफ राहुल गांधी की याचिका गुरुवार को खारिज कर दी। एडिशनल सेशन कोर्ट जज आरपी मोगेरा कोर्ट में आए और इस याचिका पर केवल एक शब्द कहा- डिसमिस्ड, यानी खारिज। जज मोगेरा ने इस मामले पर 13 अप्रैल को दोनों पक्षों की दलीलें सुनी थीं और फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब राहुल हाईकोर्ट में अपील करेंगे।

यह केस 2019 में बेंगलुरू में चुनावी रैली के दौरान दिए गए राहुल के बयान से जुड़ा है। राहुल ने रैली में कहा था कि हर चोर का सरनेम मोदी क्यों होता है। इस बयान पर गुजरात के भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने मानहानि का केस दाखिल किया था। इसी साल 23 मार्च को अदालत ने फैसला सुनाया था। अगले दिन उनकी संसद सदस्यता रद्द कर दी

गई थी। राहुल की याचिका मंजूर होने पर क्या होता : अगर जज मोगेरा राहुल की याचिका मान लेते तो उनकी संसद सदस्यता की बहाली का रास्ता खुल जाता।

कांग्रेस का बयान : कानून के तहत जो भी विकल्प हमारे पास मौजूद हैं, हम उनका इस्तेमाल करेंगे। इस पर आज शाम 4 बजे अभिषेक मनु सिंघवी प्रेस कॉन्फ्रेंस किया।

भाजपा का बयान : गांधी परिवार का घमंड टूट गया। ओबीसी समुदाय खुश है, क्योंकि राहुल गांधी ने इस समुदाय का अपमान किया है।

सजा के खिलाफ याचिका पर राहुल और विरोधी पक्ष की दलीलें

राहुल गांधी : सुनवाई के दौरान राहुल के वकील आरएस चीमा ने एडिशनल सेशन कोर्ट जज आरपी मोगेरा को दलील दी थी कि मानहानि का केस उचित नहीं था। केस में अधिकतम सजा की भी जरूरत नहीं थी। उन्होंने कहा था, सत्ता एक अपवाद है, लेकिन कोर्ट को सजा के परिणामों पर विचार करना चाहिए। विचार करना चाहिए कि क्या दोषी को ज्यादा नुकसान होगा। ऐसी सजा मिलना अन्याय है। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी बार-बार मानहानि वाले बयान देने के आदी हैं। सजा के बाद 24 मार्च को केरल के वायनाड से सांसद राहुल की सदस्यता रद्द कर दी गई थी। सजा के ऐलान के कुछ देर बाद ही उन्हें 30 दिन की जमानत दे दी गई थी। लोकसभा हाउसिंग कमेटी ने 27 मार्च को बंगला खाली करने के लिए राहुल को नोटिस भेजा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोरोना से संक्रमित पाए गए

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोरोनावायरस से संक्रमित पाए गए हैं। उन्हें फिलहाल घर में ही क्वारैंटाइन किया गया है।

डॉक्टरों की एक टीम ने उनकी जांच की है और अगले कुछ दिनों के लिए आराम करने की सलाह दी है। डॉक्टरों के मुताबिक, रक्षा मंत्री में हल्के लक्षण देखे गए हैं। गौरतलब है कि राजनाथ को गुरुवार को ही भारतीय वायुसेना की कमांडर कॉन्फ्रेंस में जाना था, लेकिन संक्रमित मिलने के बाद उन्हें अपना कार्यक्रम रद्द करना पड़ा है।

नोबेल विजेता अमर्त्य सेन को विश्व भारती यूनिवर्सिटी का नोटिस

कहा-6 मई तक कब्जा लेंगे, 13 डिसमिल जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप लगाया

कोलकाता, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। विश्व भारती यूनिवर्सिटी ने नोबेल प्राइज विनर अमर्त्य सेन को एक नोटिस जारी किया। नोटिस में सेन से 13 डिसमिल जमीन को खाली करने को कहा। यूनिवर्सिटी का दावा है कि सेन ने जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किया है। उन्होंने सेन से 6 मई तक या नोटिस जारी होने के 15 दिन के अंदर जमीन खाली करने की बात कही है।

वहीं, सेन ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि विश्व भारती ने 1.25 एकड़ जमीन उनके पिता आशुतोष सेन को एक निश्चित समय के लिए किराए पर दी थी। जबकि विवाद वाली 13 डिसमिल जमीन उनके पिता ने खरीद ली थी। उनके पास यह साबित करने के लिए सभी जरूरी डॉक्यूमेंट हैं। बता दें कि साल 1998 में अमर्त्य सेन को इकोनॉमिक्स में नोबेल पुरस्कार दिया गया था।

विश्व भारती ने पहले भी भेजा था नोटिस :

इससे पहले अमर्त्य सेन के शांतिनिकेतन वाले आवास के मेन गेट पर विश्व भारती ने एक नोटिस चिपकाया था। साथ ही सेन को ई-मेल से भी नोटिस भेजा था, जिसमें विश्व भारती ने कहा था कि अंतिम आदेश के जरिए 19 अप्रैल को मामले का निपटारा कर दिया जाएगा। वहीं, जमीन विवाद मामले में विश्व भारती के कुलपति विद्युत चक्रवर्ती का कहना है कि अमर्त्य सेन के पिता आशुतोष सेन ने 1943 में 99 साल के लिए केवल 1.25 एकड़ जमीन किराए पर ली थी।

इस तरह 13 डिसमिल जमीन वापस की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस साल जनवरी महीने से मामले को लेकर सेन को तीन लेटर भेजे जा चुके हैं। वहीं, मामले को लेकर सेन ने बीती 17 अप्रैल को एक ई-मेल भेजा था। सेन ने लिखा था, किराए पर दी गई जमीन के हिस्से पर यूनिवर्सिटी के दावे का कोई कानूनी आधार नहीं है।

नरोदा दंगे के सभी 86 आरोपी बरी

बाबू बजरंगी-माया कोडनानी पर भी इल्जाम था, 11 हत्याएं हुई थीं, 21 साल बाद फैसला

अहमदाबाद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात की पूर्व मंत्री माया कोडनानी, बजरंग दल के नेता बाबू बजरंगी और विश्व हिंदू परिषद के नेता जयदीप पटेल समेत 86 लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। इनमें से 18 लोगों की मौत हो चुकी है। 2002 के गुजरात दंगों के दौरान हुए नरोदा कांड के सभी 86 आरोपियों को अहमदाबाद की सेशन कोर्ट ने बरी कर दिया। घटना के 21 साल बाद गुरुवार को सुनाए फैसले में कोर्ट ने कहा, आरोपियों का दोष साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं मिले हैं। पीड़ित पक्ष के वकील शमशाद पठान ने कहा, हम इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे।

28 फरवरी 2002 को अहमदाबाद शहर के पास नरोदा गांव में हुई सांप्रदायिक हिंसा में 11 लोग मारे गए थे। इस केस में गुजरात सरकार की पूर्व मंत्री और भाजपा नेता माया कोडनानी, बजरंग दल के नेता बाबू बजरंगी और विश्व हिंदू परिषद के नेता जयदीप पटेल समेत 86 लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। इनमें से 17 लोगों की मौत हो चुकी है। जज एसके बक्शी की अदालत ने 16 अप्रैल को इस मामले में फैसले की तारीख 20 अप्रैल तय की थी। सभी आरोपी जमानत पर थे। साल 2010 में

शुरू हुए मुकदमे के दौरान दोनों पक्ष ने 187 गवाहों और 57 चश्मदीद गवाहों से जिरह की। लगभग 13 साल तक चले इस केस में 6 जजों ने लगातार मामले की सुनवाई की।

गोधरा कांड के अगले दिन हुआ था नरोदा में दंगा :

गोधरा कांड के अगले दिन यानी 28 फरवरी को नरोदा गांव में बंद का ऐलान किया गया था। इसी दौरान सुबह करीब 9 बजे लोगों की भीड़ बाजार बंद कराने लगी, तभी हिंसा भड़क उठी। भीड़ में शामिल लोगों ने पथराव के साथ आगजनी, तोड़फोड़ शुरू कर दी। देखते ही देखते 11 लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। इसके बाद पाटिया में भी दंगे फैल गए। यहां भी बड़े पैमाने पर नरसंहार हुआ। इन दोनों इलाकों में 97 लोगों की हत्याएं की गई थीं। इस नरसंहार के बाद पूरे गुजरात में दंगे फैल गए थे। इस मामले में एसआईटी ने तत्कालीन भाजपा विधायक माया कोडनानी को मुख्य आरोपी बनाया था। हालांकि इस मामले में वे बरी हो चुकी हैं।

माया कोडनानी का दावा- दंगे के वक्त वे विधानसभा में थीं :

माया कोडनानी ने खुद पर लगे आरोपों पर कहा था- दंगे वाले दिन सुबह के वक्त वह गुजरात विधानसभा में थीं। दोपहर में वे गोधरा ट्रेन हत्याकांड में मारे गए कारसेवकों के शवों को देखने के लिए सिविल अस्पताल पहुंची थीं। जबकि कुछ चश्मदीद ने कोर्ट में गवाही दी थी कि कोडनानी दंगों के वक्त नरोदा में मौजूद थीं और उन्हीं ने भीड़ को उकसाया था। साल 2002 के दंगों के एक केस में हाईकोर्ट माया कोडनानी को बरी भी कर चुका है। बजरंग दल के नेता बाबू बजरंगी की सजा को आजीवन कारावास से कम कर 21 साल कर दिया था। इस मामले में भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष और मौजूदा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी माया कोडनानी के लिए बचाव पक्ष के गवाह के रूप में पेश हुए थे।

... तो जलवायु परिवर्तन का नहीं करना पड़ता सामना : पीएम

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि बुद्ध का मार्ग भविष्य का मार्ग है। अगर दुनिया बुद्ध की सीखों पर चला होता तो जलवायु परिवर्तन जैसे संकट का कभी सामना नहीं करना पड़ता। बता दें, दो दिवसीय शिखर सम्मेलन का आयोजन संस्कृति मंत्रालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के सहयोग से 20-21 अप्रैल को राजधानी के अशोक होटल में किया जा रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसा संकट इसलिए आया क्योंकि पिछली शताब्दी में कुछ देशों ने आने वाली पीढ़ियों के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने आगे कहा कि आज हर व्यक्ति का हर काम किसी न किसी रूप में धरती को प्रभावित कर रहा है। चाहे वह हमारी लाइफस्टाइल ही क्यों न हो इसका भी प्रभाव पृथ्वी पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अगर हम चाहें तो इस संकट से पृथ्वी को उभार सकते हैं। हर व्यक्ति जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से लड़ सकता है। लोगों को जागरूक होकर प्रयास करने की जरूरत है। प्रयास से इस बड़ी समस्या से निपटा जा सकता है। यही तो बुद्ध का मार्ग है। पीएम ने कहा कि अगर दुनिया को सुखी बनाना है तो हमें स्वयं से निकलकर संसार की संकुचित सोच को त्यागना होगा। >14

एनआईए की पैरवी के लिए केंद्र ने नियुक्त किए चार विशेष अधिवक्ता

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने चार अधिवक्ताओं को विशेष अधिवक्ता के रूप में नियुक्त किया है, जिन्हें पीएफआई और किसान अधिकार नेता अखिल गोगोई से जुड़े मामलों में एनआईए की तरफ से एनआईए स्पेशल कोर्ट के अलावा गुवाहाटी, केरल, राजस्थान और चेन्नई हाई कोर्ट में पैरवी करनी है।

गृह मंत्रालय ने एक नोटिस जारी करते हुए कहा कि माखन फुकन, अजित कुमार एस, स्नेह दीप ख्यालिया और एन भास्करन को नियुक्त किया गया है। जिन्हें राजस्थान, तमिलनाडु, केरल और असम हाई कोर्ट में एनआईए की पैरवी करनी है। मंत्रालय द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, आदेश जारी होने की तारीख से तीन साल तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, तब के लिए नियुक्त किया गया है। माखन को गुवाहाटी हाई कोर्ट के लिए नियुक्त किया गया है, अजित और स्नेह को केरल और राजस्थान के उच्च न्यायालयों में एनआईए की तरफ से मामले की पैरवी करेंगे।

समलैंगिक विवाह पर सुप्रीम सुनवाई

शादी के लिए क्या महिला पुरुष ही जरूरी? : सीजेआई

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने की मांग संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने गुरुवार को पूछा कि क्या विवाह के लिए महिला और पुरुष का ही होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम इन (समलैंगिक) संबंधों को न केवल शारीरिक संबंधों के रूप में देखते हैं बल्कि एक स्थिर और भावनात्मक संबंध के रूप में इससे ज्यादा देखते हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ ने पांच जजों की बेंच द्वारा सुनवाई के तीसरे दिन यह बात कही। सुप्रीम कोर्ट में चल रही इस सुनवाई को कोर्ट की वेबसाइट और यूट्यूब पर लाइव-स्ट्रीम किया जा रहा है। इस पीठ में न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति एसआर भट, न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा भी शामिल हैं।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने के लिए हमें विवाह की विकसित धारणा को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता है। क्योंकि वर्तमान में पति-पत्नी के रूप केवल महिला और पुरुष का ही अस्तित्व है। उन्होंने पूछा कि क्या विवाह के लिए महिला और पुरुष का ही होना आवश्यक है? उन्होंने कहा कि 1954 में विशेष विवाह अधिनियम के अधिनियमन के बाद से पिछले 69 वर्षों में कानून महत्वपूर्ण रूप से विकसित हुआ है, जो उन लोगों के लिए नागरिक विवाह का एक रूप प्रदान करता है जो अपने व्यक्तिगत कानूनों का पालन नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने समलैंगिक विवाह के संदर्भ में 2018 के एक निर्णायक आदेश का जिक्र करते हुए कहा, उस समय अदालत ने समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर करके न केवल सहमति देने वाले समलैंगिक वयस्कों के बीच संबंधों को मान्यता दी है, बल्कि अदालत ने यह भी माना है कि जो लोग समलैंगिक हैं >14

गुरदासपुर में घुसा पाकिस्तानी ड्रोन

अमृतसर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तानी तस्कर भारत में अपने नापाक इरादों को अंजाम देने के लिए लगातार कोशिशों में जुटे हुए हैं। बुधवार-गुरुवार की मध्यरात्रि को भी भारतीय सरहद में पाकिस्तानी ड्रोन घुस आया, लेकिन पंजाब सरहद पर पहरा दे रहे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सतर्क जवानों ने फायरिंग कर इसे खदेड़ने में कामयाबी हासिल की।

पाकिस्तानी ड्रोन पंजाब के गुरदासपुर में आदियां बीओपी पर दिखाई दिया। घटना रात 2.15 बजे के करीब हुई। बीएसएफ के जवान पहरा दे रहे थे, तभी ड्रोन की आवाज सुनाई दी। सतर्क जवानों ने ड्रोन की आवाज की तरफ फायरिंग शुरू कर दी।

तकरीबन 5 मिनट में ड्रोन भारतीय सीमा में रहा। बीएसएफ जवानों ने फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान रोशनी बम भी दागा गया, ताकि सही लोकेशन का पता चल सके। अंत में ड्रोन पाकिस्तानी सीमा में लौट गया। भारतीय सीमा में पाक लगातार ड्रोन के माध्यम से घुसपैठ की कोशिशें कर रहा है।

पानी के मुद्दे पर आंदोलन कर रहे एमएलए नितिन देशमुख को पुलिस ने हिरासत में लिया, राउत ने उठाए सवाल

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। शिवसेना (ठाकरे गुट) सांसद संजय राउत ने ठाकरे गुट के विधायक नितिन देशमुख को हिरासत में लिए जाने पर महाराष्ट्र सरकार पर हमला बोला है। अकोला से ठाकरे गुट के विधायक नितिन देशमुख विदर्भ क्षेत्र में पानी के मुद्दे पर डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के नागपुर स्थित निवास तक पदयात्रा कर रहे थे। अकोला से नागपुर तक 10 दिनों की यात्रा करके नागपुर पहुंचने से पहले ही पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। **सरकार छुपा रही आंकड़े:** सांसद संजय राउत का कहना है कि खारघर में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। सरकार आंकड़े छुपा रही है। राउत ने यह भी गंभीर आरोप लगाया है कि पैसे बांटे जा रहे हैं, ताकि इस मामले में कोई न बोले। वे मुंबई में अपने आवास पर मीडिया से बात कर रहे थे। सांसद संजय राउत ने कहा कि क्या महाराष्ट्र में पानी के मुद्दे पर आंदोलन करना मना है। क्या लोग महंगाई के मुद्दे पर आंदोलन नहीं कर सकते? उन्होंने शिंदे सरकार को औरंगजेब की सरकार बताया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रोजेक्ट की शुरुआत उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री रहते हुए की थी, उसे निलंबित कर दिया गया है। अब जब वे सत्ता में आए तो फडणवीस वह सब भूल गए और उन्होंने हमारे नितिन देशमुख को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। वे शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करने जा रहे थे। फडणवीस जब विपक्ष में थे, तो इसी खारे पानी का विरोध कर चुके हैं। आज वे प्रदर्शनकारियों से मिलने के लिए तैयार नहीं हैं। संजय राउत ने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री खारघर मुद्दे पर बात नहीं कर रहे हैं।

गौतम अडानी ने शरद पवार से की मुलाकात

बंद कमरे में 2 घंटे तक हुई बात; मुंबई से दिल्ली तक चर्चा

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। राहुल गांधी लगातार उद्योगपति गौतम अडानी और पीएम नरेंद्र मोदी के संबंधों को लेकर सवाल कर रहे थे। लेकिन कांग्रेस की सहयोगी पार्टी एनसीपी के प्रमुख शरद पवार ने गौतम अडानी को डिफेंड करते हुए देश के इंफ्रास्ट्रक्चर और इकॉनॉमी में उनके योगदान का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि विदेशी एजेंसियों की रिपोर्ट की नीयत और विश्वसनीयता पर भरोसा नहीं किया जा सकता। इसके बाद आज (20 अप्रैल, गुरुवार) गौतम अडानी ने शरद पवार से उनके सिल्वर ओक बंगले में जाकर मुलाकात की। दोनों की बंद कमरे में दो घंटे तक बात हुई। अब अडानी और पवार के मुलाकात की चर्चा मुंबई से लेकर दिल्ली तक हो रही है। बताया जा रहा है कि दोनों की मुलाकात के दौरान एनसीपी का एक भी नेता वहां मौजूद नहीं था। इस खास मुलाकात में शरद पवार और गौतम अडानी ही शामिल थे। ऐसे में दोनों के बीच क्या बातें हुईं, किसी को उसकी नहीं खबर है। लेकिन दोनों के बीच मुलाकात राजनीतिक गलियारों की एक बड़ी खबर है।

अडानी-पवार मुलाकात एक बड़ी खबर, लेकिन हुई क्या बात, किसी को नहीं खबर

गौतम अडानी सुबह 10 बजकर 10 मिनट में शरद पवार से मिलने उनके मुंबई स्थित सिल्वर ओक निवास पर पहुंचे। बता दें कि एनसीपी का चुनाव निशान घड़ी है। इस घड़ी की तस्वीर में दस बज कर दस मिनट ही बजता दिखाया गया है। अब यह संयोग है या कोई टोटका, यह नहीं पता, लेकिन इतना पता है कि अडानी इसी वक्त शरद पवार के घर पहुंचे और दोनों के बीच 2 घंटे तक चर्चा हुई।

दोनों के बीच क्या हुई बात, इस पर अलग-अलग कयास

गौतम अडानी और शरद पवार के बीच किस मुद्दे पर हुई बात, इस पर अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि हाल के दिनों में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद जिस तरह से राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस पार्टी ने अडानी पर आक्रामक रुख अपनाया हुआ है, उस संदर्भ में अडानी पवार से कुछ मशवरा करने आए होंगे। बता दें कि कांग्रेस पार्टी गौतम अडानी के खिलाफ जॉयंट पार्लियामेंट्री कमेटी की जांच की मांग कर रही है। शरद पवार ने इस बारे में साफ किया है कि इस तरह की जांच का कोई फायदा नहीं है। उन्होंने तर्क दिया है कि संयुक्त संसदीय समिति में जिस दल का बहुमत होता है, उसी दल के ज्यादा सदस्य होते हैं। ऐसे में इससे कोई हल निकलने वाला नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ही इस पर जांच करे, वही उचित है।

हरियाणा महिला आयोग अध्यक्ष के बिगड़े बोल

योयो रूम में लड़कियां आरती करने नहीं जाती

रोहतक (हरियाणा), 20 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेणू भाटिया ने लड़कियों को लेकर विवादित टिप्पणी की है। कैथल में आरकेएसडी कॉलेज में साइबर क्राइम और जागरूकता कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि ओयो रूम में लड़कियां हनुमान की आरती करने नहीं जाती हैं, लड़कियों को ऐसी जगहों पर जाते समय यह ख्याल रखना चाहिए कि कुछ गलत भी हो सकता है। लड़का या लड़की कॉलेज में आते ही समझने लगते हैं स्वतंत्र- भाटिया रेणू भाटिया ने कहा कि लड़का या लड़की कॉलेज में आते ही अपने आप को स्वतंत्र मानने लगते हैं। उनको लगता है कि पता नहीं उन्हें क्या मिल। उन्होंने कहा कि लड़कियों को लगता है कि वह जो चाहे पहने और जहां मन करें जाएं। साथ ही कहा कि लड़के भी यह सोचने लग जाते है कि कॉलेज में आते ही उनका गर्ल फ्रेंड घुमाने का समय शुरू हो गया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान कहा कि जितने भी शारीरिक शोषण के मामले आते हैं, वह ज्यादातर लिवइन के होते हैं। जिसके कारण मामलों में दखल देना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि कानून के चलते हमारे हाथ बंधे रहते हैं। रेणू भाटिया ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन में बने लिवइन रिलेशनशिप कानून के चलते आयोग को कई मामलों में हाथ बांधे रखने पड़ते हैं।

एचसी के आदेश पर हिरासत में लिए गए दो आईएएस, सुप्रीम कोर्ट में बोली यूपी सरकार

यह तो गजब है; सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा- फौरन रिहा करें

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के दो आईएएस अफसरों को फौरन रिहा करने का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर यूपी के वित्त सचिव एसएमए रिजवी और विशेष सचिव (वित्त) सरयू प्रसाद मिश्रा को 19 अप्रैल को हिरासत में लिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने, हाईकोर्ट के आदेश पर रोक भी लगा दी है। यूपी सरकार, एचसी के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गई थी।

सुप्रीम कोर्ट में क्या-क्या हुआ?

20 अप्रैल को सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से एएसजी केएम नटराज पेश हुए। उन्होंने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच को दोनों अफसरों को हिरासत में लेने की जानकारी देते हुए कहा, 'मीलॉर्ड! यह तो बहुत अजीब आदेश है...।' सीजेआई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने हाईकोर्ट के आदेश पर स्टे लगाते हुए दोनों

अफसरों को फौरन रिहा करने का आदेश दिया। साथ ही नोटिस जारी करते हुए कहा कि अगली सुनवाई तक इलाहाबाद हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के फैसले पर स्टे जारी रहेगा। यूपी सरकार के अधिकारियों को तुरंत रिहा किया जाए।

क्यों हिरासत में लिये गए थे आईएएस अफसर?

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दोनों अफसरों को न्यायालय की अवमानना का दोषी करार देते हुए हिरासत में लेने का आदेश दिया था। दरअसल, पूरा मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट के 4 अप्रैल के एक आदेश से जुड़ा है। उच्च न्यायालय ने, हाईकोर्ट के रिटायर्ड जजों की सुविधा से संबंधित मामले पर हफ्ते भर के अंदर जवाब दायर करने को कहा था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। हाईकोर्ट ने इसे अवमानना माना। इससे पहले 18 अप्रैल को राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में एक एफिडेविट दाखिल कर बताया था कि 4 अप्रैल के आदेश को लागू नहीं किया जा सका है। कोर्ट ने इसपर कड़ी नाराजगी जाहिर की और कहा कि राज्य का वित्त विभाग जानबूझकर न्यायालय के फैसले को लागू नहीं कर रहा है और हीला-हवाली कर रहा है।

चीफ सेक्रेटरी के खिलाफ भी वारंट

हाईकोर्ट में जस्टिस सुनीत कुमार और जस्टिस राजेंद्र कुमार (चतुर्थ) के डिवीजन बेंच ने अपने आदेश में दोनों अफसरों को अवमानना का दोषी देते हुए कहा कि कोर्ट में मौजूद शाहिद मंजर अब्बास रिजवी और सरयू प्रसाद मिश्रा को हिरासत में लिया जा रहा है। इन्हें 20 अप्रैल को कोर्ट में पेश किया जाएगा, ताकि चार्जेस फ्रेम किये जाएं। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के चीफ सेक्रेटरी और वित्त विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी डॉ। प्रशांत त्रिवेदी के खिलाफ भी जमानती वारंट जारी किया था ।

हाईकोर्ट ने ठुकरा दी थी यूपी सरकार की मांग

इससे पहले बुधवार को जब दोनों अफसर हिरासत में लिये गए थे, तब भी उत्तर प्रदेश सरकार के अपर महाधिवक्ता एमसी चतुर्वेदी ने उनकी जमानत की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया था। कहा था कि कोर्ट के आदेश का पालन करें, तभी राहत मिलेगी।

क्या है याचिका?

आपको बता दें कि उच्च न्यायालय में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के कई रिटायर्ड जजों ने सेवानिवृत्ति पूर्व सुविधाओं के लिए याचिका दाखिल की है। कोर्ट इसी पर सुनवाई कर रहा है। कौन हैं दोनों आईएएस अफसर? एसएमए रिजवी, उत्तर प्रदेश कैडर के साल 2006 बैच के आईएएस अफसर हैं। उनकी गिनती तेजतर्रार नौकरशाह में होती है। रिजवी, पहले वक्फ ट्रिब्यूनल के मेंबर और एग्रीकल्चर प्रोडक्शन डिपार्टमेंट में स्पेशल सेक्रेट्री जैसे पदों पर रहे हैं। उधर, सरयू प्रसाद मिश्रा भी तेज-तर्रार अफसर माने जाते हैं और कई डिपार्टमेंट में अहम पदों पर रह चुके हैं।

कुएं में गिरे भालू को वन विभाग अधिकारी ने बेहोश कर जाल के सहारे निकाला बाहर

तिरुवनंतपुरम, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। यहां के उपनगरीय शहर वेल्लानाडु के एक कुएं में एक भालू के गिर जाने की खबर सामने आई है जिसे वन विभाग ने सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया है। भालू के रेस्क्यू का वीडियो भी जारी हुआ है जिसमें वन अधिकारियों को उसे जाल में बांध कर ऊपर लाते हुए देखा गया है। रेहाइशी जगह पर एक भालु को देख स्थानीय भी हैरान है क्योंकि यहां जल्दी कोई जानवर दिखाई नहीं देते है। स्थानीयों का कहना है कि यहां कभी-कभी जंगली सूअर भी देखे जाते है। हालांकि काफी परेशानी के बाद अंत में वन विभाग ने भालू को कुएं से बाहर निकाल लिया है और बताया जा रहा है कि उसकी हालत ठीक है। इस वीडियो में यह देखा गया है कि कैसे विभाग के अधिकारी पूरी तैयारी के साथ रस्सी के सहारे कुएं में कूदे है और भालू को बचा रहे है।

कांग्रेस ने जेपी नड्डा पर लगाया वोटर्स को धमकाने का आरोप

जयराम बोले- क्यों डरा रहे हैं?

बेंगलूरू, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक पारा तेजी से चढ़ रहा है। राज्य में सियासी उठापटक जारी है। इस बीच बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के ऊपर कांग्रेस पार्टी ने सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। कर्नाटक में दिए गए जेपी नड्डा के एक भाषण का वीडियो क्लिप कांग्रेस ने ट्विटर पर साझा किया और उन पर मतदाताओं को 'धमकाने' का आरोप लगाते हुए उनकी टिप्पणियों को 'लोकतंत्र पर हमला' करार दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बीजेपी पर निशाना साधने के लिए कर्नाटक में जेपी नड्डा की चुनावी रैली का एक वीडियो ट्वीट किया है। जेपी नड्डा को वीडियो में यह बोलते सुना जा सकता है कि 'कर्नाटक में विकास की गंगा बहती रहे इसलिए मैं कमल के निशान पर वोट मांगने आया हूं। कर्नाटक में विकास जारी रहे, निरंतर चलता रहे, यह चुनाव का मुद्दा है। जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद है उससे कहीं कर्नाटक वंचित ना हो जाए, इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि आपको कमल को जिताना है और कर्नाटक के विकास को आगे बढ़ाना है'।वीडियो के कैप्शन में जयराम रमेश ने लिखा कि 'भक्ति की भी सीमा होनी चाहिए नड्डा जी। कर्नाटक की जनता को धमकी क्यों दे रहे हैं, क्यों डरा रहे हैं?

आधी रात हरे पेड़ों पर चली आरी, कांग्रेस ने प्रदर्शन कर जलाया विधायक का पुतला

रतलाम, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मप्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान हर रोज एक पौधा लगाकर प्रदेश में हरियाली लाने के प्रयास कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर रतलाम में बीती रात नगर निगम के सामने गांधी उद्यान में सैकड़ों पेड़ों की अंधाधुंध कटाई कर उनकी बलि चढ़ा दी गई। इस पूरे मामले को लेकर कांग्रेस ने नगर निगम प्रशासन के साथ ही शहर विधायक चैतन्य काश्यप पर निशाना साधा है और विधायक का पुतला भी जलाया है।

गांधी उद्यान में जहां पेड़ काटे गए हैं, उसके पीछे गोल्ड कॉम्प्लेक्स का निर्माण होना है। ऐसे में पेड़ों की कटाई ठेकेदार के इशारे पर होना बताई जा रही है। पेड़ों की कटाई होने की सूचना पर जब कुछ सामाजिक कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे तो पेड़ काटने वालों ने उनसे भी अभद्रता की।

आईजीआई एयरपोर्ट से लाखों का गोल्ड बरामद

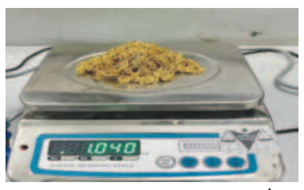

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तैनात कस्टम की टीम ने एक विदेशी नागरिक को सोना तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया है। वह ताशकंद से अपने कपड़ों और सामान में सोने की चेन छिपाकर लाया था। जिसका वजन करीब 1 किलोग्राम से अधिक है। आरोपी के खिलाफ कस्टम एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। 54 लाख 48 हजार से ज्यादा कीमत का है सोनाः कस्टम के ज्वाइंट कमिश्नर ने बताया कि आरोपी तस्कर उज्बेक एयरलाइन की फ्लाइट संख्या एचबॉय- 425 से ताशकंद से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा था। यहां आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर इमिग्रेशन क्लियरेंस के बाद ग्रीन चैनल से भागने की कोशिश में था। इसी दौरान कस्टम की टीम ने संदेह होने पर उसे रोककर उसकी जांच की। उन्होंने बताया कि जांच में उसके बैग और पहने हुए कपड़ों में से सोने के 9 गोल्ड चेन मिले, जिनका वजन करीब 1 किलो 39 ग्राम निकला। लाखों-करोड़ों का गोल्ड हुआ बरामद : कस्टम ऑफिसर का कहना है कि गोल्ड तस्कर भले ही विदेशों से चोरी छुपे अपने लगेज में और अपने साथ छिपाकर गोल्ड लेकर आते हैं, लेकिन इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अलर्ट कस्टम की टीम लगेज के साथ-साथ हवाई यात्रियों की पर्सनल जांच कर लगातार मामलों का खुलासा कर रही है। साथ ही लाखों-करोड़ों का गोल्ड बरामद किया जा रहा है। बता दें कि राजधानी दिल्ली में ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जब विदेशी नागरिकों को सोना तस्करी या नशा तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया गया है।

'अपने राम हम पर थोपना बंद करो'

प्रियांक खरगे बोले- आप 6.5 करोड कन्नडिगा का अपमान करते हैं

बेंगलूरू, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टियों के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। राज्य में दो प्रमुख पार्टी सत्तारूढ़ बीजेपी और कांग्रेस के बीच राजनीतिक लड़ाई में एक नया मोड़ आ गया है। कर्नाटक में चुनाव प्रचार के दौरान बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की ओर से की गई टिप्पणी को लेकर कांग्रेस के कई नेताओं ने इसकी आलोचना की है। कर्नाटक के मौजूदा विधायक प्रियांक खरगे ने बीजेपी को आड़े हाथों लेते हुए ट्वीट किया कि आपके अहंकार के लिए कन्नडिगा आपको भारी कीमत चुकाने पर मजबूर करेंगे। जब आप अपने स्वामी को खुश करते हैं, तो आप 6.5 करोड़ कन्नडिगा का अपमान करते हैं। उन्होंने कहा कि अपने भगवान को हम पर थोपने की कोशिश करना बंद करो। प्रियांक खरगे ने कहा, आपको क्या लगता है कि आप किससे बात कर रहे हैं? हम कन्नडिगा हैं, हमें कभी भी समृद्ध होने के लिए किसी नार्सिसिस्ट के आशीर्वाद की आवश्यकता नहीं थी। क्या कर्नाटक के लोगों का बार-बार अपमान करने में बीजेपी को बड़ा आनंद मिलता है? प्रधानमंत्री और भाजपा को लगता है कि पूरा देश 2014 के बाद ही बना है?। नड्डा जी बाहर आकर अपना नागपुर का भाषण यहां पढ़कर हमें भड़काएं नहीं। हम पहले से ही प्रकृति द्वारा धन्य राज्य में हैं, आपके स्वामी के आशीर्वाद की आवश्यकता नहीं है, हम पहले से ही आपके आशीर्वाद के लिए राष्ट्र की प्रगति को बढ़ावा देने वाले एक आर्थिक महाशक्ति हैं। उन्होंने कांग्रेस के काम को याद दिलाते हुए कहा, मोदी जी के मेक इन इंडिया का आशीर्वाद देने से पहले हमने आईटीआई, बीईएल, एचएमटी, बीएचईएल, मैंगलोर रिफाइनरी, मैसूर लैंप और अन्य बड़े और लघु उद्योगों का निर्माण किया। हमने एनएएल, एनएएल का निर्माण किया जहां विमान और हेलीकॉप्टर बनाए जा रहे हैं, हमने इसरो का निर्माण किया और हम उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेज रहे हैं। कांग्रेस विधायक ने जेपी नड्डा पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर आपको लगता है कि आप यहां आ सकते हैं और हमें धमका सकते हैं, अपमान कर सकते हैं और हमें नीचा दिखा सकते हैं, तो आप गलत हैं। हमें अपने इतिहास और संस्कृति पर बहुत गर्व है, हमें अपनी मेहनत पर बहुत भरोसा है। हम बुद्ध और बसवन्ना की शिक्षाओं से निर्देशित हैं, इसके साथ ही ओब्बाव और रायन्ना की बहादुरी से भी प्रेरित हैं।

क्या कहा था बीजेपी अध्यक्ष ने?

कांग्रेस ने निशाना साधने के लिए अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर जे पी नड्डा का एक वीडियो क्लिप शेयर किया है। वीडियो में नड्डा को यह कहते हुए सुना जा सकता है, मैं आपसे अपील करता हूं कि आप कमल के प्रतीक को वोट दें और विकास को आगे बढ़ाएं ताकि कर्नाटक मोदी जी के आशीर्वाद से वंचित न रहे। कांग्रेस ने बुधवार यानी 19 अप्रैल को कर्नाटक में जेपी नड्डा की कथित टिप्पणी का वीडियो को अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया, पार्टी ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर राज्य के मतदाताओं को धमकाने का आरोप लगाया है।

पुलिस के हत्थे चढ़ी महिला तस्कर 350 क्वार्टर शराब बरामद

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। वेस्ट दिल्ली के राजौरी गार्डन थाना पुलिस ने एक महिला शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 350 क्वार्टर शराब बरामद की गई है। पुलिस ने एक्साइज एक्ट के तहत आरोपी महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वेस्ट जिले के एडिशनल डीसीपी अक्षत कौशल से मिली जानकारी के अनुसार राजौरी गार्डन थाना की टीम रघुवीर नगर के टीसी कैंप इलाके में पेट्रोलिंग कर रही थी। टीम में हेड कांस्टेबल मनजीत और हेड कांस्टेबल धर्मवीर शामिल थे। तभी टीम को नमिता नाम की महिला द्वारा शराब बेचने की जानकारी मिली कि वह अपने घर में ही शराब के धंधे में शामिल है। दोनों पुलिसकर्मियों ने सीनियर अधिकारियों को इसके बारे में बताया। उसके बाद राजौरी गार्डन एसीपी के निर्देशन में एसआई संजय, हेड कांस्टेबल मनजीत, हेड कांस्टेबल नवीन, हेड कांस्टेबल धर्मवीर और महिला हेड कांस्टेबल राजकुमारी की टीम बनाई गई।

दिल्ली-एनसीआर में तपती गर्मी से मिलेगी राहत

अगले 3 दिनों में होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। इस अप्रैल के महीने में देश के अलग अलग हिस्सों में मौसम का मिजाज अलग अलग है। कहीं प्रचंड गर्मी तो कहीं हीटवेव की स्थिति तो वहीं कहीं बारिश हो रही है तो कहीं बर्फबारी। दिल्ली-एनसीआर में कल रात से मौसम में कुछ नरमी आई है। हवा चलने की वजह से लोगों को हल्की राहत महसूस हुई है। वहीं, पहाड़ों पर बारिश के साथ बर्फबारी हो रही है तो कई राज्यों में बारिश का अनुमान है। अगर दिल्ली-एनसीआर की बात करें तो, यहां आज तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। चिलचिलाती गर्मी से हल्की राहत मिलने का अनुमान है। हल्की बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई जा ही है। दिल्ली में आज का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। वहीं न्यूनतम तापमान 21 डिग्री रह सकता है। बता दें कि दिल्ली में अगले तीन दिनों के मौसम के ऐसा ही रहने का अनुमान है। बता दें कि बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल। उधर दक्षिण के कुछ राज्यों आंध्र प्रदेश, केरल में पिछले कुछ दिनों से लू का प्रकोप है। पारा 43-44 के आसपास दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में अगले तीन दिनों तक बारिश होने के आसार हैं। इसके अलावा तेज हवाएं चलने का अनुमान है। इससे मौसम में कुछ नरमी आने की संभावना है। उधर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर में बारिश के साथ बर्फबारी हो सकती है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना जताई गई है। इसके अलावा बिहार, झारखंड ओडिशा में आने वाले एक दो दिन में मौसम में बदलाव की संभावना है।

आसनसोल विश्वविद्यालय में बांग्लादेशी छात्रा को जान से मारने की कोशिश

कोलकाता, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। आसनसोल के काजी नजरुल विश्वविद्यालय में एक बांग्लादेशी छात्रा की हत्या की कोशिश के गंभीर आरोप लगे हैं। पीड़िता ने बुधवार को कोलकाता स्थित बांग्लादेशी दूतावास में आकर शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया है कि उसने दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग, कोलकाता में मौजूद उप उच्चायोग, विश्वविद्यालय के कुलपति, रजिस्ट्रार, डीन सहित विभागीय प्रधान और पुलिस प्रमुखों को लिखित में आवेदन दिया है। उसने बताया कि पिछले 15 दिनों से वह अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही है। उसने कई बार आसनसोल महिला थाने को और संबंधित प्रोफेसरों को भी इस बारे में जानकारी दी है लेकिन कोई कदम नहीं उठाया गया।

एमएलए की हत्या से पहले शख्स ने खरीदी 8 हजार की दवा तो एनआईए ने लगा दिया यूएपीए, सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगा कराया रिहा

नई दिल्ली,विशाखापट्टणम 20 अप्रैल (एजेंसियां)। तेलगू देशम पार्टी के विधायक और पूर्व विधायक की हत्या के मामले में गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट ने यूएपीएके केस में जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। एजेंसी की दलील थी कि आरोपी ने हत्याकांड से पहले 8 हजार की दवाएं खरीदी थीं। ये उस माओवादी ग्रुप को दी गईं जिसके ऊपर हत्या का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने एजेंसी के वकील को फटकार लगाते हुए कहा कि कोई दवा खरीदता है तो क्या आप यूएपीएलगा दोगे। इससे क्या बात साबित होती है। क्या दवा खरीदना कोई जुर्म है। इससे ये कहां साबित हुए कि आरोपी हत्याकांड में शामिल था। दरअसल तेलगू देशम पार्टी के विधायक किदारी सरवेश्वर राव और पूर्व विधायक सिवेरी सोमा की 23 सितंबर 2018 को विशाखापत्तनम में हत्या कर दी गई थी। सरवेश्वर राव तेलगू देशम पार्टी के व्हिप भी थे। वारदात वाले दिन ही उनके पीए ने पुलिस में 45 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। ये सभी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के सदस्य थे। यूएपीएके पहले शेड्यूल में इस संगठन को आतंकी माना गया है। ये केस एनआईए ने तुरंत अपने हाथ में ले लिया। आरोपी नंबर 46 और 47 को एजेंसी ने 13 अक्टूबर 2018 को गिरफ्तार किया था। 10 अप्रैल 2019 में चार्जशीट पेश की गई। एजेंसी ने अपनी चार्जशीट में दोनों नेताओं की हत्या के मामले में 79 लोगों को आरोपी बनाया। पहले ये तादाद 85 थी।

मामले में कुल 144 गवाह हैं। एनआईए की तरफ से पेश सीनियर एडवोकेट केएम नटराज ने जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच से कहा कि आरोपी नंबर 46 की निशानदेही पर बहुत सारी ऐसी चीजें बरामद की गईं जो विस्फोट करने में इस्तेमाल होती हैं। उनका कहना था कि आरोपी ने 16 जनवरी 2019 को पूछताछ के दौरान माना था कि उसने तकरीबन 8 हजार रुपये की दवाएं खरीदकर आतंकी संगठन तक पहुंचाईं। एजेंसी का दावा था कि आरोपी नंबर 46 और आरोपी नंबर 47 हत्या के 18 दिनों पहले तक एक दूसरे के संपर्क में थे। बाद में आरोपी नंबर 47 का फोन स्विच ऑफ हो गया। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच ने अपने फैसले में कहा कि वारदात से अरसा पहले दवाएं खरीदना कब से जुर्म हो गया। आपने यूएपीए भी लगा दिया। जबकि जिस माओवादी के कहने पर दवाएं खरीदी गई थीं, उसे अदालत जमानत पर रिहा कर चुकी है। सुप्रीम कोर्ट का कहना था कि दोनों आरोपियों ने गिरफ्तारी के तुरंत बाद बयान दे डाले।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र: दूसरों को सहयोग देना ही उन्हें अपना सहयोगी बनाना है

शुक्रवार, 21 अप्रैल, 2023

डीजल लोको शेड, काज़ीपेट ने राष्ट्र की शानदार सेवा के 50 साल पूरे किए

दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने गोल्डन जुबली स्मारिका जारी की

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डीजल लोको शेड के गोल्डन जुबली समारोह एक भव्य तरीके से काज़ीपेट लोको शेड में आयोजित किया गया। समारोह में दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और गोल्डन जुबली स्मारिका मुद्दा जारी किया।

इस अवसर पर पीडी मिश्रा, प्रमुख मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, बी. नाग्या, प्रमुख मुख्य संचालन प्रबंधक ए. के. गुप्ता, डिवीजनल रेलवे मैनेजर, सिकंदराबाद डिवीजन, अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए अरुण कुमार जैन ने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है क्योंकि डीजल लोको शेड, काज़ीपेट ने राष्ट्र के लिए 50 साल की शानदार सेवा पूरी की। उन्होंने प्रशंसा की कि शेड ने कई वर्षों तक राजधानी एक्सप्रेस सहित कई प्रतिष्ठित एक्सप्रेस ट्रेनों को सफलतापूर्वक चलाया है। उन्होंने कहा कि शेड हमेशा अमेरिकी लोकोमोटिव, हाई हॉर्स पावर डीजल लोकोमोटिव, इलेक्ट्रिक लोकोस आदि जैसे लोको की नई तकनीकों को शामिल करने में सबसे आगे रहा है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में, शेड ने भी इलेक्ट्रिक लोकोस रखरखाव को बहुत जल्दी उठाया है और इलेक्ट्रिक लोको के रखरखाव के लिए सभी इन्फ्रास्ट्रक्चरल आवश्यकताओं को स्थापित किया है। इसके अलावा, शेड की उपलब्धियों पर बोलते हुए, महाप्रबंधक ने उल्लेख किया कि अपने उत्कृष्ट और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए लोको शेड, काज़ीपेट ने चार बार महाप्रबंधक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन शील्ड पुरस्कार प्राप्त किया। महाप्रबंधक ने यह भी कहा कि दुर्घटना राहत ट्रेनों के संचालन और रखरखाव, काज़ीपेट को हमेशा राहत संचालन के दौरान यातायात की तेजी से बहाली के लिए सराहना की गई है।

उन्होंने कहा कि एक और उल्लेखनीय उपलब्धि दुर्घटना राहत ट्रेन, काज़ीपेट द्वारा इन-सीटू गैजेट के पहिया फ्लोटिंग का विकास है जो भारतीय रेलवे पर पहला है। समापन करते हुए अरुण कुमार जैन ने अपने समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए डीजल लोको शेड की पूरी टीम की सराहना की और उन्हें अपने प्रयासों को जारी रखने की सलाह दी। काज़ीपेट डीजल शेड तेलंगाना राज्य में काकती राजवंश के ऐतिहासिक शहर वारंगल के पश्चिमी छोर पर स्थित है। शेड को 21 अप्रैल, 1973 को स्थापित किया गया था और इसे 6.01 हेक्टेयर के क्षेत्र में सेट किया गया था, जिसमें कुल ट्रैक लंबाई 5 किलोमीटर है, जिसमें से 3.5 ट्रैक किलोमीटर पहले से ही वर्तमान में विद्युतीकृत हैं। डीजल लोकोस के रखरखाव के लिए शुरू किया गया शेड भारतीय रेलवे में रेल नेटवर्क के तेजी से विद्युतीकरण को देखते हुए, इलेक्ट्रिक लोकोस को बनाए रखने के लिए विकसित हुआ है। शेड में वर्तमान में 220 लोकोमोटिव (150 एचएचपी डीजल लोको और 70 डब्ल्यूएजी-7 इलेक्ट्रिक लोको) हैं। डीजल लोको शेड को 681 कर्मचारियों की एक समर्पित टीम द्वारा बनाए रखा गया है।

वर्ष-2023 के लिए 111 हज तीर्थयात्रियों को चुना गया

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट हज कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद सलीम और हज कमेटी के कार्यकारी अधिकारी शफिउल्लाह ने बताया कि हज-2023 के लिए हज यात्रियों का चयन 19 अप्रैल को दोपहर 2 बजे हज हाउस, नामपल्ली में किया गया।

हज समिति ने 165 आवेदकों को प्राप्त किया, जिनमें से 111 आवेदक पात्र पाए गए। चयनित यात्रियों को भारत की हज समिति, मुंबई के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेना है। हज यात्रियों का का चयन भारत की हज समिति, मुंबई और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और प्रशिक्षण शिविर की अंतिम मंजूरी के अधीन है, जो अनिवार्य है। इस दौरान मासिउल्लाह खान, चेयरमैन, टीएस वक्फ बोर्ड, सैयद निज़ामुद्दीन (नरसिंगी), जाफर खान (गजवेल), मौलाना मीर नादेर अली रज़वी (हैदराबाद) टीएस हज समिति के सदस्य, बी शफिउल्लाह, कार्यकारी अधिकारी, हज समिति, और इरफान शरीफ, सहायक सचिव, हज समिति उपस्थित थे।

तेलंगाना में इंदिरम्मा राज्यम को वापस लाने का लक्ष्य : भट्टी विक्रमार्क

सीएलपी लीडर ने 350 किमी का पदयात्रा पूरा किया

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने अपने चल रहे लोगों के मार्च पदयात्रा में 350 किमी पूरी कर ली है। पदयात्रा ने गुरुवार को 35वें दिन भी प्रवेश किया। उन्हें कलवा श्रीरामपुर के निवासियों से गर्मजोशी से स्वागत किया गया। सीएलपी नेता ने जनसमस्याओं के बारे में पता लगाने के लिए गाँव के लोगों के साथ बातचीत की। इस अवसर पर बोलते हुए, भट्टी ने यह स्पष्ट किया कि वह एक चुनाव अभियान के हिस्से के रूप में नहीं मिल रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का पता लगाने और तब तक लड़ने के लिए जब तक कि वे हल नहीं हो जाते। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य तेलंगाना में इंदिरमा राज्यम को वापस लाना है और उन्होंने कहा कि वह राज्य के गरीब लोगों की समस्याओं को पूरा करने के लिए पदयात्रा को पकड़ रहे थे और सभी प्रकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों को वितरित करने के लिए कदम उठा रहे थे। उन्होंने आदिलाबाद जिले के असेंबली निर्वाचन क्षेत्र में अपना पदयात्रा शुरू किया। स्थानीय विधायक मनोहर रेड्डी को लक्षित करते हुए, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि तेलंगाना राज्य के लोगों के लिए बनाया गया था न कि विधायक के विकास के लिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि श्री रेड्डी ने पिछले नौ वर्षों में अपने पेद्दापल्ली असेंबली निर्वाचन क्षेत्र में कोई विकास नहीं किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के लोग विधायक मनोहर रेड्डी की यातना को सहन करने की स्थिति में नहीं थे। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के लोगों को सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी नियम के तहत अपने स्वयं के तेलंगाना राज्य में किसी भी तरह का लाभ नहीं मिल रहा था। उन्होंने कहा कि टीआरएस पार्टी के पिछले नौ वर्षों में पेडपेलल निर्वाचन क्षेत्र को एक अतिरिक्त एकड़ में पानी नहीं मिला और उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र को श्रीरामसागर परियोजना से पानी मिल रहा है, जिसे कांग्रेस सरकार द्वारा बनाया गया था।

गांधी अस्पताल के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने बंडी से मुलाकात की

सरकार पर दबाव बनाकर उनके साथ न्याय करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी अस्पताल के आउटसोर्सिंग स्टाफ ने आज राज्य भाजपा के प्रमुख बंडी संजय कुमार से मुलाकात की और उनसे न्याय करने के लिए राज्य सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह किया। उन्होंने संजय को बताया कि उन्होंने कोविड महामारी की अवधि के दौरान अस्पताल में काम किया और कहा कि राज्य सरकार ने पिछले महीने में उनकी मानवीय सेवाओं के बावजूद उन्हें हटा दिया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के फैसले के कारण सड़कों पर कुल 244 परिवारों को फेंक दिया गया था। उन्होंने संजय कुमार से बीआरएस सरकार पर दबाव बनाने और उनके साथ न्याय करने का आग्रह किया। बंदी संजय ने आउटसोर्सिंग स्टाफ के अनुरोध पर सकारात्मक जवाब दिया और भाजपा की ओर से राज्य सरकार पर दबाव बनाने के लिए कदम उठाने का वादा किया।

तकनीकी शिक्षकों का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 1 मई से

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तकनीकी शिक्षकों का 42-दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हैदराबाद, हनुमकोंडा, निजामाबाद, नलगोंडा और करीमनगर में 1 मई से 11 मई तक आयोजित किया जाएगा। प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों को 18 वर्ष पूरा करना चाहिए और 20 अप्रैल को 45 वर्ष की आयु पार नहीं करनी चाहिए और निदेशक के कार्यालय द्वारा जारी किए गए व्यापार में निचली ग्रेड तकनीकी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (टीसीसी) के साथ माध्यमिक स्कूल प्रमाण पत्र या समकक्ष परीक्षा पारित की जानी चाहिए।

दमरे ने यात्रियों को गंगा पुष्करम जाने की दिशा में की ठोस पहल

अठारह विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गंगा पुष्करम के दौरान दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए सिकंदराबाद- रक्सौल, तिरुपति-दानापुर और गुंटूर-बनारस के बीच अठारह विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। आज यहां एक विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन नंबर 07007 सिकंदराबाद-रक्सौल विशेष ट्रेन (रविवार) को 10.30 बजे और 23 अप्रैल, 30 और 7 मई को रवाना होकर मंगलवार को सुबह 6 बजे रक्सौल पहुंचेगी। इसी क्रम में ट्रेन नंबर 07008 मंगलवार को शाम 7.15 बजे 25 अप्रैल, 2 मई, 9 अप्रैल को रक्सौल से रवाना होकर गुरुवार को दोपहर 2.30 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। ये विशेष ट्रेनें बोलारम, मेडचल, अकानापेट, कामारेड्डी, निज़ामाबाद, बासर, मुदखेद, नांदेड़, पूर्णा, बसमत, हिंगोली डेक्कन, वाशिम, अकोला, भुसावल, खांडवा जेएन, इटारसी , पिपिरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज च्यूकी, डीडी उपाध्याय, बक्सर, पाट्लिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपपुर और सीतामढ़ी दोनों दिशाओं में रूकेंगी। ट्रेन नंबर 07419 तिरुपति-दानापुर विशेष ट्रेन तिरुपति को शनिवार को शाम 7.15 बजे 22 अप्रैल, 29 अप्रैल और 6 मई को रवाना होकर रविवार रात 11.15 बजे दानापुर पहुंचेगी। ये विशेष ट्रेनें रेनिगुंटा, गुडूर, नेल्लोर, ओंगोल, चिरला, तेनाली, खम्मम, वारंगल, पेडदापल्ली, रामागुंडम, बेलामपल्ली, सिरपुर कागज़नगर, नागपुर, इटारसी, पिपीरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, मानीकपुर, डीडी उपाध्याय, बक्सर और आरा आदि स्टेशनों पर रूकेगी। ट्रेन नंबर 07230 गुंटूर- बनारस विशेष ट्रेन शनिवार रात 11.45 बजे 22 अप्रैल, 29 अप्रैल और 6 मई को रवाना होकर सोमवार को शाम 4.30 बजे बनारस पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 07229 बनारस-गुंटुर विशेष ट्रेन 24 अप्रैल, 1 और 8 मई को सोमवार शाम 6 बजे रवाना होकर बुधवार सुबह 6.30 गुंटुर पहुंचेगी। ये विशेष ट्रेनें विजयवाड़ा, गुडीवाड़ा, भीमवरम शहर, तनुकु, निदावोलु, राजमंड्री, समलकोट, तूनी, अनाकपल, डुवावाड़ा, कोट्टावलासा, विजयनगराम, हटिया, रांची, मुरी, बरककाना, भाबुआ रोड, पं. डीडी उपाध्याय और वाराणसी स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रूकेगी।

सत्यम्-शिवम्-सुंदरम गौनिवास, गगन पहाड़ में अमावस्या पर गौसेवा करते हुए श्रद्धालु।

आईजी गौशाला, कल्काराम, जवाहरनगर, कापरा मंडल में अमावस्या के अवसर पर गोसेवा करते हुए गौभक्त व पदाधिकारीगण।

अमावस्या पर शिव मंदिर गौशाला, शमशेरगंज में गौसेवा करते हुए गौभक्त।

शर्मिला ने 13 लाख एकड़ पोडू भूमि पर पट्टे देने की कसम खाई

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी के संस्थापक-राष्ट्रपति वाईएस शर्मिला ने आज राज्य में सत्ता में सत्ता के बाद चार महीने के भीतर 13 लाख एकड़ पॉडू पर पट्टों को वितरित करने का आश्वासन दिया। इंद्रवेली के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, उसने कहा कि वह एक कारण के लिए अपने जीवन का त्याग करने के लिए शहीदों से पहले अपना सिर झुक रही थी।

यह याद करते हुए कि उसके पिता ने अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य में अपने ऐतिहासिक पदायत्रा के दौरान पॉडू भूमि की समस्या को देखा, उन्होंने कहा कि वाईएसआर ने मुख्यमंत्री बनने के तुरंत बाद कोनरू रंगा राग समिति का गठन किया। उसने कहा कि उसके पिता ने 3.3 लाख एकड़ जमीन से अधिक पॉडू लैंड पट्टों को वितरित किया था और कहा कि अगर वह जीवित था तो उसने शेष भूमि पर पट्टों को दिया होगा। आगे बोलते हुए, शर्मिला ने प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों को बीआरएस और कांग्रेस पार्टी को निशाना बनाया और आरोप लगाया कि दोनों दलों ने अपने पिता वाईएसआर के निधन के बाद पॉडू भूमि के एक एकड़ के लिए भी पट्टों को नहीं दिया था। यह याद दिलाते हुए कि सीएम केसीआर ने राज्य के मुख्यमंत्री बनने के छह महीने के भीतर पट्टों को वितरित करने का वादा किया था, शर्मिला ने सीएम केसीआर से पूछा कि उनके वादे से क्या हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर ने अपने पिछले नौ वर्षों के शासन में एक एकड़ के लिए भी पॉडू भूमि पर पट्टों को नहीं दिया था।

एफटीसीसीआई का स्वास्थ्य बीमा पर शिखर सम्मेलन आज से

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। द फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) स्वास्थ्य बीमा विजन 2030 गुणवत्ता और सस्ती स्वास्थ्य पर दो दिवसीय शिखर सम्मेलन 21 अप्रैल और 22 अप्रैल को केएलएन ऑडिटोरियम, एफटीसीसीआई, हैदराबाद में होगा। पहले राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में "रोगी पहले" पर ध्यान देने के साथ सभी हितधारक शामिल हैं।

शिखर सम्मेलन का उद्देश्य पहुंच और सामर्थ्य में सुधार के लिए अभिनव रोगी केंद्रित स्वास्थ्य बीमा योजनाओं और उत्पादों को विकसित करना है। तेलंगाना में स्वास्थ्य बीमा प्रवेश को और बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र और मौजूदा रोगी शिकायत निवारण प्रणाली में चुनौतियों को दूर करने के लिए समाधान समझने और खोजने के लिए चर्चा होगी। शिखर सम्मेलन स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली में शामिल महत्वपूर्ण भागीदारों का एक सहयोगी प्रयास है, जो सभी हितधारकों के साथ जुड़कर सार्वजनिक और निजी बीमा पर ध्यान केंद्रित करने के साथ एक एकल मंच पर एक साथ आने के लिए एक साथ आने के लिए और रणनीतियों और कार्य योजनाओं को अंतिम रूप से विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कार्य करता है।

एकीकृत एग्रीबियोटेक सेंटर सुल्तानपुर में स्थापित किया गया

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर स्थित एसआरआईओ बायोएस्टहेटिक्स ने शहर के बाहरी इलाके में सुल्तानपुर में चिकित्सिक में एकीकृत एग्रीबियोटेक सेंटर की स्थापना की, जो कि 30 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 1.5 एकड़ की भूमि पर है। यह सुविधा भारत में आर एंड डी, उत्पादन और सेवा में अपनी तरह का पहला है, विशेष रूप से कृषि के लिए माइक्रोबियल प्रौद्योगिकियों के साथ, और इस सप्ताह के अंत में औपचारिक उद्घाटन के लिए स्लेट किया गया है। माइक्रोबियल तकनीक किफायती बैक्टीरिया, यीस्ट और वायरस का उत्पादन और उपयोग है। तेलंगाना के कृषि मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, इस सप्ताह के अंत में इस सुविधा का उद्घाटन करेंगे। इस सुविधा का उद्देश्य बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान के संचालन के अलावा गुणवत्ता वाले जैविक कृषि आदानों और परीक्षण सेवाओं के साथ कृषि समुदाय की जरूरतों को पूरा करना है।

डीएम व एचओ ने अयोग्य चिकित्सकों के खिलाफ दी चेतावनी

नलगोंडा, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (डीएम एंड एचओ) डॉ कोंडल राव ने गुरुवार को चेतावनी दी कि जिले में दवा का अभ्यास करने वाले अयोग्य व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नलगोंडा में डीएम व एचओ कार्यालय में डीएम व एचओ, नलगोंडा की कानूनी और नीमहकीमी विरोधी समिति के सदस्यों और ग्रामीण चिकित्सकों के संघ के नेताओं की एक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. कोंडल राव ने स्पष्ट किया कि ग्रामीण चिकित्सकों को योग्य डॉक्टरों की तरह व्यवहार नहीं करना चाहिए। उन्हें कम्युनिटी पैरामेडिक्स माना जाएगा, जिन्हें योग्य डॉक्टरों के निर्देशों का पालन करके काम करना चाहिए और उन्हें मामलों से निपटने की अनुमति नहीं है। उन्होंने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की नीलगिरी इकाई के नेताओं से डॉक्टरों के बीच बदलाव लाने के लिए काम करने की अपील की, जो अस्पतालों का प्रबंधन करने वाले गैर-चिकित्सकों के प्रबंधन के तहत बहुत ही व्यावसायिक थे और अनैतिक प्रथाओं में लिप्त है।

यह कहते हुए कि गैर-चिकित्सा प्रबंधन हमेशा धन सृजन के बारे में सोचते हैं, उन्होंने डॉक्टरों को सतर्क रहने और ऐसे प्रबंधनों के जाल में न फंसने की सलाह दी। एलएक्यूसी सदस्य डॉ. जयप्रकाश रेड्डी ने याद दिलाया कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को राज्य सरकारों को निर्देश दिया गया था कि वे सभी जिलों में एलएक्यूसी गठित करें ताकि नीमहकीमी को खत्म किया जा सके। आईएमए नीलगिरि इकाई के अध्यक्ष डॉ. सुचरितास और सुश्रुत ग्रामीण पैरामेडिक्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष हनुमंत राव ने भी बात की।

बीसीएस जल्द ही तेलंगाना पर शासन करेंगे : बीसी राज्याधिकारा समिति

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीसीएस के संस्थापक-अध्यक्ष राज्याधिकारा समिति दासु सुरेश ने आज गुरुवार को करीमनगर प्रेस क्लब में आयोजित करीमनगर नई समिति के घोषणा कार्यक्रम में कहा कि यह जल्द ही तेलंगाना में शासन करने के लिए बीसीएस का इरादा है।

दासु सुरेश ने कहा कि स्वतंत्रता के 75 साल हो गए हैं और चिंता व्यक्त की है कि कानूनी प्रणाली, मीडिया, व्यापार और विधान सभा में बीसीएस का प्रतिनिधित्व अभी भी कम है। निचले वर्गों को केवल तभी न्याय मिलेगा जब उच्च वर्गों के हाथों में वर्तमान प्रणाली को शुद्ध किया गया था। वर्तमान प्रणाली को साफ करने के लिए, बीसीएस, उत्पीड़ित समूह अपने हाथों में वोट का उपयोग करके बाकी सिस्टम को प्रभावित करेंगे। दासु सुरेश ने 21 नेताओं के साथ एक पूर्ण करीमनगर जिला समिति की घोषणा की।

भारतीय रिजर्व बैंक
संपदा विभाग, हैदराबाद

ई-निविदा: मुख्य कार्यालय भवन, आरबीआई हैदराबाद में सेंट्रल एयर कंडीशनिंग प्लांट का संचालन और नियमित रखरखाव

हम मुख्य कार्यालय भवन, आरबीआई हैदराबाद में सेंट्रल एयर कंडीशनिंग प्लांट के संचालन और नियमित रखरखाव के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। कार्य की अनुमानित लागत ₹ 14 लाख है। पूर्व-पात्रता मानदंडों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, निविदा सूचना के साथ निविदा दस्तावेज 21 अप्रैल 2023 से एमएसटीसी लिमिटेड के ई-निविदा पोर्टल (https:// www.mstcecommerce.com/ eprochome/rbi) पर और हमारी वेबसाइट www.rbi.org.in पर "निविदाओं" के तहत उपलब्ध हैं।

2. ई-निविदाएं केवल एमएसटीसी पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/) के माध्यम से 12 मई 2023 के 14:00 बजे तक जमा की जा सकती हैं। इच्छुक पात्र बोलीदाताओं को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के साथ स्वयं को पंजीकृत करना होगा।

क्षेत्रीय निदेशक
हैदराबाद

'अतीक जैसे माफिया इसलिए फलते-फूलते हैं

बीएसपी-सपा ने उसे दिया संरक्षण, बीजेपी नेता ने उठाए गंभीर सवाल

लखनऊ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी के राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने अतीक को लेकर तमाम राजनीतिक दलों पर निशाना साधा है। उन्होंने अतीक जैसे अपराधियों को सियासी संरक्षण देने का दावा करते हुए सपा और बसपा पर सवाल उठाए। इस दौरान उन्होंने मुंबई में दाऊद साम्राज्य और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांठगांठ का भी जिक्र किया। जेठमलानी ने कहा कि अतीक अहमद जैसे माफिया डॉन लगातार आपराधिक गतिविधियों के बावजूद फलते-फूलते हैं, क्योंकि वे राजनीतिक दलों को पैसा देते हैं और इसके बदले में उन्हें संरक्षण मिलता। अतीक 2004-2018 से समाजवादी पार्टी का सदस्य था। 2008 में गिरफ्तार होने के बाद जब मायावती मुख्यमंत्री थीं तो 2012 में सपा के सत्ता में आने पर उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया, जबकि उसकी आपराधिक गतिविधियां चरम पर थीं।

'योगी सरकार ने कराया गिरफ्तार'

योगी सरकार के सत्ता में आने के बाद ही उसे फिर से गिरफ्तार किया गया और आखिरकार 2019 में उमेश पाल के 2006 में अपहरण मामले में दोषी ठहराया गया। यह योगी सरकार ही थी जिसने उसकी अवैध कमाई की 11000 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क करके उसके वित्तीय प्रभाव को समाप्त कर दिया। उसकी दौलत छीन ली गई।

'लालू-बालू के रिश्ते से पुलिस पर बढ़े माफिया के हमले'

सुशील मोदी ने आरजेडी की पॉलिटिकल फंडिंग का किया खुलासा

पटना, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी पटना के बिहटा में हुए बालू माफिया कांड के बाद सीएम नीतीश कुमार विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बिहार में लालू और बालू का रिश्ता अटूट है, इसलिए आरजेडी के सत्ता में आते ही बालू माफिया का दुस्साहस बढ़ जाता है और इसी का परिणाम है कि महिला अधिकारी पर जानलेवा हमला हुआ। बालू माफिया आरजेडी की पॉलिटिकल फंडिंग करता है। नीतीश कुमार ने खनन विभाग लालू प्रसाद की पार्टी को सौंप कर बिल्ली को दूध की रखवाली देने-जैसा फैसला किया है।

'सीएम में बालू माफिया पर कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं'

सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बालू माफिया सुभाष यादव को आरजेडी ने चतरा से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिया था। दूसरे बालू माफिया आरजेडी के पूर्व विधायक अरुण यादव दुष्कर्म के मामले में जेल की सजा काट रहे हैं। इन्हीं सुभाष यादव और अरुण यादव ने राबड़ी देवी के आठ फ्लैट एक ही दिन में 5 करोड़ 28 लाख में खरीदे थे। पिछले छह माह में पुलिस पर बालू माफिया के हमले के एक दर्जन से ज्यादा घटनाएं हुईं हैं। बिहटा-मनेर-विक्रम इलाके में राजनीतिक संरक्षण-प्राप्त बालू माफिया के हमले की एक घटना में 1000 राउंड गोलियां चली थीं। नीतीश कुमार में बालू माफिया पर कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं है, इसलिए अवैध खनन बढ़ रहा है और राजस्व वसूली घट रही है।

नीतीश कुमार को यह जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए- सुशील मोदी

बीजेपी नेता ने कहा कि कैग की रिपोर्ट के अनुसार खनन विभाग में फर्जी चालान से स्कूटर, कार, एंबुलेंस में बालू की ढुलाई से विभाग को 355 करोड़ रुपया का नुकसान हुआ। साथ ही वर्ष 22-23 में अवैध खनन के कारण राजस्व में लक्ष्य से 500 करोड़ रुपया कम संग्रह हुआ। जब आरजेडी विधायक के चहेते खनन विभाग के पटना कार्यालय में घुसकर कर्मचारियों से मारपीट और तोड़फोड़ कर रहे हैं, तब विभाग अपना काम कैसे कर सकता है? ऐसी घटनाएं संगठित अपराध से मुख्यमंत्री के समझौता कर लेने का सबूत हैं। नीतीश कुमार जब हर बात का श्रेय खुद लेते हैं, तब राज्य की प्राकृतिक सम्पदा की लूट नहीं रोक पाने की जिम्मेदारी भी उन्हें ही लेनी चाहिए।

शाहजहांपुर में डबल मर्डर

पिता और दादी की गोली मारकर हत्या, बेटे ने मां के साथ मिलकर दिया वारदात को अंजाम

शाहजहांपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में दिल दहला देने वाली वारदात हुई है। थाना तिलहर क्षेत्र के गांव मरक्का में गुरुवार की सुबह एक युवक ने अपनी मां के साथ मिलकर पिता और दादी की गोली मारकर हत्या कर दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है। मरक्का गांव निवासी 70 वर्षीय भाग्यवती ने चार महीने पहले सात बीघा खेत बेचा था।

खेत बिक्री का उसे 14 लाख रुपये मिला था। उसी रुपये में आठ लाख रुपये भाग्यवती का नाती मोहित पुत्र श्यामपाल मांग रहा था। जबकि भाग्यवती उसे टाल देती थी। गुरुवार सुबह करीब छह बजे मोहित घर में आया। उसने पहले भाग्यवती को गोली मारी। गोली चलने की आवाज सुनकर सो रहा श्यामपाल भी जाग गया।

अतीक-अशरफ की हत्या को लेकर

ओम प्रकाश राजभर ने उठाए सवाल बताया पुलिस को क्या करना था

वाराणसी, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने प्रयागराज में अतीक अहमद की हत्या को लेकर योगी आदित्यनानथ सरकार पर हमला बोलते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। राजभर ने कहा कि 17 पुलिसकर्मी सुरक्षा में तैनात थे, लेकिन किसी ने भी हत्या करने वालों पर एक गोली नहीं चलाई, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। वाराणसी आए ओपी राजभर ने अतीक अहमद की हत्या को दुर्भागपूर्ण बताया। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि पुलिस कस्टडी में अपराधी हत्या कर दे, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। ओम प्रकाश राजभर ने आगे कहा कि जब अपराधी गोली चला रहे थे तब पुलिस वालों को भी गोली चलानी चाहिए थी।

दुर्भाग्य है कि वहां मौजूद 17 पुलिस वालों के राइफल से एक भी गोली नहीं निकली। यह जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि एक बड़ा माफिया मारा गया है, जिन लोगों ने उसे मारा है वह एक बड़ा राज न उगल दें, इस कारण उनको भी खतरा है। राजभर ने कहा कि जहां बलात्कार हो रहा है, गोली चला रहे हैं या मारपीट और दंगा कर रहे हैं वहां भी जय श्री राम का नारा लगा रहे हैं। राजभर ने निकाय चुनाव को लेकर कहा कि किसी भी चुनाव में राजा वोटर होते हैं और जब तक रिजल्ट ना आ जाए तब तक सभी लोग जीते हुए प्रत्याशी माने जाते हैं। बता दें कि प्रयागराज में अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की पुलिस और मीडियाकर्मियों के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसे लेकर प्रदेश में राजनीतिक बयानबाजी लगातार हो रही है। विपक्ष इसकी निंद कर रहा है। योगी सरकार ने इस हत्याकांड की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन किया है।

सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का बगावती रुख

संभल से इस प्रत्याशी को समर्थन का एलान

संभल, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के संभल से सपा सांसद डॉक्टर शफीकुर्रहमान बर्क ने बगावत शुरू कर दी है। उन्होंने अपनी पार्टी के प्रत्याशी के मुकाबले निर्दलीय प्रत्याशी के समर्थन का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने यहां से रुखसाना इकबाल को सपा का टिकट दिया है। बर्क ने उनके मुकाबले यासीन सैफी की पत्नी और निर्दलीय प्रत्याशी फरहान सैफी का समर्थन किया है। सपा ने अपने विधायक इकबाल महमूद की पत्नी को प्रत्याशी बनाया है, जिसका बर्क विरोध कर रहे हैं। सपा सांसद डॉ शफीकुर्रहमान बर्क और उनके पोते सपा विधायक जियाउर्रहमान बर्क दोनों मंच पर मौजूद थे। इसी दौरान बर्क ने इस बात का ऐलान

कर दिया। बता दें कि सपा यहां पिछले कुछ समय से दो खेमों में बंटती दिखाई दे रही थी। शफीकुर्रहमान नहीं चाहते थे कि किसी सांसद या विधायक की पत्नी को उम्मीदवार बनाया जाए। शफीकुर्रहमान और विधायक इकबाल महमूद अब खुलकर आमने सामने आ गए हैं। सपा सांसद ने इसे लेकर एक बैठक भी की थी, जिसमें किसी और को चुनाव लड़ाने पर बात की गई। इसके बाद सांसद ने निर्दलीय प्रत्याशी का समर्थन करने का फैसला लिया है। अब देखना होगा कि उनकी इस बगावत से सपा को कितना नुकसान होता है या पार्टी उन्हें मनाने में कामयाब हो पाएगी। बता दें कि चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही यूपी में राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ती जा रही हैं। सभी दल प्रत्याशी घोषित करने में व्यस्त हैं। जिनको टिकट नहीं मिल रहा वे दूसरी पार्टियों का रास्ता देख रहे हैं। उम्मीदवार टिकट हासिल करने के लिए पूरे जी जान से कोशिश कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी यह चुनाव रालोद के साथ गठबंधन करके लड़ रही है। दोनों में सीट बंटवारे को लेकर मतभेद भी सामने आए हैं। वहीं बसपा, कांग्रेस और बीजेपी भी पूरा जोर लगा रही हैं।

शाइस्ता, जैनब और आफशां : माफिया को पकड़ना आसान लेकिन पत्नी बनीं यूपी पुलिस के लिए मुसीबत

लखनऊ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी पुलिस के लिए माफिया को पकड़ना आसान है, लेकिन उनकी पत्नियों की गिरफ्तारी टेढ़ी खीर बन गई है। चाहे माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन हो या मुख्तार अंसारी की पत्नी आफशां अंसारी। दोनों पर पुलिस ने 50-50 हजार रुपये का इनाम रखा है और इन दोनों की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। उमेश पाल हत्याकांड के बाद जिस भी तरह से अतीक अहमद और अशरफ का खात्मा हुआ, वह सुर्खियों में है, लेकिन उससे ज्यादा चर्चा में शाइस्ता परवीन की फरारी। शाइस्ता परवीन पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। उमेश पाल की हत्या के बाद

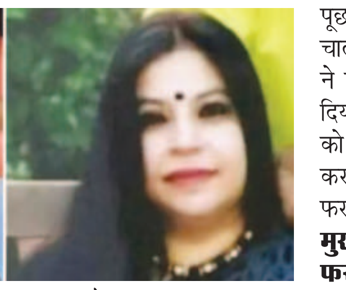

परिवार के बचाव में उतरी 50 हजार की इनामी शाइस्ता आरोपी बनने से पहले से ही फरार है।

सुरक्षित ठिकाने पर छिपी है शाइस्ता

कहा जा रहा है कि अतीक अहमद ने पहले ही अपनी पत्नी शाइस्ता को सुरक्षित स्थान पर फरार करा दिया है, जिससे पुलिस तक ना पहुंच पाए। यही कारण है कि अपने बेटे के एनकाउंटर होने के बाद और अपने पति के मरने के बाद भी वह मिट्टी में नहीं पहुंची। वहीं अशरफ की पत्नी जैनब भी फरार है और अपने पति के जनाजे में नहीं आई थी।

पति के जनाजे में भी नहीं आई जैनब

हालांकि उमेश पाल हत्याकांड के बाद जैनब अपने घर में थी। पुलिस ने उसे आरोपित नहीं किया था। दबिश देकर उसे पकड़ा और पूछताछ के बाद शांति भंग में चालान कर दिया। इसके बाद जैनब ने पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। इस बीच पुलिस ने भी जैनब को उमेश पाल हत्याकांड में वांछित कर दिया। इसके बाद से जेनब फरार हो गई।

मुख्तार की बीवी आफशां भी फरार

अतीक अहमद और अशरफ की पुलिस कस्टडी में हत्या हो चुकी है और दोनों की बीवियां फरार हैं। ठीक ऐसा ही मामला माफिया मुख्तार अंसारी की पत्नी आफशां के साथ है। मुख्तार अंसारी की पत्नी भी अपने पति के गुनाहों की राजदार है, लेकिन पुलिस की गिरफ्त से दूर है। आफशां पर पहले 25 हजार का इनाम था, जिसे बढ़ाकर 50 हजार कर दिया गया है। मुख्तार अंसारी के खिलाफ ईडी ने मनी लॉनड्रिंग का केस दर्ज किया था, लेकिन जांच में यह पता चला कि मुख्तार की कंपनी में उसकी पत्नी आफशां अंसारी का शेयर सबसे ज्यादा है। इस केस में पूछताछ के लिए ईडी की ओर से आफशां अंसारी को समन भेजा गया, लेकिन वह बयान देने नहीं आई। ईडी ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। लगातार दबिश और कुर्की के बाद भी कोर्ट में हाजिर ना होने पर मुख्तार की पत्नी आफशा अंसारी और करीबी जाकिर हुसैन पर इनाम की राशि पुलिस ने बढ़ा दी है। दोनों पर 25000 की बजाय 50000 इनाम रखा गया है। दोनों पर ही सदर कोतवाली में मुकदमा दर्ज है

उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव बोले

बिहार से भाजपा को खतरा, इसलिए किया जा रहा टारगेट

पटना, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने राजद कार्यालय में आयोजित तीन दिवसीय अंबेडकर परिचर्चा के अंतिम दिन बुधवार को कहा कि भाजपा को बिहार से खतरा है। इसलिए बिहार को टारगेट किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले तमिलनाडु के सवाल पर झूठी खबरें चलायी गईं। फिर बिहारशरीफ और सासाराम में सांप्रदायिक उन्माद और हिंसा फैलाने का प्रयास किया गया। भाजपा नेताओं की ओर से झूठ का प्रचार किया जा रहा है। यहां तक कि सारी केंद्रीय एजेंसियों पर कब्जा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि समाचार भी उनके हिसाब से लोगों को परोसा जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ मिलकर हमलोगों ने भाजपा को सफल नहीं होने दिया। अभी लड़ाई लंबी है, हम लड़ते रहे हैं और लड़ते रहेंगे। तेजस्वी ने परिचर्चा में कहा कि अंबेडकरवादियों और समाजवादियों पर लगातार प्रहार हो रहा है। क्षेत्रीय दलों को खत्म करने की साजिश चल रही है। देश के इतिहास और ऐतिहासिक विरासत को बदलकर अपने हिसाब से इतिहास गढ़ने का प्रयास हो रहा है। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने परिचर्चा की अध्यक्षता की। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राध्यापक लक्ष्मण यादव व जयशंकर गुप्ता ने संबोधित किया। राजद प्रवक्ता चितरंजन गगन ने कहा कि 26 अप्रैल से 2 मई तक राज्य के सभी 101 अनुमंडलों में परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा।

आजम के गढ़ स्वार और मिर्जापुर में बीजेपी नहीं ठोकेगी ताल

सहयोगी पार्टी ने यूपी उपचुनाव में उतार दिए उम्मीदवार

मिर्जापुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा और उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव के बीच यूपी की दो सीटों पर भी उपचुनाव होने हैं। इस सीट पर जीत हार से भले ही फर्क न पड़े, लेकिन जीतने-हारने वाली पार्टी को जरूर बल मिलेगा। हालांकि चुनावी मशीन कही जाने वाली भारतीय जनता पार्टी इन दोनों ही सीटों पर चुनाव नहीं लड़ रही है। बल्कि बीजेपी की सहयोगी अपना दल इन दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार रही है। ये दो सीटें हैं मिर्जापुर की छानबे और रामपुर की स्वार। अपना दल ने इन दोनों सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए हैं। पार्टी ने छानबे सीट पर रिंकी कोल को टिकट दिया है। रिंकी कोल पूर्व विधायक राहुल प्रकाश कोल की पत्नी हैं। राहुल प्रकाश कोल के निधन के बाद खाली होने वाली सीट पर अब उनकी पत्नी ताल ठोक रही हैं।

वहीं दूसरी सीट है रामपुर की स्वार। ये सीट समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम की सदस्यता रद्द होने के बाद खाली हुई है।रामपुर को आजम खान का गढ़ कहा जाता है, लेकिन पिछले चुनावों में ये गढ़ ढहता हुआ दिखाई दिया है। अपना दल ने इस सीट पर शफीक अहमद को टिकट दिया है। शफीक रामपुर में पार्टी के जिला महासचिव हैं। एक तरफ विरोधी दल स्वार का रण लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, तो वहीं समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार का ऐलान अभी तक इस सीट पर नहीं हुआ है। 2022 विधानसभा चुनाव में ये दोनों ही सीटें बीजेपी के खाते में नहीं गईं थीं। एक पर अपना दल तो दूसरी पर समाजवादी पार्टी की जीत हुई थी।

अपना दल, बीजेपी की सहयोगी पार्टी है। उन्होंने विधानसभा चुनाव में छानबे सीट पर अपना कब्जा कायम रखा तो स्वार में वो दूसरे नंबर की पार्टी रही। ऐसे में दोनों सीटों पर बीजेपी द्वारा अपना दल को मौका दिए जाने की चर्चा पहले से ही हो रही थी। अब चुनाव के करीब आते-आते इन बातों पर मुहर लगते दिखाई दे रही है। स्वार और छानबे सीट पर अगले महीने 10 मई को उपचुनाव के लिए मतदान किया जाएगा। वोटों की गिनती कर्नाटक विधानसभा के साथ ही यानी 13 मई को की जाएगी।

मुजफ्फरपुर में कारोबारी की हत्या, दुकान में घुसकर बदमाशों ने रुपये छीने

विरोध करने पर मारी गोली

मुजफ्फरपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में बदमाशों ने लूटपाट के दौरान रात एक कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी। अहियापुर थाना क्षेत्र के पटियासा चौक की घटना है। गेहूं गद्दीदार राजा बाबू उर्फ निलेश को गोली मारने के बाद बदमाश फरार हो गए। गंभीर हालत में इलाज के लिए स्थानीय दुकानदारों ने अस्पताल में भर्ती कराया जहां व्यापारी की मौत हो गई। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि गेहूं कारोबारी राजा बाबू उर्फ निलेश के यहां दो की संख्या में बदमाश घुसे। दुकान में राजा बाबू के स्टाफ से बदमाशों ने हथियार दिखाकर करीब 10 हजार रुपये छीन लिए। हथियार के बल पर राजा बाबू उर्फ निलेश से बदमाशों ने कैश रखे गल्ले की चाबी मांगी। इस पर राजा बाबू ने विरोध किया तो बदमाशों ने गोली चला दी।

राजभवन के हस्तक्षेप के बाद

बिहार स्टेट टेक्स्ट बुक से विवादास्पद हिस्सा हटा, योगेंद्र पासवान ने जताई थी आपत्ति

पटना, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। अनुसूचित जाति जनजाति आयोग के पूर्व सदस्य योगेंद्र पासवान की आपत्ति के बाद बिहार शिक्षा विभाग ने अपनी स्टेट टेक्स्ट बुक में अंबेडकर पर त्रुटिपूर्ण तथ्य में सुधार कर दिया है। दरअसल बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के 'महाड सत्याग्रह' को बिहार सरकार की सामान्य ज्ञान की पुस्तक कक्षा 8 के भाग 3 में 'अतीत से वर्तमान' में महादलित सत्याग्रह लिखा गया था, जिसे लेकर योगेंद्र पासवान ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को एक ज्ञापन सौंपा था, जिसमें बताया गया था कि किताब में बाबा साहब के आंदोलन को लेकर गलत तथ्य अंकित है। योगेंद्र पासवान ने की थी गलत तथ्य पर शिकायतः बता दें कि 4 मार्च 2023 को अनुसूचित जाति जनजाति आयोग के पूर्व सदस्य योगेंद्र पासवान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला था और ये ज्ञापन सौंपा गया था। राज्यपाल महोदय ने राज्य सरकार को उचित कार्रवाई के लिए दिशा निर्देश दिए थे। इसके अलावा योगेंद्र पासवान ने अपनी शिकायत अनुसूचित जाति आयोग भारत सरकार को भी दी थी अनुसूचित जाति आयोग के द्वारा बिहार सरकार को पत्र लिखकर डॉ योगेंद्र पासवान की शिकायत पर राज्यपाल सचिवालय को अवगत कराने को कहा गया था।

मोतिहारी जहरीली शराब कांडः एनएचआरसी का एक्शन, चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी को नोटिस

मोतिहारी, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मोतिहारी में जहरीली शराब से मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। यहां जहरीली शराब पीकर मरने वालों की संख्या 42 हो गई है। मोतिहारी में जहरीली शराब से मौत के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बिहार सरकार के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया है। एनएचआरसी की नोटिस में कहा गया है कि 16 अप्रैल 2023 को जहरीली शराब पीने से हुई मौत का आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है और इसपर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्य सचिव और डीजीपी को नोटिस किया है। एनएचआरसी ने नोटिस में कहा है कि ऐसा लग रहा है कि सरकार बिहार में शराबबंदी लागू करने के बाद अवैध शराब की बिक्री और खपत पर प्रतिबंध लगाने की अपनी नीति का क्रियान्वयन नहीं कर पा रही है। बिहार के मोतिहारी में जहरीली शराब पीने से 42 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग अभी भी गंभीर है। वहीं कई लोगों ने अपने आखों की रोशनी गंवा दी है। जहरीली शराब से मौत के बाद बीजेपी सरकार पर हमलावर। बीजेपी शराबंबदी को फेल बता रही है। इसके साथ ही जहरीली शराब से हुई मौत के लिए सरकार को जिम्मेदार बता रही है और इसे नरसंहार कहा है। इधर बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने जहरीली शराब पीकर मरने वाले लोगों के परिजनों को मुआवजा देने का ऐलान किया है। नीतीश कुमार 2016 के बाद जहरीली शराब पीकर मरे लोगों के परिजनों का 4-4 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। इससे पहले सारण में जब जहरीली शराब पीकर 70 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। तब भी बीजेपी ने सरकार से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की थी। बीजेपी की मांग पर तब सीएम नीतीश कुमार ने बिहार विधानसभा में कहा था कि बिहार में शराबबंदी है। इसके बाद भी जो लोग शराब पियेगे वह मरेंगे ही मुआवजा किस बात का?

आनंद मोहन के लिए लकी साबित हो रही होने वाली बहू आयुषी सिंह, रिश्ता तय होते ही मिलने लगे रिहाई के संकेत

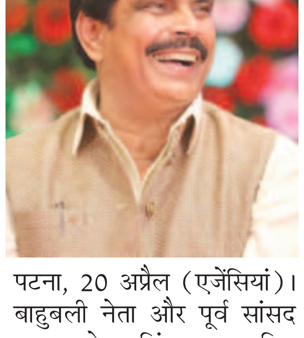

पटना, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बाहुबली नेता और पूर्व सांसद आनद मोहन सिंह एकबार फिर चर्चा में है। आनंद मोहन सिंह रिहाई और विधायक बेटे चेतन आनंद की शादी को लेकर चर्चा में हैं। बेटे की शादी के लिए वह तीसरी बार पैरोल पर बाहर निकले हैं और अब खबर है कि उनकी स्थाई रिहाई होने वाली है। बिहार सरकार ने लोकसेवक की हत्या कानूनन अपवाद को संसोधित कर दिया है। जिसके बाद अब लोकसेवक की हत्या भी सामान्य हत्या है। गोपालगंज के तात्कालीन डीएम जी कृष्णैया की हत्या के लिए सजा काट रहे आनंद मोहन के मामले को भी अब सामान्य हत्या के तौर पर देखा जाएगा। आनंद मोहन सिंह बेटी की भव्य और शाही शादी के बाद अब विधायक बेटे चेतन आनंद की शादी के लिए भी चर्चा में है। चेतन की शादी राघोपुर की आयुषी सिंह से हो रही है। आयुशी ने एमबीबीएस की पढ़ाई की है और वह एक टेनिस प्लेयर भी है।

आयुषी सिंह आनंद मोहन परिवार खास कर आनंद मोहन सिंह के लिए लकी साबित रही हैं। 2007 से जेल में बंद आनंद मोहन सिंह की स्थाई रिहाई अब कभी भी हो सकती है। आनंद मोहन सिंह सजा पूरी होने के बाद भी जेल में बंद हैं। कहा जा रहा है कि बेटे चेतन आनंद के साथ रिश्ता तय होने की बात जब से शुरू हुई तब से आनंद मोहन सिंह की रिहाई के संकेत आने लगे थे। 2007 से जेल में बंद आनंद मोहन सिंह पहली बार पैरोल पर बेटी की सगाई के दौरान आए थे।

तब बिहार के सीएम नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव समेत सभी राजनीतिक दलों के लोग उनकी बेटी की सगाई के मौके पर पहुंचे थे। आनंद मोहन सिंह की बेटी की सगाई जब हो रही थी तब बेटे विधायक बेटे चेतन आनंद का भी रिश्ता आयुषी से तय हो रहा था। उस दौरान ही नीतीश कुमार और आनंद मोहन सिंह की मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के बाद ही कहा गया था कि बाहुबली पूर्व सांसद के अब अच्छे दिन आने वाले हैं और अब बेटे की शादी होने से पहले उनकी रिहाई कभी भी हो सकती है।

कौन है आयुषी सिंह

आयुषी सिंह वैशाली जिले के राधोपुर की रहने वाली है। एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह एमडी कर रही हैं। आयुषी टेनिस प्लेयर भी है। वह टेनिस के राज्यस्तरीय प्रतयोगिता में कई खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। राघोपुर के रामदौली गांव की आयुषी का पूरा परिवार पटना में रहता है। आयुषी के मां बाप दोनों डॉक्टर हैं। उनके पिता ठाकुर अभय कुमार सिंह केंद्रीय स्वास्थ्य औषधालय में डॉक्टर हैं। जबकि मां रेणु देवी सोनपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टेड हैं। आनंद मोहन सिंह के बेटे चेतन आनंद की सगाई 24 अप्रैल को पटना के विश्वनाथ फार्म में होगी यहीं उनकी बेटी सुरभि आनंद की शादी हुई थी। सुरभि आनंद के पति राजहंस भारतीय रेल सेवा के अधिकारी हैं। मुंगेर जिले के रहने वाले राजहंस आईआईटी ग्रेजुएट हैं। आनंद मोहन की बेटी की शादी में 10 हजार से ज्यादा मेहमान शामिल हुए थे। बेटे की सगाई में भी भारी संख्या में मेहमानों को आमंत्रित किया जा रहा है। इसके बाद 3 मई की चेतन और आयुषी की डेस्टिनेशन वेडिंग देहरादून में होगी। चेतन आनंद शिवहर के विधायक हैं। कहा रहा है कि शादी के बाद शिवहर में रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा।

एक बार फिर हुई एनसीपी को तोड़ने की कोशिश! क्यों फेल हुआ अजित पवार का प्लान

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। 2019 के बाद एक बार फिर एनसीपी को तोड़ने की कोशिश में अजित पवार कामयाब नहीं हो पाए। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक एनसीपी को तोड़ने का उनका प्लान फेल हो गया। सूत्रों के मुताबिक अजित पवार को यह उम्मीद थी की पार्टी के 53 विधायकों में से 35 से ज्यादा विधायक उनके साथ जुड़ जाएंगे लेकिन वे इसमें कामयाब नहीं हो पाए। सूत्रों के मुताबिक अजित पवार ने खुद विधायकों से बात भी की थी सभी विधायक अपने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए मिलने आए थे। लेकिन सूत्र बता रहे हैं कि अजित पवार इस दिन अप्रत्यक्ष रूप से शक्ति प्रदर्शन करना चाहतें थे। अजित पवार को उम्मीद थी की कि कई विधायक जुटेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अजित पवार के पास सिर्फ 13 विधायकों का समर्थन है। इनमें भी 12 एनसीपी के है और 1 निर्दलीय विधायक देवेंद्र भुयार अजित पवार के समर्थन में हैं। ज्यादा विधायकों का साथ नहीं मिल पाने की वजह से अजित पवार ने बगावत के अपने प्लान को होल्ड पर डाल दिया है। अब सवाल उठता है कि क्या अजित पवार की दिल्ली में बीजेपी नेताओं के साथ कोई बैठक हुई थी? सूत्रों की मानें तो पिछले हफ्ते अजित पवार और अमित शाह की दिल्ली में कोई बैठक नहीं हुई । बीजेपी से हाथ मिलाने के लिए अजित पवार सीधे-सीधे दिल्ली से बात नहीं कर रहेंहैं बल्कि एनसीपी के एक वरिष्ठ सांसद दिल्ली और अजित पवार के बीच में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। पिछले कई हफ्तों से यह सांसद दोनों पक्षों के बीच डील की शर्तों को अमलीजामा पहनाने की कोशिश कर रहे हैं।

ठाकरे सेना ने कैसे किया अजित पवार- बीजेपी का प्लान फेल?

महाराष्ट्र विकास अघाड़ी सूत्रों के मुताबिक, अजित पवार और बीजेपी में जारी बातचित की भनक उद्धव ठाकरे की सेना को कुछ समय पहले ही मिल गई थी। 11 अप्रैल को जब उद्धव ठाकरे और शरद पवार की मुलाकात सिल्वर ओक पर हुई तब शरद पवार ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी उद्धव ठाकरे को दी। इसके बाद 16 अप्रैल को संजय राउत ने शरद पवार के साथ हुई निजी बातचीत के उस खास हिस्से को सामना अखबार के जरिए सार्वजनिक कर दिया जिसमें शरद पवार ने कथित रूप से उद्धव ठाकरे को कहा था की एनसीपी के विधायकों पर काफी दबाव है और कुछ विधायक पार्टी छोड़ने का फैसला ले सकते हैं आमतौर पर निजी बातचित को सार्वजनिक नहीं किया जाता है लेकिन शरद पवार के बयान से साफ हो गया था की एनसीपी टूट की कगार पर है। सूत्रों के मुताबिक, ठाकरे सेना ने एक सटीक रणनीति के तहत शरद पवार से हुई बातचीत के सिलेक्टेड हिस्से को अपने अखबार में छापा ताकि, विरोधी खेमे में खलबली मच जाए। हुआ भी यही। ठाकरे सेना अब सार्वजनिक रूप से कह रही है कि उनके खुलासे की वजह से बीजेपी का नकाब उतर गया है और उन्होंने ऑपरेशन लोटस को फेल कर दिया है। ठाकरे सेना के इस प्लान में शरद पवार शामिल थे या नहीं इसको लेकर अब तक कुछ स्पष्ट नहीं है।

क्या अजित पवार ने खो दिया परिवार का विश्वास?

महाविकास आघाड़ी के सूत्र दावा कर रहे हैं कि पार्टी को जोड़े रखने के लिए अब खुद शरद पवार एनसीपी के सभी विधायकों से बात कर रहे हैं। बुधवार से इसकी शुरुआत भी हो गई है। बिना सीनियर पवार की सहमति के कोई भी विधायक आगे कदम नहीं बढ़ाना चाहता है> 2019 के बाद यह दूसरी मौका है जब अजित पवार ने बगावत का नाकाम प्रयास किया। अजित पवार को लेकर महाविकास आघाड़ी के अन्य दलों में काफी नाराजगी है। सूत्र दावा कर रहे हैं कि दूसरी बार बगावत की कोशिश कर अजित पवार ने परिवार का विश्वास खो दिया है।

परिवार ने अजित पवार को सब कुछ दिया, फिर भी उनकी लालसा कम नहीं हो रही है। महाविकास आघाडी के सूत्रों की माने तो अजित पवार हर हाल में मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। अजित दादा इस बात को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं कि उनका जूनियर एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बन गया।

लेकिन सीएम बनने का उनका सपना अब तक अधूरा ही है। अगर शिंदे सीएम बन सकते हैं तो फिर वह क्यों नहीं सीएम बन सकते है। सूत्र दावा कर रहे हैं कि दूसरा प्रयास असफल होने के बाद भी अजित पवार ने हार नहीं मानी है। एनसीपी के विधायकों को तोड़ने का प्लान फिलहाल सिर्फ स्थगित किया गया है, सही समय आने पर इस प्लान को दोबारा एक्टिवेट किया जाएगा। वहीं इस पूरे प्रकरण के बाद महाविकास आघाड़ी के अन्य दल अलर्ट हो गए है। वे अजित पवार के हर हलचल पर नजर रखे हुए हैं। वहीं अजित पवार ने अपने बचाव में कहा है कि उनके बगावत की खबरें बेबुनियाद और गलत है।

वो मरते दम तक एनसीपी में ही रहेंगे और पार्टी के लिए काम करेंगे। शरद पवार ने भी मीडिया से कहा है कि 'विधायक छोड़कर जायेंगे, उनके सिग्नेचर ले लिए गए हैं' यह जानकारी तथ्यहीन और गलत है। अजित पवार की सफाई के बावजूद उनका पिछला रिकॉर्ड देखते हुए किसी को भी अजित पवार पर भरोसा नहीं हो रहा है।

महिला को जलाकर मारने वाले भाई-बहन को आजीवन कारावास

हैंडपंप पर पानी भरने को लेकर हुआ था विवाद

सीहोर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के सीहोर में हैंडपंप पर पानी भरने को लेकर हुए विवाद के बाद एक महिला को जलाकर मारने के मामले में द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश कंचन सक्सेना आष्टा ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने आरोपी तीतला बाई उर्फ उर्मिला पत्नी भूपेंद्र (30) और रवि पिता मेहरबान सिंह (24) को धारा 302 भादंवि में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दोनों आरोपियों पर पांच-पांच हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। दोनों आरोपी देवली थाना सिद्दीकगंज जिला सीहोर के रहने वाले हैं। अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी देवेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि 18 मार्च 2021 को ग्राम देवली में हैंडपंप पर मृतका और आरोपी रवि के बीच में पानी भरने को लेकर हुए विवाद में गाली-गलौज हो गई। इसी बात को लेकर रवि ने मृतका को थप्पड मार दिया। उसी समय रवि की बहन तीतला बाई मौके पर आकर मृतका के साथ गाल-गलौज कर बोली कि तूने मेरे भाई के साथ झगड़ा किया है।

अभी तुझे बताती हूं। इसके बाद मृतका अपने घर की ओर जाने लगी। तभी रवि अपनी बहन तीतला बाई को बोला कि दीदी इसे घर पर जाकर मारकर ही आना। तब तीतला बाई मृतका के पीछे-पीछे उसके घर पहुंची। उन्होंने बताया कि घर के अंदर कमरे में तीतला बाई ने मृतका के साथ झूमा झटकी की। फिर तीतला बाई ने वहीं कमरे में एक बर्तन में रखे केरोसिन तेल को मृतका के शरीर पर उड़ेल कर माचिस से आग लगा दी। इससे मृतका के शरीर में आग लग गई। चीख-पुकार की आवाज सुनकर घर के बाहर काम कर रही मृतका की मां (फरियादी) घर के अंदर पहुंची। उसे देखकर तीतला बाई वहां से भाग गई। कुछ देर बाद तीतला का भाई आरोपी रवि आया और मृतका को आग से जला हुआ देखकर वापस भाग गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद मृतका को परिजन इलाज के लिए अस्पताल ले गए।

इलाज के दौरान मृतका की 21 मार्च 2021 को हमीदिया अस्पताल भोपाल में मौत हो गई। पुलिस थाना सिद्दीकगंज ने आरोपियों के खिलाफ धारा 302, 120बी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पूरी जांच के बाद अभियोजन पत्र न्यायालय में एसटी क्र 95/21 पर पंजीबद्ध किया गया। शासन की ओर से पैरवी अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी देवेंद्र सिंह ठाकुर ने की। पैरवी में सहयोग सहायक जिला अभियोजन अधिकारी आष्टा आशीष त्रिपाठी और महेंद्र सितोले ने किया।

पांच लड़कों ने मिलकर तीन लड़कियों के साथ किया सामूहिक दुष्कर्म, जांच में जुटी पुलिस

कालाहांडी, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के कालाहांडी जिले से दिल दहलाने वाली वारदाद सामने आई है, जहां तीन लड़िकियां सामूहिक दुष्कर्म का शिकार बनी। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि ये तीनों ही लड़कियां जात्रा से अपने घर वापस जा रही है तभी रास्ते में उनके साथ ये घटना घटी। यह घटना 16 अप्रैल की है, जब लड़कियों के परिवार वालों को इस घटना के बारे में पता चला तो उन्होंने बुधवार को बीजेपुर थाना में मामला दर्ज कराया। तीनों ही लड़कियां जात्रा या लोक रंगमंच से वापस घर लौट रही थी कि रास्ते में पांच युवकों ने उन्हें रोक लिया। पांचों ने मिलकर लड़कियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म को अंजाम दिया। बीजेपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक लिंगराज सेठी ने बताया कि फिलहाल इस मामले की जांच चल रही है और आरोपियों को जल्द पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह एक जंगल और पहाड़ी इलाका है।

कुछ समय अपने साथ बिताने के बहाने ले गया था

दिल्ली एचसी ने शख्स को दिए निर्देश, तलाकशुदा पत्नी को सौंपे नाबालिग बेटे की कस्टडी

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक व्यक्ति को निर्देश दिया है कि वह अपनी तलाकशुदा पत्नी को बेटे की कस्टडी वापस दे दे। व्यक्ति ने अपने नौ साल के बेटे को अपने साथ कुछ समय बिताने के बहाने उसकी मां (अर्थात अपनी तलाकशुदा पत्नी) से दूर कर दिया था, जबकि पति-पत्नी के बीच तलाक के समय इस बात पर परस्पर सहमति बनी थी कि बच्चा अपनी मां के साथ रहेगा। महिला की ओर से व्यक्त की गई आशंका के मद्देनजर, उच्च न्यायालय ने संबंधित पुलिस थाने के प्रभारी (एसएचओ) को भी निर्देश दिया कि वह अदालत के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करें और महिला को अपना टेलीफोन नंबर प्रदान करें, ताकि वह (महिला) किसी भी कठिनाई की स्थिति में उनसे संपर्क कर सके। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और गौरांग कंठ की खंडपीठ ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि आपसी सहमति से तलाक का आदेश प्राप्त करने के समय पूर्व दंपति ने अपने नाबालिग बेटे की अभिरक्षा और मुलाकात के संबंध में एक कानूनी और बाध्यकारी समझौते पर हस्ताक्षर किया था। खंडपीठ ने कहा, ''यह और स्पष्ट है कि नाबालिग बेटे की अभिरक्षा/मुलाकात के संबंध में नियमों और शर्तों का दोनों पक्षों द्वारा 18 मार्च, 2023 तक अनुपालन किया गया, जिसके बाद प्रतिवादी संख्या-दो (व्यक्ति) नाबालिग बच्चे को अपने साथ एक दिन का समय व्यतीत करने का झांसा देकर उठा ले गया। दोनों पेशे से वकील हैं अदालत का यह आदेश महिला द्वारा अपने पूर्व पति को अपने बेटे को पेश करने के निर्देश संबंधी याचिका पर आया है। महिला ने अपनी याचिका में कहा है कि 18 मार्च को वह अपने बेटे के साथ अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) के लिए उसके स्कूल गई थी, जहां वह व्यक्ति भी मौजूद था। याचिका में कहा गया है कि व्यक्ति ने कहा कि वह अपने बेटे के साथ दिन बिताना चाहता है और याचिकाकर्ता ने सद्भावनापूर्वक उसके अनुरोध को स्वीकार कर लिया। हालांकि, बाद में उस व्यक्ति ने महिला को उसका बेटा वापस देने से इनकार कर दिया। अदालत के सामने उस व्यक्ति की दलील दी थी कि महिला बच्चे की देखभाल करने में असमर्थ थी, इसलिए वह नाबालिग की अभिरक्षा लेने के लिए विवश था। उच्च न्यायालय ने कहा कि महिला ने दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते की शर्तों के अनुसार, अपने दायित्वों के निर्वहन का वचन दिया है।

दिल्ली चिड़ियाघर में सफेद बाघ के शावकों को अखाड़े में छोड़ा गया

इस नाम से जाने जाएंगे जुड़वां शावक

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली चिड़ियाघर में आज सफेद बाघिन सीता के दोनों बच्चों के नामकरण संस्कार किए गए। केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सीता के जुड़वां शावकों के नाम रखे। आठ महीने पहले ही दोनों का जन्म हुआ था। अब यह अपनी मां के साथ बाड़े से बाहर निकलना और भीतर जाना सीख गए हैं। अब इन्हें स्वतंत्र रूप से बाड़े में उछलकूद करने की छूट मिल रही है। पहली बार लोग इनके दीदार करेंगे। केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को दिल्ली के जूलॉजिकल पार्क में सफेद बाघ के शावकों को अखाड़े में रिहा किया। इसके बाद सफेद बाघ सीता के दोनों बच्चों का नामकरण किया गया है। अब दोनों बच्चों को अवनी और विओम के नाम से जाना जाएगा। दिल्ली चिड़ियाघर में तीन सफेद वयस्क बाघ-बाघिन हैं। पिछले साल 24 अगस्त को सीता नाम की सफेद बाघिन ने जुड़वां शावकों को जन्म दिया था। अब इनका पांच सदस्यों का परिवार है। सफेद बाघ सामान्य बाघ से थोड़े अलग होते हैं। अमूमन बाघ लाल-पीले मिश्रित रंग के होते हैं। इन पर काले रंग की धारियां होती हैं। वक्ष का भीतरी भाग और पैरों का रंग सफेद होता है। इनके बच्चे करीब छह महीने में खेलने कूदने लगते हैं। सफेद बाघ-गाघिन के शरीर पर काही (हल्के काले रंग) धारियां होती हैं। इनके बच्चे आकार में सामान्य बाघों से बड़े होते हैं, लेकिन कम फुर्तीले होते हैं। दो से तीन साल में ये परिवक्व होते हैं। इनकी सबसे बड़ी खासियत ये है कि प्राकृतिक रूप से करीब 10,000 सामान्य बाघों में जीन परिवर्तन के कारण सफेद बाघ का जन्म होता है, जबकि प्राणि उद्यान में संकरण के माध्यम आसानी से इनका जन्म कराया जाता है।

1500 वर्गफुट में करेंगे चहलकदमी

सीता के दोनों शावकों के चहलकदमी करने के लिए करीब 1500 वर्गफुट क्षेत्र निर्धारित किया गया है। इनके बाड़े में वाटर स्प्रिंकलर, वाटर पॉन्ड, वाटर पूल बनाए गए हैं, जिसमें इन्हें मस्ती करने का पूरा बंदोबस्त रहेगा।

जानवरों के बाड़े में लगाए जा रहे कूलर

गर्मी बढ़ने के साथ जानवरों के बाड़े में कूलर लगाए जा रहे हैं। बाकी जानवरों के बाड़े में वाटर पॉन्ड को भरा रोजाना पानी से भरा जा रहा है। खाने पीने की डाइट करीब 20 फीसदी घटाई गई है, ताकि इनका पाचन दुरुस्त रहे। नए पौधे भी लगाए जा रहे।

पीसीआर टीम ने लापता तीन बच्चों को ढूंढ़कर माता-पिता को सौंपा

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम की टीम ने आउटर दिल्ली के मंगोलपुरी और साउथ वेस्ट दिल्ली के मोतीबाग इलाके से गुम हुए 3 बच्चों को घंटों की मशक्कत के बाद ढूंढकर उनके परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। डीसीपी पीसीआर आनंद मिश्रा ने बताया की पहले मामले में बीती रात पुलिस को कॉल मिली कि 12 और 6 साल के दो लड़के गायब हैं। परिवार वाले उन्हें ढूंढ-ढूंढकर परेशान हो चुके हैं, लेकिन उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। दोनों स्कूटी से शाम में खेलने के लिए निकले थे, जो कई घंटे बाद भी वापस घर नहीं पहुंचे। अनाउंसमेंट, मार्केट और पब्लिक प्लेस में पूछताछ करके इन दोनों को साढ़े तीन घंटे के बाद ट्रेस करने में पुलिस को कामयाबी मिली। पूछताछ में पता चला कि यह लोग घर से खेलने के निकले थे, लेकिन वापस घर आने का रास्ता भूल गए। ये बच्चे परिवार के साथ मंगोलपुरी के जे ब्लॉक में रहते हैं। इनके पिता संदीप ने कॉल करके पुलिस को दोनों बेटे के गुम होने की सूचना दी थी। इसके बाद सब इंस्पेक्टर लक्ष्मण प्रसाद और हेड कांस्टेबल दिनेश की टीम ने काफी मशक्कत के बाद इन दोनों बच्चों को ढूंढकर उनके परिवार को सुपुर्द करने में कामयाबी हासिल की है।

भीषण गर्मी से मचा हाहाकार

मालवा-निमाड़ में बदला स्कूलों का समय

इंदौर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश में इन दिनों भीषण गर्मी पड रही है। जिसके चलते जन जीवन अस्त व्यवस्त हो गया है। दिन में लोगों का घर से बहार निकला दूभर हो गया है। बाजार विराने पडे हुए है, मध्य प्रदेश के कई शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहूंच गया है। अभी तो अप्रेल ही चल रहा है आने वाले मई और जून माह में गर्मी का पारा उच्च स्तर तक पहूंचने की संभावना है। प्रदेश के मालवा और निमाड अचंल में इन दिनों भीषण गर्मी पड रही है। खरगोन, खंडवा, बडवानी, बुरहानपुर, सेंघवा, झाबुआ, आलिराजपुर और धार जिलों में गर्मी ने हाहा कार मचा रखा है। लोगों का गर्मी से बुरा हाल है, उपर से कई जिलों में मौसम ने अलग परेशान कर रखा है कई स्थानों पर हल्की और भारी बारिश भी हो रही है। जिससे किसानों को परेशानीयों का सामना करना पड रहा है, कही धूप तो कही छांव का खेल चल रहा है। उमस और गर्मी से लोगों का जिना दूभर हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में पिने के पानी की किल्लत प्रारंभ हो गई है, लोगों को कई किलो मिटर दूर से पानी लाने को मजबूर होना पड रहा है। प्रदेश भर में हैंडपम्पों ने दम तोड दिया है या फिर खराब पडे हुए है, पानी के कई स्त्रोंत सूख गये है। खंडवा, खरगोन और झाबुआ कलेक्टरों ने गर्मी को देखते हुए स्कूलों का समय सुबह 7।30 बजे से 12।30 बजे तक कर दिया है। चिलचिती धूप में लोगों को घर से बहार निकलाना मुश्किल हो गया है। मध्य प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य झाबुआ जिले के पेटलावद तहसील में तो राष्ट्रीय पक्षी मौर के लिये दाना-पानी की उपयुक्त व्यवस्था नहीं होने से उनके जीवन पर संकट के बादल छा गये है। जिला प्रशासन, वन विभाग और राज्य शासन को इस और तत्काल ध्यान देकर इस राष्ट्रीय पक्षी का संरक्षण हेतु कदम उठाना चाहिए। ज्ञातव्य है कि पेटलावद तहसील में दस हजार से ज्यादा मौर पाये जाते है। गर्मी में इनको पानी और छांव की अधिक आवश्यकता होती है।

हाईकोर्ट ने कहा-इंदौर के फुटपाथ चौराहों पर नहीं लगेंगे होर्डिंग

इंदौर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के फुटपाथ और चौराहों पर हाल में लगे होर्डिंगों का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया। कोर्ट ने भी इसे गलत माना और एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए सडक, फुटपाथ, चौराहों जैसी जगहों पर भविष्य में होर्डिंग लगाने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कलेक्टर, निगमायुक्त को नोटिस जारी कर पूछा है कि आखिर उन्होंने ऐसी जगहों पर होर्डिंग लगाने की अनुमति कैसे दे दी ? होर्डिंग को लेकर हाई कोर्ट में जनहित याचिका विजयसिंह राठौर ने दायर की है। जिसमें कहा है कि निजी कंपनियों को नगर निगम ने होर्डिंग लगाने की अनुमति दी है। फुटपाथ, डिवाइडर, चौराहों आदि ऐसे स्थानों पर कंपनी ने होर्डिंग लगा दिए। इससे यातायात भी बाधित हो रहा है। भविष्य में यह होर्डिंग हादसे की वजह भी बन सकते है। कोर्ट को बताया गया कि शहर में कम से कम 29 ऐसे होर्डिंग लगाए जा चुके हैं जो यातायात में बाधित है। सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कलेक्टर, निगमायुक्त, अपर आयुक्त, एसएस एडवरटाइजिंग प्रा।लिमिटेड, दीपक एडवरटाइजर्स को नोटिस जारी जवाब मांगा है। याचिका की अगली सुनवाई 12 जून को होगी।

एक दिन में 12,591 नए मरीजों की पुष्टि, कहां कितने मामले बढ़े

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में कोरोना वायरस के मामलों में एक बार फिर तेजी देखने को मिल रही है। दैनिक संक्रमण दर में भी वृद्धि हो रही है। बीते 24 घंटे में देशभर में कोरोना के कुल 12,591 नए मामलों की पुष्टि की गई है। बता दें कि 8 महीने बाद कोरोना संक्रमण के इतने दैनिक मामलों की पुष्टि की गई है। इसी के साथ साथ संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4.48 करोड़ पहुंच चुकी है। वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 65,286 पहुंच चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से इस बाबत गुरुवार के दिन कोरोना संक्रमण के आंकड़ों को जारी किया गया। इन आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान 40 मरीजों की मौत भी हुई है।

कोरोना के बढ़ रहे मामले

वहीं मरने वालों की संख्या बढ़कर अब 5,31,230 पहुंच चुकी है। इनमें 11 ऐसे लोग शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनःमिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से दम तोड़ने वाले मरीजों की सूची में जोड़े हैं। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, भारत में संक्रमण की दैनिक दर 5.46 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 5.32 प्रतिशत है। देश में अभी 65,286 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0।15 प्रतिशत है। भारत में मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.67 प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल 4,42,61,476 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा साझा की गई जानकारियों के मुताबिक राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अबतक 220,66,28,332 वैक्सीन की खुराक लगाई जा चुकी हैं। गौरतलब है कि भारत में 7 अगस्त 2020 को कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या 20 लाख पहुंच चुकी ती। 23 अगस्त को 30 लाख, 5 सितंबर को 40 लाख, 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर तक 60 लाख, 11 अक्टूबर तक 70 लाख, 29 अक्टूबर तक 80 लाख, 20 नवंबर तक कोरोना संक्रमितों की संख्या 90 लाख को पार कर गई थी।

विधायकी रद्द होने के मामले में अब्दुल्ला आजम खान की एचसी के फैसले को चुनौती, आज एससी में होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान की याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट राजी हो गया है। अब कल यानी 21 अप्रैल को मामले में सुनवाई होगी।मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ ने गुरुवार को अब्दुल्ला के वकील की दलीलों पर ध्यान दिया और उनकी अपील को सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। बता दें कि अब्दुल्ला ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। दरअसल, 15 साल पुराने एक आपराधिक मामले में हाईकोर्ट ने अब्दुल्ला की दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। अब्दुल्ला को दो साल की सजा सुनाई गई थी। सजा सुनाए जाने के चलते उनकी विधायकी रद्द हो गई थी। अब्दुल्ला को यूपी के मुरादाबाद में छजलेट इलाके में एक धरने के दौरान सड़कों को अवरुद्ध करने के मामले में दोषी ठहराया गया था।

अतीक-अशरफ हत्याकांड में बड़ी खबर

एसआईटी ने बांदा से हिरासत में लिए लवलेश के तीन दोस्त

प्रयागराज, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। अतीक अहमद और अशरफ की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को बांदा से हिरासत में लिया है। एसआईटी ने बांदा से इन्हें हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि तीनों लोग आरोपी लवलेश तिवारी के खास दोस्त है। सूत्रों के मुताबिक एसआईटी की टीम हमीरपुर और कासगंज भी पहुंची है। यहां आरोपियों के परिवार वालों समेत करीबियों से पूछताछ की जा रही है। एसआईटी को ऐसे भी इनपुट मिले हैं कि कुछ तथाकथित कुछ पत्रकार लवलेश तिवारी को मीडिया की ट्रेनिंग दे रहे थे। इसी के बाद उसने फर्जी आईडी तैयार की थी। एसटीआई तीनों आरोपियों को लेकर आज ही क्राइम सीन रीक्रिएशन कर सकती है। गुरुवार को तीनों शूटरों कस्टडी रिमांड के दूसरे दिन पुलिस इन को लेकर घटनास्थल काल्विन अस्पताल पहुंच सकती है। वारदात का वीडियो फुटेज दिखाकर भी आरोपियों से सवाल जवाब किए जा सकते हैं। एसआईटी अफसरों ने तीनों शूटरों से पूछा कि उनके पास 7 से 8 लाख मूल्य वाली जिगाना व गिरशान पिस्टल किसने मुहैया कराई, इस पर भी तीनों ने कोई साफ जवाब नहीं दिया। इनके पास से जो पिस्टल बरामद हुए हैं यह भारत में प्रतिबंधित है एक पिस्टल की कीमत 7 से 8 रुपये से अधिक है। सूत्रों का कहना है कि अगर तीनों आरोप पुलिस की जांच में सहयोग नहीं करते हैं और उनका नार्को टेस्ट कराया जा सकता है। दरअसल पुलिस के सामने अब भी कई सवाल ऐसे हैं जिनका कोई जवाब नहीं मिला है। तीनों आरोप कैसे एक-दूसरे के संपर्क में आए आए। लवलेश तिवारी बांदा के क्योतरा का रहने वाला है। सनी सिंह हमीरपुर जिले के कुरारा कस्बे का रहने वाला है।

बंदरों को पकड़ने के लिए लगाया पिंजरा

कैद हो गया गुलदार, पास एक और गुलदार को देख छूटे लोगों के पसीने

पौड़ी, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। नागदेव रेंज के अणेथ गांव में वन विभाग ने बंदरों को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया था लेकिन पिंजरे में बंदर की जगह गुलदार फंस गया। जबकि एक अन्य गुलदार मौके से भाग गया। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और गुलदार का मेडिकल परीक्षण कराया गया। मेडिकल जांच में गुलदार स्वस्थ मिला। वन विभाग की टीम जल्द ही गुलदार को जंगल में छोड़ा जाएगा।

गढ़वाल वन प्रभाग के नागदेव रेंज स्थित अणेथ गांव व आसपास के गांवों में बंदरों का उत्पात बना है। ग्रामीण विष्णु प्रसाद ने बताया कि बंदर नरेंद्र लाल, कालिका प्रसाद, शकुंतला देवी सहित अन्य लोगों को काटकर घायल कर चुके हैं। बंदर घरों में घुसकर खाद्य पदार्थों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों की मांग पर कुछ माह पहले वन विभाग ने बंदरों को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया था। पिंजरे में अभी तक कोई बंदर नहीं फंसा। अणेथ गांव में ग्रामीण मनोरथ प्रसाद ने बताया कि वह सुबह पांच बजे उठे तो उन्होंने देखा कि घर के पास बंदर पकड़ने के लिए लगाए पिंजरे में गुलदार फंसा है। साथ ही एक अन्य गुलदार पिंजरे के पास घूम रहा है।

शोर मचाने के बाद घूम रहा गुलदार भाग गया। इसके बाद उन्होंने घटना की सूचना ग्रामीणों और वन विभाग को दी। ग्रामीणों ने कहा कि बंदर कम थे कि अब गुलदार भी आ धमका है। उन्होंने वन विभाग ने प्रभावित क्षेत्र में पिंजरा लगाने की मांग की। वहीं नागदेव रेंज के वन क्षेत्राधिकारी ललित मोहन नेगी ने बताया कि गुलदार करीब एक साल की मादा है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 21 अप्रैल- 2023

मीलार्ड! कानून और अदालतों की जबावदेही कब तय होगी ?

मनोज कुमार अग्रवाल

वाह! देश में अदालत हैं कानून हैं व्यवस्था है फिर भी एक माफिया 44साल तक गुंडागर्दी कत्ल अपहरण रंगदारी का खुला खेल खेलकर हजारों करोड़ का साम्राज्य स्थापित करता है इन 44 साल तक कानून और अदालत क्या कर रहीं थीं?व्यवस्था के सरमायेदारों से मीलार्ड से यह सवाल क्यों नहीं पूछा जाना चाहिए? लोकतंत्र में चार स्तम्भ बताए गए हैं विधायिका कार्यपालिका न्यायपालिका और प्रेस। हालात यह है कि चारो खम्भों की हालत खराब है वरन यह कहें कि बद से बदतर की ओर है और सब कसूरवार एक दूसरे को ठहरा रहे हैं। ये सारे स्तंभ खुद को पाक-साफ बताते हैं। दुर्दांत अपराधी से राजनीति में कदम रखकर अपने दबंगई और गुंडई के बूते पर गुनाह का साम्राज्य स्थापित करने वाले अतीक और उसके भाई अशरफ की पुलिस हिरासत में हत्या को लेकर कई विपक्षी दलों के नेताओं का विधवा विलाप जारी है। यह सही है कि पुलिस हिरासत में अतीक और अशरफ की हत्या पुलिस के दामन पर दाग है लेकिन इस को लेकर सरकार की नीयत और नीति पर सवाल उठाना गलत है। आजादी के पिछत्तर साल में यह पहली सरकार है जिसने समानांतर सरकार चला रहे माफिया के पर कतरनें का बीड़ा उठाया है। देर-सवेर माननीय मीलार्ड भी उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर कटघरे में खड़ा कर डीजीपी और सरकार को कड़ी फटकार लगाकर अपनी मौजूदगी और जागरूकता का अहसास कराने की कोशिश करेंगे लेकिन सवाल यूंही अनुत्तरित खड़े रहेंगे और इस नक्कारखाने में गूंजते रहेंगे कि कानून ने पिछले 44 साल में क्या किया? सत्रह साल की उम्र में पहली हत्या की जघन्य वारदात को अंजाम देने वाले अतीक को यदि पहले मर्डर की समयबद्ध सुनवाई होकर सजा मुकर्रर की जाती तो अतीक साढ़े चार दशक तक कानून से खिलवाड़ नहीं कर पाता। हजारों लाखों लोगों के दिल में दहशत का राज कायम नहीं कर सकता था और विधानसभा व लोकसभा के पावन स्थलों को नापाक नहीं कर सकता था।

लेकिन कानून ने अपने कर्तव्यों का पालन नहीं किया पुलिस प्रशासन सत्ता धारी सब उस पर नियंत्रण करने के स्थान पर अपनी अपनी सहूलियत के साथ सहयोगी या तटस्थ बन गए। फिर अब एक हत्या की वारदात से एक साथ लोकतंत्र न्याय पालिका कानून सब खतरे में कैसे आ गए इतना हल्ला क्यों व किस मुंह से? मीलार्ड आप अपनी जबावदेही कब तय करेंगे? क्या अतीक जैसे माफिया किसी फैक्ट्री या यूनिवर्सिटी में तैयार नहीं किए जाते हैं? हाल ही में पुलिस हिरासत में भाई समेत मारे गए अतीक ने 1979 में अपराध की दुनिया में कदम रखा उस समय वह मात्र 17 साल का था उसका नाम एक हत्या के मामले में सामने आया। इस के बाद वह गुनाह दर गुनाह करता चला गया। वह चांद बाबा विधायक का चेला बन गया चांद बाबा उन दिनों इलाहाबाद पश्चिम सीट से विधानसभा में पहुंचते रहे 1985 में अतीक ने अपने गुरु चांद बाबा की बदौलत जरायम की दुनिया में काफी नाम कमा लिया वर्ष 1989 में अतीक ने अपने गुरु चांद बाबा के खिलाफ निर्दलीय प्रत्याशी बतौर चुनाव लड़ा कड़े मुकाबले में अतीक करीब 16500 वोट से बाजी मार गया और चांद बाबा को इस चुनाव में हरा दिया। इसके कुछ दिनों बाद ही चांद बाबा की रोशन बाग में गोली और बम मार कर सरेआम हत्या कर दी गई इस हत्याकांड में भी अतीक का नाम खासा चर्चित रहा यह सारी लड़ाई दोनों गैंगस्टर के बीच वर्चस्व की लड़ाई थी चांद बाबा इलाहाबाद के कारोबारियों पर अपना वसूली चलाता था जिसे अतीक ने अपना लिया था और अब अतीक नए माफिया के रूप में उभर गया था बताया जाता है कि इसके बाद लगातार पांच बार वह इलाहाबाद पश्चिम सीट से विधायक बना। इस दौरान अपना दबदबा बनाए रखने के लिए उस ने सैकड़ों संगीन वारदातों हत्या अपहरण रंगदारी को अंजाम दिया।

उसके खिलाफ एक सौ से अधिक मामले दर्ज किए गए लेकिन सपा सरकार में मिल रहे संरक्षण की बदौलत कई मामले सरकार ने वापस ले लिए थे। इलाहाबाद नगर निगम के वार्ड पार्षद अशफाक मनु की हत्या के मामले में भी अतीक का नाम आया लेकिन अतीक का दबदबा ऐसा था कि उस पर कानूनी शिकंजा नहीं कसा जा सकता। पांच साल बाद 1999 में तत्कालीन एसपी सिटी लाल जी शुक्ला ने पहली बार अशफाक हत्याकांड में उस के भाई अशरफ की गिरफ्तारी की उस समय भाजपा सरकार थी। इतना ही नहीं लखनऊ के गेस्ट हाउस कांड में भी अतीक का नाम आया था 2 जून 1995 को प्रदेश में सपा और बसपा की गठबंधन की सरकार थी बसपा गठबंधन को तोड़ने के लिए मायावती स्टेट गेस्ट हाउस में बैठक कर रही थी उसी समय सपा के विधायक वहां पहुंचकर मारपीट और हंगामा करने लगे और बसपा सुप्रीमो मायावती के साथ भी बदसलूकी की गई। 1996 में प्रयागराज के एक व्यवसायी अशोक साहू की सरेआम हत्या कर दी गई। यह अतीक की दबंगई और गुंडागर्दी का नमूना था अतीक के भाई अशरफ और अशोक साहू के बीच गाड़ी पार्क करने को लेकर कहासुनी हो गई थी जब अशोक साहू को पता चला कि अशरफ अतीक का भाई है तो उसने अतीक के यहां जाकर माफी मांगी इसके बावजूद भी अतीक के ईशारे पर अशरफ ने अशोक साहू की दिनदहाड़े हत्या कर दी इतना ही नहीं अशरफ को बचाने के लिए उसे घटना के 2 दिन पहले चंदौली में थानेदार ने तमंचे के साथ गिरफ्तार दिखाकर हत्याकांड में फंसने से बचा लिया। अतीक के गुंडागर्दी का सिलसिला इतना क्रूर और मनमानी भरा था कि 2003 में भाजपा नेता अशरफ की माफिया अतीक ने गोली मारकर सिर्फ इस वजह से हत्या कर दी क्योंकि भाजपा नेता का नाम अतीक के भाई अशरफ के नाम पर था अतीक का मानना था कि भाजपा नेता अशरफ और उसके भाई का नाम एक होने के कारण गलतफहमी फैलती है। अतीक अहमद ने 2004 में सपा के टिकट पर फूलपुर लोकसभा का चुनाव लड़ा और सांसद बना इसके बाद इलाहाबाद शहर पश्चिम सीट खाली हुई इस पर उपचुनाव हुआ तो इसमें बसपा के टिकट पर राजूपाल ने अतीक के छोटे भाई अशरफ को करारी शिकस्त दी राजू पाल की जीत से अतीक बौखला गया 25 जनवरी 2005 को राजूपाल की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई इस हत्याकांड के बाद जब पोस्टमार्टम के लिए राजूपाल की लाश अस्पताल ले जाई गई तो घटना स्थल से 56 किलोमीटर दूर अस्पताल परिसर में जब राजूपाल के शव को उतारा गया तो अतीक ने एक बार फिर शव पर गोलियां चलवाई और यह बताने की कोशिश की कि वह कानून से ऊपर है और मनमानी वारदात करवा सकता है। यह अपने आप में इतनी खौफनाक वारदात थी पूरे देश में इस घटना की चर्चा हुई। 2015 में एक बार फिर जब सूबे में समाजवादी पार्टी की सरकार थी अतीक अहमद ने अपने निवास कसारी मसारी मोहल्ले में रहने वाले हिंदुओं को घर छोड़कर जाने का फरमान सुनाया अतीक का कहना था कि हिंदुओं ने कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जा कर मकान बना लिए हैं। देवरिया जिला जेल में एक बिल्डर को बुलाकर जेल के भीतर ही उसकी पिटाई करने का मामला भी अतीक के दबंग राज और जेल प्रशासन में रुतबे का जीता जागता सबूत है।

23 दिसंबर 2018 को अधिक देवरिया जेल में बंद था उसने अपने गुंडों से बिल्डर मोहित जायसवाल को लखनऊ से उठाकर देवरिया जेल बुलाया और यहां न सिर्फ उसके साथ मारपीट की बल्कि उसकी 45 करोड़ की संपत्ति हथियाने के लिए स्टांप पेपर पर जबरदस्त करवा लिए। बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल का अतीक ने अपहरण करवा लिया और अपने कार्यालय में रख कर पीटा 29 फरवरी 2019 में गवाही दे दी थी। वकील उमेश पाल ने सुप्रीम कोर्ट तक राजू पाल की मौत का मामला उठाया जिस कारण वह अतीक की आंख की किरकिरी बना हुआ था इसी के चलते 24 फरवरी 2023 को उमेश पाल की अतीक के बेटे असद और उसके साथियों ने सरेआम हत्या कर दी और इसके बाद अतीक और उसका गिरोह योगी सरकार के निशाने पर आ गया।

टाइप 2 मधुमेह

वैश्विक स्तर पर 'टाइप 2 मधुमेह' जिस स्तर पर पांव पसार रहा है उससे पूरी दुनिया सकते में आ गई है। हालात यहां तक खराब हो चुके हैं कि आम लोगों, परिवारों और देशों के भीतर इसके इलाज का बोझ भी अधिक पडने लगा है। देखा जाए तो कोई भी व्यक्ति जान-बूझ कर ऐसी जीवन-शैली नहीं अपनाता कि उसका चलना-फिरना तक दूभर हो जाए। न ही कोई अपने खानपान में ऐसी लापरवाही नहीं बरतेगा, जिससे उसके भीतर कोई गंभीर रोग पलने लगे। लेकिन बीते कुछ दशकों में शहरों-महानगरों के साथ ही गांवों में भी लोगों ने जिस तरह की जीवन-शैली अपनाई है वह आरामदायक तो है लेकिन बाद में जब उसके शरीर के भीतर आरामतलबी का नतीजा गंभीर मधुमेह के रूप में घर कर लेता है तो जीना मुहाल रर देता है। धीरे-धीरे ही सही लेकिन जब मधुमेह ने पूरी दुनिया में अपनी जडें जमा ली तो अब वैश्विक स्तर पर इसको लेकर चिंता व्यक्त की जाने लगी है। बता दें कि बाजार की चमक-दमक और दिखावे के बीच पलते और प्रभावित होते लोगों के खानपान में जो चटखारापन का मजा आया है उससे लोग परंपरागत और प्राकृतिक खान-पान से दूर हो गए हैं। खाने में कई ऐसी चीजें शामिल होती चली गईं, जो कई तरह के जटिल रोगों की जड़ बन गईं। इनमें मधुमेह पहले ही एक बड़ी समस्या के रूप में आम जनजीवन में पसर रहा था, अब इसी रोग की कड़ी में 'टाइप 2 मधुमेह' के बढ़ते मामले कई देशों में एक बड़ी चुनौती बन रहे हैं। जाहिर है इस तरह के रोग को पालने में हमारे खान-पान में बरती जा रही लापरवाही मुख्य कारणों में से एक है। जिन खाद्य वस्तुओं को लोग अपनी रोजमर्रा की जरूरत मानते हैं, कई बार वही उनके शरीर में मीठा जहर बन कर पलने लगता है। हाल ही में प्रकाशित एक शोध पत्रिका के विश्लेषण में बताया गया है कि दुनिया भर में 2018 में टाइप 2 मधुमेह के एक करोड़ इकतालीस लाख से ज्यादा मामलों के पीछे खराब आहार एक प्रमुख कारण था। अपनी दिनचर्या में आए बदलाव और खाद्य पदार्थों के मामले में जिन चीजों को सहज मान कर दिनों दिन लोग ज्यादा से ज्यादा उपयोग कर रहे हैं, उन्हीं का योगदान मधुमेह के पांव फैलाने में ज्यादा माना जा रहा है। पहले लोग खाने में मोटे अनाज का उपयोग ज्यादा से ज्यादा करते थे लेकिन आज बहुत कम लोग हैं जो साबुत व मोटे अनाज का सेवन करते हैं। उलटे परिष्कृत चावल, गेहूं की अधिकता और प्रसंस्कृत मांस का सेवन जरूरत से ज्यादा करना अब चलन में आ चुका है। अध्ययन में इसी बिंदु पर चिंता जाहिर करते हुए बताया गया है कि खराब कार्बोहाइड्रेट गुणवत्ता वाला आहार 'टाइप 2 मधुमेह' का विश्व स्तर पर फैलने का एक प्रमुख कारक है। इस अध्ययन में शामिल एक सौ चौरासी देशों में सभी ने 1990 और 2018 की लंबी अवधि में इस कोटि के मधुमेह के मामलों में बढ़ोतरी देखी। हालांकि भारत के संदर्भ में राहत की बात यह है कि फिलहाल यहां 'टाइप 2 मधुमेह' के सबसे कम मामले थे, मगर आम मधुमेह के मरीजों के मामले में यहां स्थिति संतोषजनक कदापि नहीं है। जैसा कि सब जानते हैं कि अकेले मधुमेह रोग ही शरीर के कई हिस्से प्रभावित में सक्षम है कई बार जो मौत की वजह भी बन जाता है। 2019 में दुनिया भर में करीब बीस लाख लोगों की मौत का कारण मधुमेह और खराब गुर्दे थे। अब वैश्विक स्तर पर 'टाइप 2 मधुमेह' के बढ़ते मामले भी आम लोगों, परिवारों और देशों के भीतर स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों पर बोझ को दर्शाते हैं। विडंबना यह है कि जीवनशैली और खानपान से जुड़े ऐसे रोगों के कारणों की पहचान होने के बावजूद खाने-पीने की चीजों को लेकर अपेक्षित सजगता कहीं नहीं दिखाई दे रही है। हालांकि कुछ जगहों पर आहार में लाल मांस, प्रसंस्कृत मांस और आलू जैसी कुछ अन्य चीजें सामान्य हैं, लेकिन वही अब वहां 'टाइप 2 मधुमेह' का एक बड़ा कारण बनते जा रहे हैं। साबुत अनाज के सेवन के साथ-साथ खानपान के मामले में कुछ अन्य प्राकृतिक विकल्पों का रास्ता अपनाकर इस तरह की बीमारियों की चपेट में आने से बचा जा सकता है, लेकिन इन तथ्यों को लेकर पर्याप्त जागरूकता नहीं दिखती है। इसके उलट लोग बाजार और विज्ञापनों के प्रभाव में आकर कई ऐसी चीजों को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल कर लेते हैं, जिनका खमियाजा उन्हें मधुमेह जैसे रोग का शिकार होने के रूप में उठाना पड़ता है।

मेडिकल टूरिज्म में छलांग लगाता भारत

आर.के. सिन्हा

भारत को मेडिकल टुरिज्म के हब के रूप में स्थापित करने को लेकर जो कोशिशें बीते कुछ सालों से चल रही हैं उनके सुखद परिणाम अब सामने आने भी लगे हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्रीपद नाईक ने हाल ही में गोवा में आयोजित जी-20 से जुड़े के एक कार्यक्रम में बताया कि पिछले साल भारत में 14 लाख विदेशी पर्यटक मात्र इलाज के लिए भारत आए। जाहिर है, इनमें वे भी शामिल हैं जो रोगियों के साथ आए थे। यह आंकड़ा ही साबित करता है कि भारत की मेडिकल सुविधाओं को लेकर दुनिया में भरोसा बढ़ रहा है। यह तो अभी शुरूआत है। अभी तो भारत को बहुत सी मंजिलों को पार करना है। आप दिल्ली,चंडीगढ़,मुंबई वगैरह के किसी भी प्रतिष्ठित अस्पताल में खुद जाकर देख लें। वहां आपको अनेक विदेशी रोगी और उनके परिजन बैठे मिल जाएंगे। इनमें अफ्रीकी और खाड़ी देशों के रोगियों की तादाद भी खासी रहती है। भारत में ओमन,इराक, मालदीव, यमन, उज्बेकिस्तान, सूडान वगैरह से भी रोगी आ रहे हैं। अगर भारत-पाकिस्तान के संबंध सुधर जाएँ तो हर साल सरहद के उस पार से भी हजारों रोगी हमारे यहां इलाज के लिए आने लगेंगे। कुछ सीरियस मरीज तो अब भी आते हैं। कहना नहीं होगा कि इन रोगियों के भारत में आने से देश को अमूल्य विदेशी मुद्रा भी प्राप्त होती है। जब भी एक रोगी भारत आता है तो उसके साथ दो-तीन रोगी की देखभाल के लिए सहयोगी भी आते हैं। ये महीनों होटलों में रहते हैं। भारत में हृदय रोग, अस्थि रोग, किडनी, लिवर ट्रांसप्लांट, आंखों और बर्न इंजरी के इलाज के लिए सबसे अधिक विदेशी रोगी आते हैं। दुनियाभर में बसे भारतवंशी भी अब यहां पर इलाज के लिए आने लगे हैं। राजधानी के अपोलो अस्पताल से जुड़े हुए मशहूर प्लास्टिक सर्जन डॉ. अनूप धीर कहते हैं कि उनके पास हर महीने कुछ विदेशी रोगी इलाज के लिए आ जाते हैं। अगर हमारे यहां भी इलाज सस्ता होता रहे तो यकीनन देश मेडिकल टुरिज्म के क्षेत्र में लंबी सफल छलांग लगाने की स्थिति में होगा। भारत के पास अत्यधिक योग्य चिकित्सा पेशेवर और अत्याधुनिक उपकरण हैं। इसके अलावा, भारत स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता से समझौता किए बिना अमेरिका और ब्रिटेन की तुलना में कम खर्चीला उपचार विकल्प प्रदान करता है। भारत में इलाज का खर्च अमेरिका के मुकाबले करीब एक चौथाई है। यदि हम इस मोर्चे पर संभल कर चले तो फिर इलाज के लिए रोगी थाईलैंड, सिंगापुर, चीन और जापान जैसे देशों की बजाय भारत का ही रुख करने लगेंगे। ये सभी देश विदेशी रोगियों को अपनी तरफ खींचने की चेष्टा तो कर ही रहे हैं। मेडिकल टुरिज्म सालाना अरबों डॉलर का कारोबार है। इस पर भारत को अपनी पकड़ मजबूत बनानी होगी। इस क्षेत्र में भारत के सामने तमाम संभावनाएं हैं। दरअसल अब सारी दुनिया के लोग बेहतर इलाज के लिए अपने देशों की सरहदों को लांघते हैं। लेकिन, अपने यहाँ भारत के अस्पतालों की साफ-सफाई और नर्सिंग व्यवस्था में सुधार तो करना ही होगा I भारत में इलाज की बेहद कम लागत, उत्तम चिकित्सा तकनीकों और उपकरणों की उपलब्धता के चलते विदेशी मरीज यहां पर इलाज के लिए आते हैं। उन्हें यहां पर भाषा की समस्या से भी ज्यादा जूझना नहीं पड़ता। यहां पर अंग्रेजी बोलने वाले हर जगह मिल ही जाते हैं। यानी विदेशों से आए रोगियों के लिए भारत एक उत्तम स्थान है। कोरोना के आने से पहले भारत में मेडिकल टुरिज्म का बाजार 9 अरब डॉलर यानी 68 हजार 400 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान था। लेकिन, कोरोना ने इस पर ब्रेक लगा दिया। जानकारों का कहना है कि दुनियाभर में हर साल एक-सवा करोड़ से ज्यादा लोग इलाज के लिए दूसरे देशों में जाते हैं। अब हमें मेडिकल टुरिज्म को और मजबूत गति देनी होगी। हमें अपने मेडिकल क्षेत्र में फैली बहुत सी कमियों में सुधार भी करना होगा। हमारे यहां के कुछ सरकारी तथा निजी अस्पतालों में मेडिकल लापरवाही और मरीजों और उनके सम्बन्धियों के साथ दुर्व्यवहार के केस बढ़ते ही जा रहे हैं। निजी अस्पतालों में इलाज भी तेजी से क्रमशः महंगा होता जा रहा है। अब लगभग हर दूसरे दिन किसी अस्पताल में रोगियों के परिजनों और डॉक्टरों में मारपीट के समाचार भी मिलते रहते हैं। डॉक्टरों ने अपनी सुरक्षा के लिए निजी सुरक्षा कर्मी और बाउंसर भी रखने चालू कर दिए हैं। कहना न होगा कि डॉक्टरों और रोगियों के बीच झगड़ों के समाचार सुनकर विदेशी भारत में इलाज के लिए आने से पहले दस बार सोचते होंगे।देश के मेडिकल टुरिज्म में नई जान फूंकने के लिए केन्द्र सरकार के स्वास्थ्य, विदेश, गृह और पर्यटन मंत्रालयों को मिल-जुलकर पहल करनी होगी। विदेशी रोगियों को तुरंत वीजा सुविधा देने के साथ-साथ यहां पर उन अस्पतालों पर भी नजर रखने की आवश्यकता है,जहां पर ये इलाज के लिए आते हैं। विदेशी रोगियों को बिचौलियों से भी बचाना होगा। इसके साथ ही, विदेशी रोगियों का इलाज कुछ बड़े सरकारी अस्पतालों में ही करने के लिए अलग विंग भी शुरू किया जा सकता है। दिल्ली के एम्स या राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) जैसे अस्पतालों में भी विदेशी रोगियों का इलाज हो सकता है। इनसे इलाज के बदले में मार्केट दर से पैसा लिया जाए। इस तरह के कदम उठाकर यह सरकारी अस्पताल अपने को आत्म निर्भर बनाने की स्थिति में भी होंगे। विदेशी रोगियों को एम्स तथा आरएमएल से काबिल डॉक्टर तो सारे संसार में मुश्किल से ही मिलेंगे। अगर बात मेडिकल टुरिज्म से हटकर करें तो भारत के टुरिज्म सेक्टर में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं। यह सबको पता है। हमारे यहां सब कुछ तो है। यहां पर घने जंगलों में विचरण करते जानवर हैं, समुद्री तट हैं, पर्वत हैं, नदियां हैं मंदिर, मस्जिद, बुद्ध विहार, गिरिजाघर हैं। हमारे देश से बेहतर और विविध डिशेज कहीं हो ही नहीं सकतीं। बुद्ध और गांधी के भारत में कौन सा सच्चा घुमक्कड आना नहीं चाहेगा।भारत में विदेशी पर्यटकों की आवक तो हर सूरत में बढ़ानी होगी। हमारे यहां पर जितने महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल हैं, उस अनुपात में हमारे देश में पर्यटक नहीं आते। भारत में ताजमहल, गुलाबी नगरी जयपुर, पहाड़ों की रानी दार्जिलिंग, असीमित जल का क्षेत्र, कन्याकुमारी, पृथ्वी का स्वर्ग कश्मीर समेत अनगिनत अहम पर्यटन स्थल हैं। इनके अलावा भारत में भगवान बुद्ध से जुड़े अनेक अति महत्वपूर्ण स्थल हैं।

चुनाव दर चुनाव कांग्रेस का कद घटता ही जा रहा है

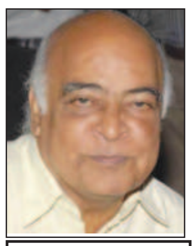

अशोक भाटिया

आज भी विपक्ष में सिर्फ कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है जिसके पास दो मुख्यमंत्री, तीन और राज्य सरकारों में प्रतिनिधित्व, 88 सांसद, 688 विधायक और 46 पार्षद हैं । विपक्ष के लिए यह स्थिति अच्छी भी है और बुरी भी. भाजपा के विस्तार के सामने कांग्रेस आज बौनी नजर आती है बल्कि चुनाव दर चुनाव कांग्रेस का कद और घटता ही जा रहा है. ऐसे में वो विपक्ष के आखिर किस काम आ रही है, राजनीतिक पर्यवेक्षकों का यह सवाल उठाना लाजमी है ।विपक्ष में सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते कांग्रेस को विपक्ष का इंजन होना चाहिए था । लेकिन स्थित कुछ ऐसी हो गई है कि वो विपक्ष को आगे खींचने की जगह आगे बढ़ने से रोक रही है । एक तरह से वो एक ऐसे जमीन मालिक की तरह हो गई है जो न खुद उस जमीन का इस्तेमाल कर रहा और न किसी और को करने दे रहा है । विपक्ष भी महाराष्ट्र को छोड़ कर और कहीं एकजुट होता नजर नहीं आ रहा और इसका सीधा फायदा भाजपा निकाल ले रही है । राष्ट्रीय नेतृत्व को लेकर संशय हो या पुराने नेता बनाम नए नेताओं का आतंरिक झगड़ा, कई कारण हैं जो कांग्रेस को डुबा रहे हैं।

लेकिन इस समय की भाजपा की राजनीतिक मशीनरी से राष्ट्रीय स्तर पर टक्कर लेना न अकेले कांग्रेस के बस की बात है न कांग्रेस-रहित विपक्ष के और अपनी जमीन बचाए रखने के लिए विपक्ष को इस तमगे के आगे सोचना पड़ेगा । विपक्ष के कई नेता काफी समय से कहते आ रहे हैं कि भाजपा को टक्कर देने के लिए सभी पार्टियों की मिली जुली ताकत लगेगी । इस फॉर्मूले के मुताबिक एक इंद्रधनुषीय गठबंधन बनाना होगा और जो पार्टी जिस राज्य में, जिस सीट पर भाजपा को टक्कर देने में सबसे मजबूत स्थिति में हो उस सीट को उस पार्टी के लिए छोड़ना होगा ।हालांकि अभी इस फॉर्मूले तो क्या इस सवाल पर भी विपक्ष में सहमति नहीं हो पाई है कि आखिर जनता के बीच क्या लेकर जाएंगे. क्या है जो उन्हें भाजपा से अलग बनाता है? किस आधार पर वे वो खुद को मतदाता के लिए भाजपा से बेहतर विकल्प बता पाएंगे? भाजपा का मूल मंत्र आज भी 'हिंदुत्व' ही है, जबकि विपक्ष आज भी इस उलझन में है कि उसे 'हिंदुत्व' को अपनाना है या उसका विरोध करना है । जब तक विपक्षी पार्टियां अपनी उलझनों के परे साफ देखने की क्षमता हासिल नहीं कर लेतीं, तब तक शायद वो बीजेपी से कम और एक दूसरे से ज्यादा लड़ती रहेंगी । विपक्ष का नेतृत्व करने में कांग्रेस से प्रतिस्पर्धा करने वाली तृणमूल कांग्रेस अभी कांग्रेस की परछाई के बराबर भी नहीं है । आम आदमी पार्टी भले ही दो राज्यों में सत्ता में आ चुकी है, लेकिन उसका कुल चुनावी बल अभी तृणमूल से भी कम है ।हमें और आपको ये आंकड़े बार बार देखने पड़ते हैं लेकिन पार्टियां इन्हें नींद में भी नहीं भूलतीं. इसलिए पार्टियां अपनी अपनी हैसियत नहीं समझती हैं, यह मानना खुद को भ्रमित रखने के बराबर होगा।

इसके बावजूद वो आपस में प्रतिस्पर्धा करती हैं क्योंकि सबको 'सबसे बड़ी पार्टी' का तमगा चाहिए। सत्ता में नहीं तो विपक्ष में सही. लेकिन इस तमगे की ललक तब तक ही बरकरार रहेगी जब तक विपक्ष के लिए जमीन रहेगी. और अपनी जमीन बचाए रखने के लिए विपक्ष को इस तमगे के आगे सोचना पड़ेगा । विपक्ष के कई नेता काफी समय से कहते आ रहे हैं कि भाजपा को टक्कर देने के लिए सभी पार्टियों की मिली जुली ताकत लगेगी ।भाजपा का मूल मंत्र आज भी 'हिंदुत्व' ही है, जबकि विपक्ष आज भी इस उलझन में है कि उसे 'हिंदुत्व' को अपनाना है या उसका विरोध करना है । जब तक विपक्षी पार्टियां अपनी उलझनों के परे साफ देखने की क्षमता हासिल नहीं कर लेतीं, तब तक शायद वो भाजपा से कम और एक दूसरे से ज्यादा लड़ती रहेंगी । दूसरी तरफ आज कल कांग्रेस पार्टी में जो उठा-पटक और अन्दरूनी द्वन्द चल रहा है उसका मुख्य कारण राष्ट्रीय स्तर पर केन्द्रीय 'राजनैतिक विमर्श' का बदलना है। राजनीतिक दौर के इस 'रूपान्तरण' को पार्टी अपने जवाबी विमर्श से संभालने में इसलिए असमर्थ जान पड़ती है क्योंकि कांग्रेस के उन अनुभवी नेताओं का इस जवाबी विमर्श में वह 'तत्व ज्ञान' समाहित नहीं है जिसके बूते पर कांग्रेस आजादी के बाद से हर मुसीबत का हिम्मत के साथ मुकाबला करती रही है। बेशक राजनैतिक धरातल पर एक 'युग परिवर्तन' हो चुका है और 21वीं सदी की कांग्रेस राष्ट्रीय पटल पर प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उभरी 'नई भाजपा' का मुकाबला नहीं कर पा रही है।

यह 786 क्या है?

आसमानी किताब तथा हदीस के जानकारों से जब यह प्रश्न किया गया कि इस्लाम में 786 का क्या महत्व है तो उनका एक ही उत्तर होता है कि यह इन किताबों में नहीं है । जबकि हमारा सिने जगत इसका दीवाना है । वह इसे एक इस्लाम का पाक नम्बर घोषित कर उसकी धमार्केटिंग करता है।मुसलमान अपनी गाड़ी के लिये 786 नम्बर लेने के लिये अतिरिक्त शुल्क भी भरते हैं और किसी नोट के अंत में या मोबाइल के अंत में भी इस नम्बर के लिये अतिरिक्त मूल्य देने हेतु तैयार रहते हैं। हिंदी सिनेमा में हिंदू देवी देवताओं पर यदा कदा फिल्में बनती रही लेकिन अब अधिकतर विशेष स्थान प्राप्त नहीं कर सकी । भारत में सिनेमा के दो मुख्य केंद्र थे एक बम्बई तथा दूसरा कलकत्ता । कलकत्ता फिल्म उद्योग वामपंथियों के अधिकार क्षेत्र में था । वहाँ वामपंथी विचारधारा के हिंदी भाषा में भी फिल्म बनाते थे । इधर बम्बई में अधिकतर निर्माता, लेखक, कलाकार, निर्देशक, पटकथा लेखक, गीतकार व संगीतकार या तो मुसलमान थे। रोचक तथ्य यह है कि विभाजन पूर्व जो मुसलमान पाकिस्तान की वकालत कर रहे थे वह विभाजन के पश्चात पाकिस्तान नहीं गये । वह सब कांग्रेस में शामिल हो गये और उर्दू साहित्य के लेखक, गीतकार, संगीतकार वामपंथी या कांग्रेसी हो गये। इन सब हिंदू विरोधी लोगों ने फिल्म उद्योग पर कब्जा कर लिया और धीरे – धीरे हिंदु विरोध तथा इस्लाम के लिये कार्य करने लगे । अब 786 कैसे फिल्मों में स्थापित किया गया और इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी यह प्रश्न है?

1975 में एक दीर्घ अंतराल के पश्चात किसी हिंदू देवी देवता पर अच्छी फिल्म बनी थी जो सुपर हिट भी सिद्ध हुई । इसका नाम था जय संतोषी माँ! ऐसा बाद में रामायण और महाभारत जैसे टी वी सीरियल ने भी सिद्ध किया। इससे यह हिंदु विरोधी गैंग बहुत परेशान हुई। इसलिये 1975 में ही एक फिल्म आई दीवार और मेरी जानकारी में तो यही प्रथम फिल्म है जिसमें 786 का गुणगान किया गया । इसके बाद अनेक फिल्मों में कार का नम्बर 786, दुकान पर बोर्ड में 786 दिखाया गया । 786 का बिल्ला इसकी जान बचा देता है और पात्र भी हिंदु ही है, इसका परिणाम यह हुआ कि हिंदू भी इस चक्कर में फंस गये। इसी प्रकार से फिल्मी में भजनों का स्थान भी साँई बाबा उर्फ चांद मियाँ और दरगाहों में कव्वालियाँ आ गई, भजन गायब हो गये । इन फिल्मों की कहानियों में भी अधिकतर पात्र हिंदु ही होते थे और वह दरगाह पर जाकर कव्वाली गाते हैं, इसलिये जाल में फंसा कौन? हिंदु ही क्योंकि उसे ईश्वर अल्ला तेरो नाम की चासनी जो चटा दी गई थी । वैसे कहानी का जो इस्लामीकरण होता था उसकी मंकी बैलेंसिंग करने के लिये ही भजन भी डाले जाते थे । इससे जनता भुलावे में रहती थी ।

अब कैफ़ी आज़मी का एक गीत देखिये "मिले न फूल हमें तो कांटों से दोस्ती कर ली, खुदा तराश लिया और बंदगी कर ली" अब इसकी चालाकी देखिये यह "खुदा तराश लिया" खुदा की कोई मूर्ति या तस्वीर इस्लाम में हराम है, मूर्ति या तस्वीर तो हमारे देवी देवताओं की होती है ।

अब क्योंकि खुदा लिखा है तो आप की समझ में आसानी से नहीं आएगा कि यह किस प्रकार से मूर्ति पूजा का विरोध कर रहा है और स्वयँ को नास्तिक भी कहता था । बस यही छलावा है इन लोगों का ।

हमें तो लिखने का मसाला चाहिए

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

लिखने का मसाला हमारे चारों ओर फैला हुआ है। जो जितना लिखना चाहे उतना उठा सकता है। इन्हीं मसालों के बीच एक मसाला था गड्ढा। जी हाँ, चमचमाती सड़क के बीच एक गड्ढा था। गड्ढा भी बड़ा चिढ़ा-चिढ़ा था।

गड्ढे की सूरत देखकर ऐसा लगा कि कांट्रैक्टर को उसकी मुँह मांगी कीमत नहीं मिली तो सड़क के मुँह पर यह गड्ढा छोड़ गया हो। अब गड्ढा बन ही गया है तो गिरना बनता ही है। नहीं तो गड्ढे की क्या इज्जत रह जाएगी। सो आए दिन कोई न कोई गड्ढे में गिरता और अपने हाथ-पैर तुड़वाता।

एक दिन एक माँ-बेटे गड्ढे में गिर गए। आप तो जानते ही हैं कि हमारे देश में आपदा के समय सहायता करने वाले बाद में तमाशा देखने वाले पहले पहुँच जाते हैं।

वैसे भीड़ की मानसिकता बहुविकल्पीय होती है। पहले तो अ की सोच ब की सोच से मेल नहीं खाएगी। मेल खा भी गयी तो स की सोच उन दोनों की नहीं मानेगी। मान भी गयी तो द की सोच कुछ करने नहीं देगी। कुल मिलाकर जहाँ थे वहीं पर रहते हैं। कुछ पढ़े-लिखे घटना का वीडियो बनाकर अपलोड करने की अपनी मौलिक व प्राथमिक जिम्मेदारी पूरी करते हैं।

ऐसा नहीं करने पर उनका हाजमा बिगड़ जाने की प्रबल संभावना बनी रहती है। यदि कोई सहायता करने के लिए हाथ बढ़ाता है तो उसे अनपढ़-गंवार कहकर उसका मजाक उड़ाया जाता है। ऐसे लोगों की सोच में समझदार हेल्पलाइन नंबर पर फोन लगाते हैं और बेवकूफ सहायता करने के चक्कर में खुद पुलिस थाने के चक्कर में लग जाते हैं। इन सब के बीच सबसे खुश एक ही व्यक्ति रहता है जो न तो सहायता करता है न हेल्पलाइन को फोन। जानते हो वह व्यक्ति कौन होता है? उसे ही आज की दुनिया में व्यंग्यकार कहते हैं। उसे तो ऐसे-जैसे-तैसे लिखने के लिए मसाला चाहिए। मसाला मिल गया तो समझो कोरा कागज घिसकर काला कर दिया। छप गए अगले दिन। लाइक्स पर लाइक्स और शेयर का सुख अलग से। वाहवाही के झूले में झूलने वाले व्यंग्यकार लोगों की पीड़ाओं में अपने छपास सुख की अठखेलियाँ खेलते रहते हैं।

अक्षय तृतीया के 10 पौराणिक तथ्य

हर साल वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस बार यह पर्व 22 अप्रैल 2023 को मनाया जाएगा। इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को बताया था कि आज के दिन जो भी रचनात्मक या सांसारिक कार्य करोगे, उसका पुण्य मिलेगा। अक्षय तृतीया के दिन ही वृंदावन के बांके बिहारी जी के मंदिर में श्री विग्रह के चरणों के दर्शन होते हैं। गंगोत्री धाम के पट खोले जाते हैं और जगन्नाथ भगवान के सभी रथों को बनाना प्रारम्भ किया जाता है।

1. **परशुराम का जन्म :** इस दिन भगवान नर-नारायण सहित परशुराम और हयग्रीव का अवतार हुआ था।
2. **अक्षय कुमार का जन्म :** इसी दिन ब्रह्माजी के पुत्र अक्षय कुमार का जन्म भी हुआ था।
3. **कुबेर जी को मिला खजाना :** इस दिन यक्षराज कुबेर को खजाना मिला था।
4. **गंगा अवतरण :** एक मान्यता के अनुसार इसी दिन मां गंगा का अवतरण भी हुआ था।
5. **सुदामा कृष्ण मिलन :** इसी दिन सुदामा भगवान कृष्ण से मिलने पहुंचे थे।
6. **ऋषभदेव के उपवास का पारण :** प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ ऋषभदेवजी भगवान के 13 महीने का कठीन उपवास का पारणा इक्षु (गन्ने) के रस से किया था।
7. **युग का प्रारंभ :** इसी दिन सतयुग और त्रैतायुग का प्रारंभ हुआ था और द्वापर युग का समापन भी इसी दिन हुआ।
8. **महाभारत की रचना :** अक्षय तृतीया के दिन से ही वेद व्यास और भगवान गणेश ने महाभारत ग्रंथ लिखना शुरू किया था।
9. **कनकधारा स्त्रोत :** आदि शंकराचार्य ने कनकधारा स्तोत्र की रचना की थी।
10. **युद्ध समाप्त :** इसी दिन महाभारत की लड़ाई खत्म हुई थी।

भगवान विष्णु का नर नारायण, हयग्रीव और परशुराम के रूप में अवतरण भी इस तिथि को हुआ था। प्रयागराज के आचार्य लक्ष्मीकांत शास्त्री बताते हैं कि इस दिन भगवान बद्रीनाथ की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की जाती है। अक्षय तृतीया को ही महाभारत का युद्ध समाप्त हुआ था, और सत्य की स्थापना के साथ एक महान भारत के दर्शन हुए थे। द्वापर युग का समापन इसी दिन हुआ था।
यह अद्भुत संयोग है कि अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर पृथ्वी दिवस भी है। यह समय अपनी धरती माता से जुड़ने का है ताकि हम पर्यावरण की चुनौतियां तथा जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण कम करने के साथ जैव विविधता को जाने समझे। वर्तमान चुनौतियों को देखते हुए हमें पर्यावरण अपनी प्रकृति और पृथ्वी के साथ सद्भाव युक्त एवं मानवता पूर्ण व्यवहार करना होगा। इसके लिए अपनी जीवनशैली और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करना होगा। हमें पर्यावरण अनुकूल जीवन पद्धति को बढ़ावा देना होगा। कुछ ऐसा किया जाए जिससे पृथ्वी का जीवन और प्रभु की महत्ता दोनों बनी रहे।

इस साल वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि शनिवार, 22 अप्रैल को सुबह करीबन 8 बजे से शुरू होगी। जो कि अगले दिन सुबह 7.47 तक रहेगी। रोहिणी नक्षत्र का संयोग भी शनिवार को बनेगा, इसलिए 22 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर्व मनेगा।

अक्षय तृतीया पर हरगिज न करें ये 5 काम वरना मां लक्ष्मी हो सकती हैं नाराज

इस वर्ष 23 अप्रैल को अक्षय तृतीया (अक्षय तृतीया 2023) मनाई जा रही है। मान्यतानुसार इस पावन तिथि पर किए जाने वाले पुण्य कार्य का कभी भी क्षय नहीं होता है, उसका फल निश्चित रूप से व्यक्ति को मिलता है।
उसी तरह कुछ कार्य ऐसे भी हैं, जो इस दिन करने से अशुभ फल मिलता है तथा माता लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है और मनुष्य को रोग, दुख-दरिद्रता, धन के अभाव में जीवन व्यतीत करना पड़ता है। आइए जानते हैं वे कौन-से खास कार्य हैं, जो इस दिन भूलकर भी नहीं करना चाहिए...।

इस दिन क्या न करें

1. अक्षय तृतीया के दिन घर के पूजा स्थल, धन स्थान/ तिजोरी की साफ-सफाई अवश्य ही करें, इन्हें भूलकर भी गंदा न छोड़ें, मान्यतानुसार ये स्थान गंदे रहने से धन की देवी मां लक्ष्मी रूठ जाती हैं और नकारात्मकता बढ़ती है।
2. अक्षय तृतीया पर सोना-चांदी खरीदना शुभ होता है, लेकिन इस दिन प्लास्टिक, एल्युमिनियम या स्टील के बर्तन आदि सामान भूलकर भी न खरीदें, क्योंकि इससे राहु का प्रभाव बढ़ता है तथा घर में दरिद्रता आने की संभावना बढ़ जाती है।
3. साथ ही अक्षय तृतीया के दिन नमक, प्याज, लहसुन, मांस-मदिरा आदि का सेवन भूलकर भी नहीं करना चाहिए। यह आपके अच्छे समय को दुर्भाग्य में बदल सकता है तथा इनके सेवन करने से घर में दुख-दरिद्रता आती है।
4. अक्षय तृतीया पर जुआ, अत्याचार, चोरी, लूट, धूर्तता, अनाचार तथा किसी को आत्मा को दुखाने जैसे कार्य ना करें, क्योंकि इन पापों का कर्मफल भी बुरा ही मिलता है तथा इस दिन किए गए पाप हमारे हर जन्म में पीछा करता रहता है। इससे माता लक्ष्मी रूठ जाती हैं, अतः इस दिन सावधानी बरतते हुए सिर्फ अच्छे कर्म ही करने चाहिए।
5. इस खास दिन पर असामाजिक कार्य नहीं करने चाहिए, क्योंकि इससे माता लक्ष्मी रूठ जाती हैं तथा उक्त व्यक्ति का जीवन धनाभाव में व्यतीत होता है।

इस साल वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि शनिवार, 22 अप्रैल को सुबह करीबन 8 बजे से शुरू होगी। जो कि अगले दिन सुबह 7.47 तक रहेगी। रोहिणी नक्षत्र का संयोग भी शनिवार को बनेगा, इसलिए 22 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर्व मनेगा।

दान से दूर होता है बुरा समय

इस शुभ तिथि पर दान करने का अत्यधिक महत्व है, ऐसे में अक्षय तृतीया पर अपनी कमाई से कुछ अंश जरूर दान करें। इस दिन 14 तरह के दान का महत्व बताया है। ये दान गौ, भूमि, तिल, स्वर्ण, घी, वस्त्र, धान्य, गुड़, चांदी, नमक, शहद, मटकी, खरबूजा और कन्या है। अगर ये न कर पाएं तो सभी तरह के रस और गर्मी के मौसम में उपयोगी चीजों का दान करना चाहिए। इन चीजों का दान करने से बुरा समय दूर होता है।
मान्यता है कि इस दिन कुबेर देवता ने देवी लक्ष्मी से धन की प्राप्ति के लिए प्रार्थना की थी, जिससे प्रसन्न होकर देवी लक्ष्मी ने उन्हें धन और सुख-समृद्धि से संपन्न किया था।

व्रत और भगवान विष्णु-लक्ष्मी की पूजा

अक्षय तृतीया पर नई चीजों की खरीदारी बहुत ही शुभ मानी जाती है विशेषकर इस दिन सोने से बनी चीजें या आभूषण खरीदना बेहद शुभ माना जाता है। इस दिन व्रत रखकर विधि विधान से पूजा-पाठ करने से न सिर्फ भगवान विष्णु जी एवं मां लक्ष्मी बल्कि बुद्धि और विद्या का भी वरदान मिलता है।

घर में किस धातु की मूर्ति रखें, हर एक धातु का है अलग महत्व, इस साइज़ से बड़ी ना हो प्रतिमा

हिंदू धर्म में मूर्ति पूजा को विशेष महत्व दिया जाता है। घर के मंदिर में भी अक्सर उन चीजों को जगह दी जाती है, जिन्हें हम दिल से मानते हैं। घर के मंदिरों में हम देवी देवताओं की मूर्तियां रखते हैं। ये मूर्ति धातु या मिट्टी की हो सकती है। ऐसे में कई बार मन में यह सवाल उठता है, कि घर में रखे जाने वाली मूर्तियां किस धातु की होनी चाहिए? वास्तु शास्त्र के अनुसार माना जाता है, कि पूजा के स्थान पर मूर्तियों के लिए वास्तु नियमों का पालन किया जाना जरूरी है। ऐसा करने से पूजा का पूर्ण फल मिलता है। भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु विशेषज्ञ पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बता रहे हैं, घर में किस तरह की मूर्तियां रखने से पूजा का पूरा फल प्राप्त होता है।

सोने और चांदी से बनी मूर्तियां

हिन्दू धर्म में सोने एवं चांदी को पवित्र धातु माना जाता है। इन धातुओं से बनी मूर्तियां सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं। इसलिए इन धातुओं से बनी मूर्तियों को घर के मंदिर में रखने से घर में सकारात्मकता आती है और नकारात्मकता ख़त्म होती है। सोना बृहस्पति ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है और चांदी चंद्रमा का प्रतिनिधित्व करती है।

तांबे और पीतल से बनी मूर्तियां

हिन्दू धर्म पुराणों के अनुसार तांबे की मूर्ति की पूजा करने से व्यक्ति को सोने की मूर्ति की पूजा करने के बराबर फल प्राप्त होता है। पीतल से बनी देवी-देवताओं की मूर्ति घर में रखने से और इनकी पूजा करने से घर के सदस्यों को पूजा का पूरा फल प्राप्त होता है। साथ ही पीतल से बनी मूर्तियां घर के वातावरण को भी सवच्छ बनाने में सहायता करती है।

मिटटी से बनी मूर्तियां

प्राचीन काल से हिन्दू धर्म में मिट्टी से बनी मूर्तियों का पूजा-पाठ में उपयोग किया जाता आ रहा है। मिट्टी से बनी मूर्तियों को पवित्र माना जाता है। इसलिए यदि आप धातु से बनी मूर्तियों का उपयोग नहीं करना चाहते, तो मिट्टी से बनी मूर्तियों को अपने घर में रख सकते है। मान्यता के अनुसार मिट्टी से बनी मूर्तियों की पूजा करने से मन को शांति मिलती है और घर परिवार में खुशहाली का माहौल रहता है।

घर की इस दिशा में रखें गहने, हर दिशा से आएगी धन-समृद्धि

वास्तु के अनुसार रुपया या नकदी को उत्तर दिशा में रखना अच्छा माना जाता है, क्योंकि ये वजन में हल्का होता है।

आभूषण या गहने पहनने का शौक हर गृहणी को होता है। आभूषण महिलाओं के सौंदर्य में चार चांद लगा देते हैं। सोने के आभूषण पहनने से सुंदरता निखरकर आती है। सभी के पास थोड़े-बहुत कीमती गहने अवश्य ही होते है।
अगर आप भी चाहते हैं कि आपके घर सुख-समृद्धि आएं और आपका धन, रुपया-पैसा दिनोंदिन बढ़ता रहे तो अपनाएं ये खास बातें ताकि आपके घर की धन-संपदा और गहनों में नितरंतर बढ़ोतरी हो। यहां जानिए घर की किस दिशा में रखें गहने कि उनमें अच्छी वृद्धि हो और आपके घर निरंतर धन आता रहे।

1. पूर्व दिशा में घर की संपत्ति और तिजोरी रखना बहुत शुभ होता है इससे उपलब्ध सामग्री या आभूषण में वृद्धि होती रहती है।
2. दक्षिण दिशा भारी सामान रखने की दृष्टि से श्रेष्ठ जगह मानी जाती है और गहनों में वजन होता है इसलिए इन्हें दक्षिण दिशा में रखना चाहिए।
3. अगर आप उत्तर दिशा की तरफ खुलने वाली अलमारी में नकद व आभूषण रखते हैं तो यह बहुत ही शुभ है। अगर यह अलमारी भवन की उत्तर दिशा के कमरे में दक्षिण की दीवार से लगाकर रखी हो तो, इस प्रकार रखने से अलमारी उत्तर दिशा की ओर खुलेगी और उसमें रखे गए पैसे और गहनों में हमेशा वृद्धि होती रहेगी।
4. घर की सीढ़ियों के नीचे तिजोरी रखना शुभ नहीं होता है। सीढ़ियों या टायलेट के सामने भी तिजोरी नहीं रखना चाहिए। तिजोरी वाले कमरे में कबाड़ या मकड़ी के जाले होने से नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। अतः यहां गहने और तिजोरी रखने से बचें।
5. घर की अलमारी या तिजोरी के पल्ले पर बैठी हुई लक्ष्मी जी की ऐसी तस्वीर लगाएं, जिसमें दो हाथी सूंड उठाए नजर आते हैं। ऐसी फोटो लगाना बड़ा ही शुभ होता है। इसमें कीमती गहने रखने से शुभता आएगी तथा लक्ष्मी जी की कृपा से धन में निरंतर बढ़ोतरी होगी।
6. जहां आप गहने अथवा तिजोरी रखने वाले हैं, उस कमरे का रंग क्रीम या ऑफ व्हाइट रखने से धन लाभ तथा आर्थिक स्थिति में निरंतर सुधार होगा।

अनमोल वचन

1. " मन के भरोसे बैठे रहने से कुछ नही मिलता है।
इसकी बजाए आप कर्म करते रहेंगे तो अवश्य ही कुछ ना कुछ पाते रहेंगे।
इसलिए हमेशा कर्म करते रहे क्योंकि यही आपको आगे सफल बनाएगा। "
2. " आप हमेशा सब कुछ नही पा सकते हैं।
यदि आप कुछ पाते हैं तो कुछ ना कुछ खोते भी हैं।
ऐसे में जो चीज़ खो गयी है उसका दुःख मनाने की बजाए,
हमेशा पाने वाली चीज़ का सुख मनाये। "
3. " आप ना तो पहले सबसे आगे थे और ना ही सबसे पीछे,
ना ही आप अभी है और ना ही आप आगे कभी रह पाएंगे।
इसलिए प्रतिस्पर्धा करनी हैं तो स्वयं से कीजिए। "
4. " मान सम्मान को अर्जित किया जाता है,
उसे किसी से छीन कर प्राप्त नही किया जा सकता है। "
5. " सेल्फी तो सभी खींच लेते हैं,
यदि आप किसी का दर्द खींच सके तो बात बने। "
6. " यदि अपने जीवन में कुछ सीखना हैं,
तो पीछे क्या क्या घटित हुआ, उसका अवलोकन करें,
और यदि जीवन जीना हैं तो वर्तमान में जिए,
और कुछ पाना हैं तो भविष्य को निर्धारित करे।
7. " बुरे समय में पैसा काम आये या ना आये,
यह तो समय ही बताता है लेकिन,
जो अपने हैं, वे हमेशा ही आपके काम आएंगे।"
8. " जो करना है वह आज ही कर डाले,
क्योंकि क्या पता कब जीवन की डोर टूट जाए। "

कनेर का पौधा लगा लिया घर में तो धन की समस्या खत्म

कनेर के पौधे को वास्तु शास्त्र में बहुत ही शुभ पौधा माना जाता है। इसके फूल बहुत ही सुंदर होते हैं। यह तीन रंगों में पाए जाते हैं। इस पौधे को उचित नक्षत्र और वार को घर के आंगन में लगाना चाहिए।

1. कनेर की तीन तरह की प्रजातियां होती हैं। एक सपेद कनेर, दूसरी लाल कनेर और तीसरी पीली कनेर। तीनों ही घर की सुंदरता बढ़ते हैं।
2. कनेर के पौधे को देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। देवी लक्ष्मी को सफेद कनेर के फूल चढ़ाए जाते हैं। सफेद फूलों वाले कनेर का पेड़ मां लक्ष्मी को प्रिय है।
3. कनेर के पीले रंग के फूल भगवान विष्णु को प्रिय होते हैं। पीले फूलों वाले कनेर के पेड़ पर साक्षात विष्णु भगवान बसते हैं।
4. वास्तु शास्त्र के अनुसार कनेर का पौधा सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण करके शुभकर्ता माना गया है।
5. कहते हैं कि जिस तरह कनेर का पेड़ पूरे साल फूलों से भरा रहता है उसी प्रकार इसे घर में लगाए जाने से पूरे साल घर में धन का आगमन रहता है।

6. कनेर का पौधा मन को शांत रखता है और वातावरण में सकारात्मकता लाता है।
7. सफेद कनेर के फूलों को मां लक्ष्मीजी की पूजा में रखा जाए तो माता प्रसन्न होकर जातक के घर ठहर जाती है।
8. कनेर के पीले फूलों से भगवान श्रीहरि की पूजा करने पर पारिवारिक खुशहाली आती है, धन संपत्ति बढ़ती है और मांगलिक काम में रुकावटें नहीं आती है।
9. कनेर की पत्तियां, फूल और छाल के कई औषधीय गुण होते हैं। इसके प्रयोग से घाव भरे जाते हैं, सिरदर्द, दंतपीड़ा और फोड़े-फुंसियों में भी यह बहुत फायदेमंद है।
10. कनेर का पौधा गार्डन की सुंदरता बढ़ाने के लिए भी लगाया जाता है। ध्यान रखें कि इस पौधे को कभी घर में नहीं लगाया जाता है।

ड्रेसिंग सेंस पर सवाल उठाने वालों पर फूटा तेजस्वी प्रकाश का गुस्सा

ग्लैमर की दुनिया में हीरोइनों की एक्टिंग के अलावा लोगों की नजर उनके फैशन पर भी होती है. कई एक्ट्रेसेस को उनके एक्सपेरिमेंटल फैशन सेंस के लिए ढेर सारी तारीफें मिलती हैं तो किसी का मजाक उड़ाया जाता है. कई बार छोटे पर्दे की मशहूर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश को भी उनके कपड़ों के लिए जज किया जाता है. हाल ही में, एक्ट्रेस ने जज करने वालों को करारा जवाब दिया है।

दरअसल, हुआ यूं कि हाल ही में बाबा सिद्दीकी की इफ्तार पार्टी में तेजस्वी प्रकाश भी नजर आई थीं. हमेशा की तरह एक्ट्रेस ने अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट किया था और पैंट-सूट के साथ व्हाइट फूलों का गजरा और चोकर सेट पहना था. कई लोगों को उनका ये स्टाइल काफी पसंद आया, लेकिन कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने उन्हें ट्रोल कर दिया.

अब तेजस्वी प्रकाश ने एक इंटरव्यू में ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है. उन्होंने कहा, "जो कोई भी मेरे पहनावे के लिए मुझे नफरत देता है, यह एक चॉइस है, जिसे मैंने बनाया है, क्योंकि मैं इसे ऑर्गेनिक रखना पसंद करती हूं."

तेजस्वी प्रकाश ने अपने करियर की शुरुआत 'संस्कार- धरोहर अपनों की' से की थी. इसके बाद वह 'स्वरागिनी', 'पेहरेदार पिया की', 'रिश्ता लिखेंगे हम नया', 'कर्ण संगिनी', 'खतरों के खिलाड़ी 10' जैसे टीवी शोज में काम किया है. उनकी किस्मत 'बिग बॉस 15' के विनर बनने के बाद और चमकी. फिर उन्हें 'नागिन 6' ऑफर हुआ. आज वह टीवी की सबसे महंगी और कामयाब एक्ट्रेसेस में से एक हैं.

तेजस्वी की लव लाइफ पर नजर डालें तो वह इन दिनों टीवी एक्टर करण कुंद्रा को डेट कर रही हैं. दोनों की मुलाकात और प्यार की शुरुआत दोनों 'बिग बॉस 15' से ही हुई थी. लोग दोनों को प्यार से तेजरन कहते हैं.

20 साल की हुई न्यासा देवगन

अजय-काजोल ने खास अंदाज में बेटी न्यासा को दी जन्मदिन की बधाई

अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा 20 अप्रैल को अपना 20वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर अजय और काजोल ने सोशल मीडिया हैंडल पर बेटी न्यासा के साथ तस्वीर शेयर करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। अजय ने जहां न्यासा को अपना गौरव बताया है, तो वहीं काजोल ने उनके लिए इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। काजोल ने न्यासा के साथ नीता मुकेश अंबानी कल्चरल इवेंट की एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- 'यह हम और हमारी हमेशा की कहानी है। तुम्हारा सेंस ऑफ ह्यूमर, माइंड और तुम खूबसूरत दिल। लव यू बेबी गर्ल। तुम यूं ही मुस्कुराओ हसो और हमेशा मेरे साथ रहो।' न्यासा के साथ फोटो शेयर करते हुए अजय ने लिखा- 'पिता को तुम पर गर्व है। हैप्पी बर्थडे बेबी।' शेयर की तस्वीरों में न्यासा और अजय दोनों

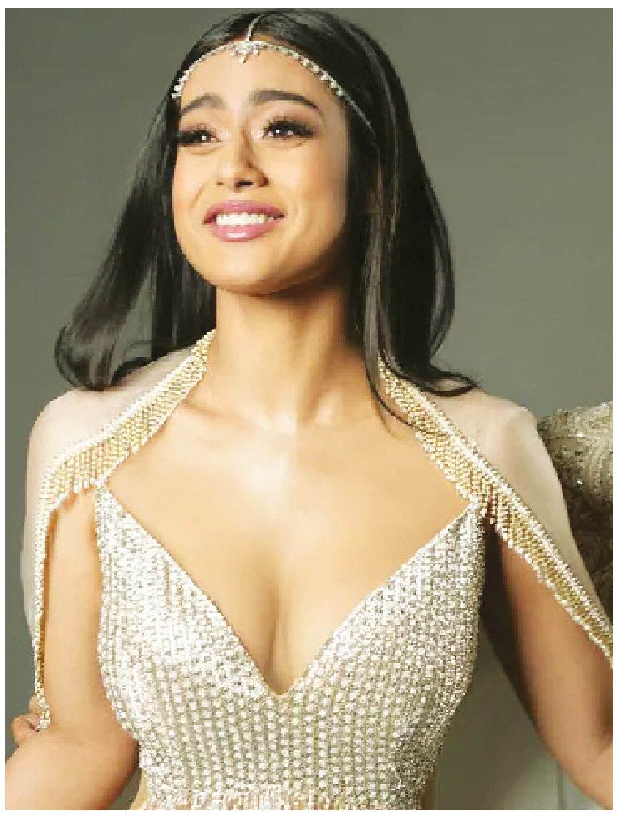

ब्लैक आउटफिट में ट्विनिंग करते नजर आ रहे हैं। अजय और काजोल के पोस्ट पर फैंस जमकर रिएक्ट कर रहे हैं और उन्हें इस खास दिन की बधाई दे रहे हैं।

काजोल और अजय देवगन फरवरी 1999 में शादी के बंधन में बंधे। अप्रैल 2003 में न्यासा का जन्म हुआ, वहीं 2010 में कपल बेटे युग के पेरेंट्स बने। न्यासा ने अपनी पढ़ाई सिंगापुर में की है। भले ही उन्होंने फिल्मों में एंट्री न ली हो, इसके बावजूद वो अपने लुक और फैशन को लेकर चर्चा में रहती हैं। करीब 1 महाने पहले मीडिया को दिए इंटरव्यू में अजय ने कहा था- 'मेरे बच्चों पर लोगों की नजरें हमेशा होती हैं और इस बात से मैं बहुत परेशान रहता हूं। मैं इन चीजों को बदल नहीं सकता और ना ही ऑनलाइन ट्रोलिंग को रोक सकता हूं। आप वास्तव में नहीं जानते कि क्या करना है। क्योंकि कई बार कुछ ऐसी बातें भी लिखी जाती हैं, जो सच भी नहीं होतीं। लेकिन अगर मैंने कोई जवाब दिया को मामला और बढ़ जाएगा।'

न्यासा को फिल्मों में इंटरेस्ट नहीं है-अजय

इंटरव्यू के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके बच्चे फिल्मों में काम करना चाहते हैं। इस पर अजय ने कहा, 'मेरे बेटे युग ने अभी हिंदी फिल्में देखनी शुरू की है। लेकिन मेरी बेटी न्यासा अभी भी हमारी फिल्में नहीं देखती। उसे फिल्म देखने में कोई इंटरेस्ट नहीं है, अभी तक तो नहीं।' फिलहाल वह विदेश में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर रही है।

डिस्को डांसर पर झूमे 70 साल के मिथुन चक्रवर्ती यूजर्स बोले- आपने 80 के दशक की याद दिला दी

एक्टर मिथुन चक्रवर्ती 14 अप्रैल को मुंबई के NSCI डोम में डिस्को डांसरः द म्यूजिकल के भव्य प्रीमियर पर पहुंचे थे। हाल ही में इस इवेंट का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें मिथुन चक्रवर्ती अपने ऑल टाइम क्लासिक डिस्को सॉन्ग 'आई एम अ डिस्को डासंर' पर जबरदस्त डांस करते नजर आ रहें हैं।

चर्चित वीडियो में मिथुन के अलावा बहुत से लोग दिखाई दे रहे हैं, जिनमें से ज्यादातर लोग उनसे उम्र में काफी छोटे हैं। इसके बावजूद वीडियो में मिथुन दा की एनर्जी के आगे सभी फीके नजर आ रहे हैं।

गाना शुरू होते ही मिथुन दा अपने सिग्नेचर स्टेप करते हैं। वहां मौजूद बाकी लोग भी उनके स्टेप्स मैच करने की कोशिश करते हैं। मीथुन चक्रवर्ती का यह वीडियो फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। यह एक लाइव म्यूजिकल इवेंट है, जो 14 अप्रैल से लेकर 23 अप्रैल तक चलेगा। इस इवेंट में सिंगर सलीम-सुलेमान और एक्टर सुनील शेट्टी समेत कई सेलिब्रिटीज अपनी परफॉर्मेंस देंगे।

मिथुन के बेटे नमाशी ने अक्षरा सिंह के साथ काम करने की जताई इच्छा

बॉलीवुड के सुपर स्टार मिथुन चक्रवर्ती के बेटे नताशी चक्रवर्ती अपनी आने वाली फिल्म बैड बॉय के प्रमोशन में लगे हैं। इसी सिलसिले में वह बिहार के पटना पहुंचे। यहां उन्होंने भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि मैं अक्षरा सिंह का बहुत बड़ा फैन हूं और उनके साथ फिल्म करना चाहता हूं। इतना ही नहीं नमाशी ने अक्षरा की तारीफों के पुल बांध दिए।

एक इंटरव्यू में नमाशी चक्रवर्ती ने कहा कि दिए वो अक्षरा सिंह के साथ हिंदी और भोजपुरी में फिल्म बनाना चाहते हैं। उन्होंने अक्षरा की जमकर तारीफ की। आपको बता दें कि नमाशी फिल्म बैड बॉय से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। इस फिल्म के डायरेक्टर राजकुमार संतोषी ने डायरेक्टर किया है।

फिल्म बैड बॉय में नताशी के साथ अभिनेत्री अमरीन कुरैशी भी नजर आएंगी। दोनों इस फिल्म का प्रमोशन करने में लगे हैं। फिल्म को प्रमोट करते हुए जब उनसे पत्रकारों ने पूछा कि क्या वे भोजपुरी में फिल्म करना चाहेंगे? इस सवाल के जवाब में नमाशी चक्रवर्ती ने बेबाकी से कहा कि बिल्कुल करूंगा। इसके बाद उन्होंने कहा कि, 'मैं अक्षरा सिंह का बहुत बड़ा फैन हूं और उनके साथ बिल्कुल काम करना चाहूंगा।'

बता दें कि यूपी, बिहार में नताशी के पिता मिथुन चक्रवर्ती के काफी फैंस हैं। यहां उनकी फिल्मों को खूब पसंद किया जाता रहा है। अब उनके बेटे बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। नताशी से लोगों को काफी उम्मीदें हैं। बाप की तरह बेटे को भी बड़े पर्दे पर अभिनय करता देखना चाहते हैं। फिल्म 'बैड बॉय' में जॉनी लीवर, राजपाल यादव, राजेश शर्मा, सास्वता चटर्जी और दर्शन जरीवाला मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं।

'किसी का भाई किसी की जान' साउथ मूवी है या हिंदी फिल्म?

पूजा हेगड़े 'किसी का भाई किसी की जान' में बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान के साथ पहली बार पर्दे पर रोमांस करती नजर आएंगी। फिलहाल फरहाद सामजी के डायरेक्शन में बनी मसाला एंटरटेनर का पूरी स्टार कास्ट जमकर प्रमोशन कर रही है। वहीं एक लेटेस्ट इंटरव्यू में पूजा ने फिल्म की रिलीज से पहले अपनी उम्मीदों के बारे में बात की।

'किसी का भाई किसी की जान' आज यानी शुक्रवार, 21 अप्रैल को ईद के मौके पर रिलीज हो रही है। एक इंटरव्यू में फिल्म की लीड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने कहा, मैं एक्साइटेड हूं और घबराई हुई हूं। ये इमोशंस का मिक्स्ड बैग है। मुझे उम्मीद है कि लोग मुझे और मेरे किरदार को पसंद करेंगे।" बता दें कि पूजा की आखिरी रिलीज 'राधे श्याम' थी। इसमें वह प्रभास के साथ नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस कोई कमाल नहीं कर पाई थी। इसके बाद पूजा की रणवीर सिंह के साथ आई 'सर्कस' भी फ्लॉप रही थी।

वहीं 'किसी का भाई किसी की जान' के ट्रेलर ने पहले ही दिल जीत लिया है। हालांकि लोगों के एक सेक्शन ने इसकी तुलना साउथ इंडियन फिल्मों से भी की है। पूजा द्वारा अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ट्रेलर शेयर करने के बाद एक यूजर ने कमेंट किया, किसको बॉलीवुड नहीं साउथ की फिल्म लग रही है। इस पर पूजा ने कहा "मैं फिल्म में एक तेलुगु हूं। यह अच्छा है कि भारतीय सिनेमा अब एक साथ आ रहा है। ऐसा होना जरूरी है क्योंकि फिल्म में हैदराबाद की एक लड़की दिल्ली आती है, उसे एक नई जगह पर इंट्रोड्यूस किया गया है। आप दो अलग-अलग दुनिया देखेंगे।

पूजा ने कहा, "क्योंकि लड़की तेलुगु है इसलिए हमने फिल्म में बथुकम्मा को भी दिखाया है। यह एक तेलुगु फेस्टिवल है। वहां वे तेलुगु में गा रहे हैं क्योंकि इसे हिंदी में दिखाना अजीब होता। इसलिए, जो स्क्रिप्ट के लिए ऑथेंटिक है। वह किया जाता है।।" पूजा ने ये भी क्लियर किया कि कैसे वह इन कम्पैरिजन से परेशान नहीं है।

पूजा हेगड़े को 'किसी का भाई किसी की जान' से उम्मीद

पूजा हेगड़े फिलहाल 'किसी का भाई किसी की जान' पर अपनी सारी उम्मीदें लगाए हुए हैं। ट्रेलर में सलमान खान के साथ अपनी प्यारी केमिस्ट्री से वह पहले ही दिल जीत चुकी हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए पूजा ने कहा, "मैं वास्तव में एक आर्कियलॉजिस्ट का रोल निभा रही हूं। हम बेसिकली मेरे 'भाई' डायलॉग के साथ खेलना चाहते थे क्योंकि वह नहीं जानती कि सलमान को कैसे एड्रेस किया जाए। हर कोई उन्हें भाई कहता है।

सलमान खान एक को-एक्टर के रूप में कैसे हैं? इस सवाल के जवाब में पूजा ने कहा, "उन्हें भाईजान कहा जाता है। उनके साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। वह बहुत रियल और ईमानदार हैं।

वह जो कुछ भी उनके दिमाग में है वह कहते हैं और वह कुछ ऐसे है जो मुझे पसंद हैं।

वह अपने विचारों को लेकर पारदर्शी हैं। उन्होंने फिल्म पर काम करने के दौरान मेरी मदद की।" बता दें कि किसी का भाई किसी की जान की ईद के मौके पर शुक्रवार को रिलीज हो रही है।

फिल्मों में हर तरह के सीन करने को तैयार हैं अभिषेक बच्चन?

अभिनेता अभिषेक बच्चन ने फिल्मों में कई अलग-अलग तरह के किरदार अदा किए हैं। डेब्यू के साथ ही उनकी तुलना पिता अमिताभ बच्चन से होने लगी थी। एक वजह यह भी रही कि अभिषेक बच्चन का शुरुआती करियर ठप रहा। हालांकि, धीरे-धीरे ही सही, उन्होंने खुद को साबित कर दिखाया है। अभिषेक बच्चन फिल्मों में हर तरह के रोल करने के लिए तैयार हैं। कहानी की मांग के मुताबिक अगर उन्हें कभी न्यूड सीन करना पड़ा तो उन्हें इससे भी आपत्ति नहीं होगी। खुद जूनियर बच्चन यह बात स्वीकार कर चुके हैं।

अभिषेक बच्चन ने बॉलीवुड फिल्मों से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक हर जगह अपनी पहचान स्थापित की है। एक बार एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान अभिषेक बच्चन ने कहा कि जरूरत के हिसाब से वह फिल्मों में हर तरह के सीन करने के लिए तैयार हैं। दरअसल, इंटरव्यू के दौरान अभिषेक बच्चन ने अपनी फिल्मों, कमर्शियल सफलता के लिए लंबे इंतजार, पिता अमिताभ बच्चन से तुलना होने

समेत कई मुद्दों पर बात की थी।

बातचीत के दौरान अभिषेक बच्चन से पूछा गया था कि क्या 20 फिल्मों के बाद आपने अपनी पहचान बनाई है? या आपको अभी भी अमिताभ बच्चन के बेटे के रूप में देखा जाता है? इस पर अभिषेक ने कहा कि मुझे अपने पिता के साये में रहने में कोई आपत्ति नहीं है।

अभिषेक से जब पूछा गया कि उन्होंने एक्टिंग अपनी मां से सीखी है या पिता से? इस सवाल पर एक्टर ने जवाब दिया कि, 'मैंने अपनी बहन से एक्टिंग सीखी है, क्योंकि वह परिवार में सबसे अच्छी एक्ट्रेस हैं। हालांकि वह बहुत शर्मीली हैं और इसलिए वह फिल्म इंडस्ट्री में नहीं हैं। वहीं, अभिषेक ने अपने पिता अमिताभ के लिए कहा कि वह अपने आप में एक स्टैंडर्ड हैं। वह महान लोगों में से एक हैं।

इंटरव्यू के दौरान अभिषेक बच्चन से पूछा गया था कि क्या वे न्यूड रोल करेंगे? इस पर अभिषेक ने जवाब दिया कि अगर फिल्म को इसकी जरूरत है तो वे न्यूड रोल करने से भी परहेज नहीं करेंगे। अभिषेक बच्चन ने कहा, 'मैं क्योंकि एक एक्टर हूं, इसलिए हम जजमेंट पर खड़े होने वाले कौन होते हैं?'

डायरेक्टर यश चोपड़ा की पत्नी पामेला का 74 साल की उम्र में निधन

यश चोपड़ा की वाइफ पामेला चोपड़ा का 20 अप्रैल को 74 साल की उम्र में निधन हो गया। पामेला चोपड़ा प्लेबैक सिंगर, फिल्म राइटर और प्रोड्यूसर थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पामेला पिछले 15 दिनों से मुंबई के लीलावती हॉस्पिटल में एडमिट थीं। उनकी सेहत लगातार बिगड़ रही थी। इस वजह से डॉक्टरों ने उन्हें वेंटिलेटर पर रखा था।

यश चोपड़ा फिल्म्स ने आधिकारिक तौर पर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर पामेला की मौत की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा- हमें ये बताते हुए दुख हो रहा है कि पामेला चोपड़ा का 74 साल की उम्र में निधन हो गया है। आज सुबह 11 बजे मुंबई में उनका अंतिम संस्कार किया गया। डॉक्टर प्रहलाद प्रभुदेसाई ने पीटीआई को बताया कि आज सुबह अचानक पामेला की तबियत बिगड़ गई। वो पिछले 15 दिनों से आईसीयू में थीं। निमोनिया और एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम की वजह से उनका निधन हुआ।

पामेला और यश चोपड़ा की शादी 1970 में हुई थी। इनके दो बेटे हैं- आदित्य और उदय चोपड़ा। आदित्य एक फिल्म प्रोड्यूसर और डायरेक्टर हैं। आदित्य चोपड़ा ने रानी मुखर्जी से शादी की है। उदय चोपड़ा भी एक्टर और प्रोड्यूसर हैं।

पामेला के निधन पर बॉलीवुड सेलेब्स ने दी श्रद्धांजलि

बॉलीवुड सेलेब्रिटी पामेला के निधन पर सोशल मीडिया पर दुख जता रहे हैं और उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। जावेद अख्तर ने पामेला को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा- आज यश चोपड़ा की बेटर हाफ पाम जी का निधन हो गया। वो एक महान लेडी थीं, इंटेलीजेंट, पढ़ी-लिखी, दयालु और समझदार भी। मेरी तरह जिन लोगों ने यश जी के साथ काम किया है, वो जानते हैं कि उनकी फिल्मों में पामेला का कितना महत्त्वपूर्ण योगदान होता था - खासकर स्क्रिप्ट और म्यूजिक में। वो शानदार इंसान थीं। वहीं अजय देवगन ने लिखा- इस मुश्किल समय में आदि, रानी, उदय और पूरे चोपड़ा परिवार के साथ मेरी दुआएं हैं। पाम चोपड़ा जी की आत्मा को शांति मिले।

सिंगर अमाल मालिक ने लिखा- मुझे याद है मैं बचपन में यश राज स्टूडियोज में गाने रिकॉर्ड करने के लिए पैसे जमा किया करता था और स्टूडियो में जाता था। उस समय मैं 17-18 साल का था। लेकिन, उस उम्र में भी जब मैं पाम जी को यश जी का हाथ पकड़ते देखता था तो मुझे उनके बीच का प्यार और दोस्ती दिख जाती थी।

वो कितनी प्यारी थीं, उन्हें हमेशा इस बात का ध्यान होता था कि उनकी बिल्डिंग में जितने भी लोग हैं वो सारे ठीक हैं या नहीं। वो सबसे पूछा करती थीं कि उन्होंने खाना खाया या नहीं और उन्हें किसी चीज की जरूरत तो नहीं है। लेकिन, आज वो हमारे बीच नहीं हैं। संजय दत्त ने ट्वीट कर लिखा- पामेला आंटी के निधन की खबर सुनकर मेरा दिल बैठ गया है। उन्होंने इंडस्ट्री में जो योगदान दिया और जितने लोगों की जिंदगियों को छुआ ये हमेशा याद रहेगा। अनुष्का शर्मा ने स्टोरी शेयर करते हुए लिखा- आरआईपी पामेला आंटी।

यश चोपड़ा के गानों को दी थी अपनी आवाज

पामेला ने कई फिल्मों के गानों को अपनी आवाज दी है। उन्होंने यश चोपड़ा की फिल्म 'कभी-कभी', मुझसे दोस्ती करोगे जैसी फिल्मों के लिए गाने गाए हैं। 1993 में रिलीज हुई फिल्म आइना को पामेला ने खुद प्रोड्यूस किया था।

इसके अलावा उन्होंने यश चोपड़ा की फिल्म दिल तो पागल है की स्क्रिप्ट लिखने में यश चोपड़ा की मदद की थी। पामेला के बेटे आदित्य चोपड़ा और राइटर तनूजा चंद्रा ने मिलकर इस फिल्म की स्क्रिप्ट लिखी थी। पहली बार पामेला दिल तो पागल है फिल्म के ओपनिंग सॉन्ग एक दूजे के वास्ते में यश चोपड़ा के साथ नजर आईं थीं।

आखिरी बार पामेला चोपड़ा YRF की डॉक्यूमेंट्री द रोमांटिक्स में नजर आईं थीं। इस डॉक्यूमेंट्री में उन्होंने अपने पति यश चोपड़ा और उनकी जर्नी पर बात की थी। डॉक्यूमेंट्री में उन्होंने यश चोपड़ा के इंडियन सिनेमा को दिए योगदान से लेकर प्रोड्यूसर के तौर पर उनकी पहली फिल्म 'दाग' की रिलीज पर भी बात की। डॉक्यूमेंट्री में उन्होंने ये भी बताया था कि यश अपनी फिल्म की रिलीज के पहले कई रातों तक सोए नहीं थे।उन्होंने डॉक्यूमेंट्री में ये भी बताया कि यश अक्सर उनसे बातचीत करने के बहाने महिलाओं के मन को समझने की कोशिश करते थे, ताकि वो अपनी फिल्मों में महिला किरदारों को परदे पर और भी बेहतर ढंग से दिखा सकें।

कभी जॉन की वजह से तीन दिनों तक रोईं थीं कटरीना

सलमान ने दिया था भरोसा; यही से शुरू हुई जॉन और सलमान में अनबन

एक वक्त पर सलमान खान और जॉन अब्राहम के बीच तल्खी थी। इस तल्खी के पीछे की वजह कटरीना कैफ थीं। एक पुराने इंटरव्यू में सलमान ने कहा था कि जॉन ने 2003 में आई फिल्म साया से कटरीना को निकलवा दिया था। उनकी जगह पर एक्ट्रेस तारा शर्मा को कास्ट किया गया था।

सलमान ने कहा कि इस बात को लेकर कटरीना तीन दिनों तक लगातार रोईं थीं। हालांकि इस मामले में जॉन ने भी रिएक्शन दिया था। उन्होंने कहा कि ये सभी बातें सिर्फ एक अफवाह हैं, वो खुद इंडस्ट्री में उस वक्त नए थे।

जॉन के कहने पर कटरीना हुई थीं फिल्म से बाहर?

सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी का जान इसी ईद पर रिलीज होने वाली है। अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर भाईजान काफी सुर्खियों में हैं। इसी बीच उनका एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है। आप की अदालत में दिए इंटरव्यू में उन्होंने अपनी और जॉन के बिगड़े रिश्तों पर बात की थी।

दरअसल उस वक्त खबरें थीं कि अनुराग बसु की सुपर नेचुरल फिल्म साया में पहले कटरीना कैफ कास्ट होने वाली थीं, लेकिन जॉन अब्राहम के प्रेशर के बाद उन्हें इस फिल्म से रिप्लेस कर दिया गया था। कटरीना इस बात से काफी आहत

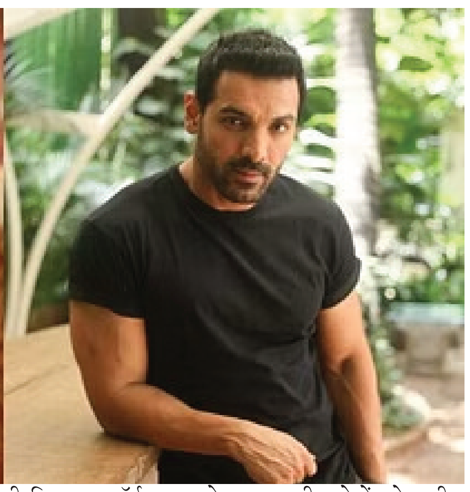

हुई थीं।

कटरीना ने कहा- मेरा करियर चौपट हो गया

सलमान ने तब कहा था, 'कटरीना मेरे पास आकर तीन दिनों तक लगातार रोई थीं। वो कहती थीं कि उनका करियर खत्म हो गया। उन्हें तीन दिन तक मैंने झेला था। तब मैंने कहा कि एक दिन आप बहुत आगे जाओगी।' जाहिर है कि सलमान की ये बात सच साबित हुई और कटरीना आगे चलकर इंडस्ट्री की लीडिंग एक्ट्रेस बनीं।

कटरीना के पास बदला लेने का मौका था

सलमान ने उस इंटरव्यू में ये भी कहा कि ये कटरीना का बड़प्पन था कि उन्होंने जॉन से कभी इस बात का बदला नहीं लिया। सलमान के मुताबिक, 'कटरीना चाहतीं तो जॉन को कबीर खान की फिल्म न्यूयॉर्क से हटवा सकती थीं लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। वो फिल्म आगे चलकर जॉन के करियर की सबसे बड़ी हिट बनी।' हालांकि जब जॉन से इस विवाद के बारे में पूछा गया था तो उन्होंने यही कहा था कि कटरीना को फिल्म न मिल पाने में उनका कोई रोल नहीं है। जॉन का कहना है कि 2003 में वो खुद इंडस्ट्री में नए थे तो वो क्या किसी एक्टर को फिल्म से बाहर निकालेंगे।

सलमान की गर्लफ्रेंड हुआ करती थीं कटरीना

कहा जाता है कि कटरीना को इंडस्ट्री में लाने का श्रेय सलमान खान को ही जाता है। दोनों ने पहली बार 2005 में आई फिल्म 'मैंने प्यार क्यों किया' में काम किया था। इसके बाद ही दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गई थीं। इसके बाद कटरीना के पास एक से एक फिल्मों के ऑफर आने लगे। वो हर दिन शोहरत की बुलंदियों पर चढ़ती गईं। ऐसा लग रहा था कि सलमान और कटरीना शादी भी कर लेंगे। तभी कटरीना की फिल्म अजब प्रेम की गजब कहानी रिलीज हुई।

इस फिल्म के बाद वो रणबीर कपूर के क्लोज आ गईं। हालांकि कहा जाता है कि कटरीना, सलमान के डोमिनेटिंग नेचर से परेशान हो गई थीं। इसी वजह से उन्होंने सलमान का साथ छोड़ दिया। आगे चलकर दोनों का ब्रेकअप हो गया। हालांकि आज भी सलमान और कटरीना काफी अच्छे दोस्त हैं। दोनों ने ब्रेकअप के बाद भी कई फिल्मों में साथ किया है।

शहनाज ने किया खुलासा, बिग बॉस के घर में हुई थीं बॉडी शेमिंग का शिकार

'बिग बॉस 13' फेम शहनाज गिल बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। भाईजान की यह फिल्म 21 अप्रैल को ईद के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म में साउथ की दिग्गज अभिनेत्री पूजा हेगड़े सलमान के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करने वाली हैं।

सलमान खान की तारीफ में कही यह बात

इस बीच शहनाज ने सलमान और बिग बॉस के दिनों के बारे में बातें शेयर की हैं। 'दबंग खान' के बारे में सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सलमान उन्हें अक्सर मोटिवेट करते रहते हैं, उन्होंने हमेशा उनसे कहा है कि तुममें बहुत पोटेंशियल है, तुम अपने उपर काम करोगी तो काफी अच्छा कर सकती हो। वहीं, फिल्म के रिलीज से पहले ही एक्ट्रेस ने यह भी खुलासा किया कि बिग बॉस के घर में वह बॉडी शेमिंग का शिकार हुई थीं। हालांकि, उन्होंने सारी प्रतिक्रियाओं को काफी पॉजिटिव तरिके से लिया और अपने उपर काम भी किया।

विराट अंकल मैं वामिका संग डेट पर जाऊं? प्लेकार्ड को देखकर भड़कीं कंगना ने यूं किया रिएक्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। फिल्मों के अलावा वह वायरल हो रही तस्वीरों-वीडियो पर भी प्रतिक्रिया देती देखी जाती हैं। इसी कड़ी में पंगा क्वीन ने कुछ दिनों पहले हुए आईपीएल मैच के दौरान एक बच्चे के जरिए पकड़े गए प्लेकार्ड पर अपना रिएक्शन दिया है। बच्चे की वायरल तस्वीर के जरिए कंगना उनके पैरेंट्स को ऐसा करवाने के लिए लताड़ लगाती नजर आई हैं।

बीते दिन एमएस धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का एक मैच हुआ। इसी मैच के दौरान, विराट कोहली के लिए प्लेकार्ड पकड़े एक लड़के की तस्वीर ने सोशल मीडिया पर नेटिजन्स का खूब ध्यान खींचा था। प्लेकार्ड पकड़े बच्चे ने विराट कोहली और अनुष्का शर्मा से एक खास रिक्वेस्ट की थी। तख्ती पर लिखा था, 'हाय विराट अंकल। क्या मैं वामिका को डेट पर ले जा सकता हूं?'

भड़कीं कंगना रनौत ने पैरेंट्स की लगा दी क्लास

बच्चे को पकड़ाए गए इसी प्लेकार्ड को देखकर 'क्वीन' कंगना रनौत का गुस्सा फूट पड़ा है। एक्ट्रेस ने बच्चे के पैरेंट्स को आड़े

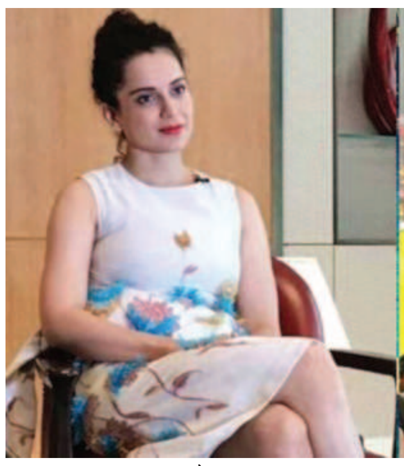

हाथों लेते हुए लिखा है, 'मासूम बच्चों को ये बेहुदा बातें ना सिखाएं, इससे आप मॉडर्न या कूल नहीं अश्लील और फूल लगते हो।' कंगना के जरिए दी गई इस प्रतिक्रिया पर सोशल मीडिया यूजर्स ताबड़तोड़ रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा है, 'बिल्कुल सही बात। ये तो कुछ भी नहीं है आजकल लोग मेट्रो शहर में बच्चे को रेस्त्रां-बार तक ले जा रहे हैं। आंखों देखी बात बता रहा हूं, मैं तो देखकर दंग रह गया था।'

बच्चे की इस वायरल तस्वीर ने सोशल मीडिया को दो गुटों में बांट दिया है। जहां कई लोग इसे 'असंवेदनशील' और 'डरावना' बता रहे हैं। वहीं, कुछ लोग बच्चे को क्यूट बताते नजर आए हैं। एक अन्य यूजर ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है, 'मैं यह कल्पना करके भी कांप जाता हूं कि बच्चे के माता-पिता कितने खौफनाक और असंवेदनशील हैं। बच्चा मासूम दिखता है - अक्सर यह माता-पिता बच्चों को गलत रास्ते पर ले जाते हैं। यह सब कैमरा टाइम के लिए?'

हनी सिंह के खिलाफ किडनैपिंग और मारपीट की शिकायत

मुंबई के बीकेसी पुलिस स्टेशन में विवेक रमन के एक व्यक्ति ने सिंगर और रैपर हनी सिंह के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। विवेक ने हनी सिंह पर किडनैपिंग और मार-पीट का मामला दर्ज कराया है। ये मामला पैसे की लेन-देन से संबंधित है। कहा जा रहा है कि विवेक ने फेस्टिवीना नाम से एक इवेंट रखा था। हनी सिंह इसमें परफॉर्म करने वाले थे। बाद में पैसों की गड़बड़ी के चलते विवेक ने इस कार्यक्रम

को रद्द कर दिया। विवेक का आरोप है कि इसके बाद हनी और उनके साथियों ने उन्हें किडनैप किया और मारपीट की।

विवेक रमन ने आरोप लगाया है कि हनी और उनके लोगों ने मुंबई के सहार में स्थित होटल में बंदी बनाकर रखा जहां उनके साथ मारपीट की गई। विवेक ने इन सभी के खिलाफ FIR दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की है। अभी इस पूरे मामले में हनी सिंह का रिएक्शन आना बाकी है। हनी सिंह का विवादों के साथ हमेशा नाता रहा है। उनके ऊपर आरोप लगते रहे हैं कि वो अपने गानों में अश्लीलता को बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा वो कुछ दिन नशे के चलते इंडस्ट्री से बाहर भी रहे थे। उनकी एक्स वाइफ शालिनी तलवार ने हनी के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया था।

शालिनी ने हनी पर शारीरिक और मानसिक हिंसा का आरोप लगाया था। शालिनी ने आरोप लगाते हुए कहा था कि हनी इंटरनेशनल टूर पर जाने के बहाने दूसरी महिलाओं के साथ अवैध संबंध बनाते हैं। उन्होंने हनी से तलाक के एवज में 10 करोड़ रुपए मांगे थे। हालांकि मामला 1 करोड़ रुपए के एलिमनी के तौर पर जाकर फिक्स हुआ था।

गर्लफ्रेंड के साथ भी हुआ ब्रेकअप

हनी पिछले एक साल से मॉडल टीना थडानी को डेट कर रहे थे। हालांकि अब दोनों का ब्रेकअप हो गया है। दोनों ने ब्रेकअप के बाद एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो किया और साथ ही फोटोज भी डिलीट कर दी। जनवरी 2023 में हनी सिंह ने पब्लिक इवेंट में टीना को अपनी गर्लफ्रेंड के तौर पर इंट्रोड्यूस कराया था। हालांकि अप्रैल आते-आते दोनों अलग हो गए।

लाइव कॉन्सर्ट में हनी ने किए अश्लील इशारे

अभी तीन दिन पहले हनी सिंह का रायपुर में लाइव कॉन्सर्ट हुआ। वहां उन्होंने स्टेज से आपत्तिजनक शब्द बोले और लोगों की ओर माइक कर उनसे भी अश्लील शब्द बोलने को कहा। हनी खुद उंगलियों से ऐसे इशारे करते रहे जिन्हें साइन लैंग्वेज में गाली के तौर पर देखा जाता है।

आराध्या बच्चन की याचिका पर कोर्ट में हुई सुनवाई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को समन जारी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की पोती और अभिषेक व ऐश्वर्या की बेटी हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। आराध्या बच्चन कई बार ट्रोल्स के निशाने पर भी रहती हैं। बीते दिनों उन्होंने दो यूट्यूब चैनल और वेबसाइट के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई की है। कोर्ट ने कहा है कि किसी भी शख्स खासतौर से बच्चों की छवि को सोशल मीडिया पर नुकसान पहुंचाना एक गंभीर मामला है। इस मामले में कोर्ट ने चेतावनी दी है कि इस तरह की फर्जी खबरें भविष्य में साझा नहीं की जानी चाहिए।

कोर्ट ने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को निर्देश दिया है कि किसी भी हाल में ऐसी जानकारियां लोगों तक न पहुंचे जो किसी की छलि का नुकसान करती हों। कोर्ट ने ऐसे वीडियो और जानकारी फैलाने पर अंतरिम रोक लगा दी है और साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को समन भी जारी किया

है।

कोर्ट ने गूगल और यूट्यूब चैनल को तलब किया और उनसे पूछा कि क्या उन्होंने आईटी नियमों में संशोधन के अनुसार अपनी नीति में बदलाव किया है। कोर्ट ने यूट्यूब वीडियो पर आपत्ति जताते हुए कहा कि हर बच्चे को सम्मान और गरिमा के साथ जीने का अधिकार है और इस तरह की फेक न्यूज को रोकना प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी है।

बता दें कि अमिताभ बच्चन की पोती अपने स्वास्थ्य के बारे में 'फर्जी खबर' की रिपोर्टिंग करने के लिए एक यूट्यूब टैब्लॉयड के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया था। 11 साल की बच्ची ने नाबालिग होने के कारण मीडिया द्वारा इस तरह की रिपोर्टिंग के खिलाफ निषेधाज्ञा मांगी है।

आराध्या बच्चन हमेशा सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बनी रहती हैं। कभी अपनी ड्रेसिंग सेंस तो कभी लुक्स को लेकर वह ट्रोल भी होती रहती हैं। बीते दिनों अभिषेक बच्चन अपनी बेटी के बारे में कुछ बातें सुनकर गुस्से पर कंट्रोल नहीं कर पाए थे। बॉब बिस्वास के प्रमोशन के दौरान, गुस्से में अभिषेक ट्रोल्स पर जमकर बरसे भी थे।

हॉलीवुड एजेंसी संग संजय लीला भंसाली ने की डील, विदेशी धरती पर दिखाएंगे अपनी 'लीला'

हिंदी सिनेमा के कई सितारे बॉलीवुड के अलावा हॉलीवुड में भी अपना परचम लहरा रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा इसका एक बेहतरीन उदाहरण हैं। उनकी वेब सीरीज सिटाडेल 28 अप्रैल पर अमेजॉन प्राइम पर रिलीज होने वाली है। वहीं बीते दिनों आरआरआर की सफलता के बाद राजामौली ने भी हॉलीवुड में काम करने की इच्छा जताई थी। अब खबर आ रही है कि संजय लीला भंसाली भी हॉलीवुड की तरफ रुख कर रहे हैं। रिपोर्टस के अनुसार संजय लीला भंसाली के भंसाली प्रोडक्शन बैनर ने हॉलीवुड एजेंसी डब्ल्यूएमई के साथ डील की है।

संजय लीला भंसाली का देश ही नहीं बल्कि विदेशों में जलवा है। उनकी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को भी विदेशों में खूब पसंद किया गया था। वहीं उनकी फिल्म देवदास को कान फिल्म फेस्टिवल के प्रीमियर के

बाद सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा की कैटेगरी में बाफ्टा के लिए भी नॉमिनेट किया गया था। भंसाली की गंगूबाई ने बर्लिन फिल्म फेस्टिवल में भी परचम लहराया था।

भंसाली की ख्याति सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है बल्कि गंगूबाई को ओटीटी पर भी सबसे ज्यादा बार देखा गया है। वहीं आलिया भट्ट को भी विदेशी धरती पर खूब तारीफ मिली है। बता दें कि इन दिनों संजय लीला भंसाली अपनी बहुचर्चित वेब सीरीज हीरा मंडी को लेकर चर्चा में हैं। इस वेब सीरीज में मनीषा और अदिति के अलावा हुमा कुरैशी और ऋचा चड्ढा भी अहम भूमिकाओं में हैं।

यह सीरीज लेखक मोइन बेग की कहानी पर बन रही है। इस फिल्म में कई गाने हैं। नेटफ्लिक्स के लिए हीरा मंडी बहुत खास है। इसे बनाने के लिए नेटफ्लिक्स ने भंसाली की कंपनी को 200 करोड़ रुपये दिए हैं, जिसमें से सिर्फ 70 करोड़ रुपये संजय लीला भंसाली की फिल्म है।

पिछले साल सितंबर में एसएस राजामौली ने भी अमेरिकी टैलेंट एजेंसी क्रिएटिव आर्टिस्ट्स एजेंसी से हाथ मिलाया था। राजामौली की दुनियाभर में लोकप्रियता को देखते हुए एजेंसी ने राजामौली को साइन किया था। इसके बाद से ही राजामौली की हॉलीवुड फिल्म की चर्चा होती रहती है।

2023 में इन 8 बैंकों का लाइसेंस हुआ रद्द

114 पर लगा जुर्माना, जानिए आरबीआई ने क्यों लिया एक्शन

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023 के दौरान कई को-ऑपरेटिव बैंकों पर कड़ा एक्शन लिया। रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023 के दौरान 8 बैंकों का लाइसेंस रद्द करने के साथ ही 114 बैंकों पर भारी जुर्माना भी लगाया।

को—ऑपरेटिव बैंक देश के ग्रामीण क्षेत्र और नगरी क्षेत्रों में बैंक सुविधाएं पहुंचाने में बड़ी भुमिका निभा चुके हैं। हालांकि वर्तमान समय में ये बैंक आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। इसके अलावा इन बैंकों के साथ कई और समस्याएं जुड़ी हुई हैं। वहीं आरबीआई नियमों का पालन नहीं करने वाले बैंकों पर कार्रवाई कर रहा है।

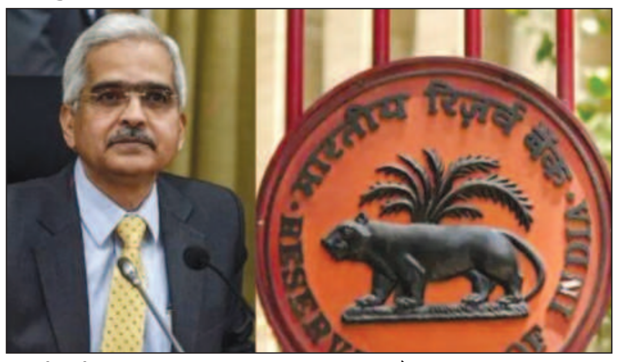

किन आठ बैंकों पर हुई कार्रवाई

रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023 में जिन आठ बैंकों पर कार्रवाई की है, उसमें मुधोल सहकारी बैंक, मिथल सहकारी बैंक, श्री आनंद सहकारी बैंक, रुपया सहकारी बैंक, डेक्कन सहकारी बैंक, लक्ष्मी सहकारी बैंक, सेवा विकास सहकारी बैंक और बाबाजी दाते महिला शहरी बैंक शामिल हैं।

क्यों किया गया इन बैंकों का लाइसेंस रद्द

इन बैंकों का लाइसेंस रद्द करने के पीछे इनके पास पर्याप्त पूंजी की कमी, रेगुलेटर एक्ट के तहत कानूनी नियमों के पालन करने में विफलता और भविष्य में कमाई की संभावना के कमी के कारण ये फैसला लिया गया है। इससे पहले आरबीआई ने वित्त वर्ष 2022 में 12 बैंकों का लाइसेंस रद्द कर चुका था। वहीं 2021 के दौरान तीन बैंक और साल 2020 के दौरान दो सहकारी बैंकों को कारोबार बंद करने का आदेश दिया था।

114 बैंकों पर कितना लगा जुर्माना

आरबीआई किसी भी बैंक का लाइसेंस रद्द करने से पहले कई बार जुर्माना लगाकर बैंक को चेतावनी देता है। हालांकि अगर फिर बैंक द्वारा नियमों का पालन नहीं किया जाता है या फिर कमाई की संभावना नहीं बढ़ती है तो उसका लाइसेंस सस्पेंड कर दिया जाता है।

आरबीआई ने 114 में से प्रत्येक बैंकों पर 50 हजार से लेकर 5 लाख तक का जुर्माना लगाया है।

तीन दिनों से लगातार गिरावट पर लगी ब्रेक

पर मामूली तेजी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। तीन दिनों की लगातार गिरावट के बाद भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में बंद हुआ है. हालांकि ये तेजी बेहद मामूली है. इससे पहले बाजार में पूरे दिन भारी उठापटक देखने को मिली थी. बैंकिंग शेयरों में खरीदारी के चलते बीएसई सेंसेक्स 64 अंकों की तेजी के साथ 59,632 अंक तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 6 अंकों की मामूली तेजी के साथ 17,624 अंकों पर बंद हुआ है।

मस्क ने माइक्रोसॉफ्ट को धमकी क्यों दी

दरअसल, ट्विटर ने लगभग दो महीने घोषणा की थी कि उसके एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस यूजर्स को कम से कम $ 42 हजार डॉलर प्रति माह चार्ज देना होगा। इसके बाद माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी प्रोग्रामिंग के लिए एपीआई के शुल्क का भुगतान करने से इनकार कर दिया था।

माइक्रोसॉफ्ट ने ट्विटर को अपने विज्ञापन प्लेटफॉर्म से हटाया

इसके बाद माइक्रोसॉफ्ट ने ट्विटर को अपने विज्ञापन प्लेटफॉर्म से हटाने की बात भी कही थी। कंपनी ने कहा था कि विज्ञापन के लिए उसका सोशल मीडिया प्लानिंग और शेड्यूलिंग टूल अब ट्विटर को सपोर्ट नहीं करेगा। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा था कि 25 अप्रैल से यूजर्स ट्वीट और ड्राफ्ट जैसे काम नहीं कर पाएंगे। वह पिछले ट्वीट्स और अटेचमेंट्स भी नहीं देख पाएंगे। माइक्रोसॉफ्ट की ये स्मार्ट कंपंसेशन सर्विस विज्ञापनदाताओं को फेसबुक, इन्सटाग्राम और लिंक्डइन की सर्विसेस पर सोशल मीडिया कैम्पैन मैनेज करने में मदद करती है।

मस्क का आरोप

इस सबके बाद मस्क ने माइक्रोसॉफ्ट पर उसके आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल चैटजीपीटी को प्रशिक्षित करने के लिए ट्विटर के डेटा का अवैध रूप से यूज करने का आरोप लगाया। माइक्रोसॉफ्ट ओपीएनएआई के सबसे बड़े निवेशकों में से एक थे। वे 2018 में कंपनी से अलग हो गए थे। ओपीएनएआई मस्क द्वारा सह-स्थापित एक एआई अनुसंधान प्रयोगशाला है। माइक्रोसॉफ्ट की ओर से मस्क के आरोप के बाद कोई टिप्पणी नहीं आई है।

मस्क कई मौकों पर ओपीएनएआई की आलोचना कर चुके हैं मस्क

फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में मस्क ने ओपीएनएआई पर एआई को झूठ बोलने की ट्रेनिंग देने का आरोप लगाते हुए आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि ओपीएनएआई अब केवल मुनाफे के लिए 'क्लोज्ड सोर्स' वाला प्लेटफार्म बन गया है।

डोलो650 बेचकर इस कारोबारी ने खरीदा 66 करोड़ का घर, बना नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। दवा कंपनी माइक्रो लैब्स लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक दिलीप सुराना ने नया घर खरीदकर सबसे महंगी प्रॉपर्टी डील का रिकॉर्ड बना दिया है. उन्होंने यह घर आईटी कैपिटल बेंगलुरू में खरीदा है. माइक्रो लैब्स एमडी की इस प्रॉपर्टी में एक भूखंड शामिल है, जिसमें एक बंगला भी बना हुआ है.सेल डीड डॉक्यूमेंट्स के अनुसार, दिलीप सुराना ने यह डील 66 करोड़ रुपये में की है, जो इसे इस कैटेगरी में संभवतः सबसे बड़ी डील बनाता है. यह प्रॉपर्टी कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू के फेयर फील्ड लेआउट एरिया में स्थित है, जिसे पहले रेस कोर्स रोड नाम से जाना जाता था. इस सौदे में 12,043.22 स्क्वेयर फीट का भूखंड और 8,373.99 स्क्वेयर फीट का बंगला शामिल है.सुराना ने यह प्रॉपर्टी जीजी राजेंद्र कुमार, उनकी पत्नी साधाना राजेंद्र कुमार और मनु गौतम से खरीदी है. रियल एस्टेट डेटा एनालिटिक्स फर्म सीआरई मैट्रिक्स के द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, सुराना ने इसके लिए 3.36 करोड़ रुपये से ज्यादा की स्टाम्प ड्यूटी का भुगतान किया है. सुराना के पास पहले से ही फेयर फील्ड लेआउट एरिया में एक रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी है.आपको बता दें कि में किए गए एक ऐलान ने फरवरी और मार्च महीने में लग्जरी घरों की बिक्री तेज कर दी. सरकार ने बजट में प्रस्ताव किया था कि आवासीय प्रॉपर्टी में निवेश पर कैपिटल गेन से डिडक्शन को 10 करोड़ रुपये पर सीमित किया जाएगा. यह प्रस्ताव 01 अप्रैल से लागू हुआ है. इसी कारण बदलाव के अमल में आने से पहले फरवरी और मार्च महीने के दौरान लग्जरी घरों की बिक्री तेज हुई है.दवा कंपनी माइक्रो लैब्स का मुख्यालय भी बेंगलुरू में ही है. यह कंपनी फार्मास्यूटिकल फॉर्मूलेशंस और एक्टिव फार्मास्यूटिकल इनग्रेडिएंट्स बनाती है. इसके साथ ही कंपनी इन उत्पादों का वितरण भी करती है. यह कंपनी कोरोना महामारी के दौरान काफी चर्चा में रही थी. कंपनी के पैरासिटामोल ब्रांड डोलो650 की महामारी के दौरान खूब बिक्री हुई थी. कंपनी की स्थापना दिलीप सुराना के पिता जीसी सुराना ने 1973 में चेन्नई में की थी।

विप्रो के कर्मचारियों की मुसीबत, पहले घटी सैलरी

अब नौकरी बचाने के लिए देना होगा टेस्ट

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। आईटी सेक्टर की नौकरियों को ड्रीम जॉब माना जाता रहा है। आज भी यह सेक्टर नौकरी और करियर में ग्रोथ के शानदार मौके मुहैया करा रहा है, लेकिन मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों ने इसे गहरे तक प्रभावित किया है। इसी कारण एक ओर दिग्गज कंपनियां भी छंटनी और सैलरी में कटौती का सहारा ले रही हैं, वहीं दूसरी ओर नौकरियों के नई मौकों में गिरावट आई है। इन सब के बीच विप्रो ने एक अजीब कदम उठाया है, जिससे फ्रेशर्स की परेशानियां बढ़ गई हैं।कई भारतीय आईटी कंपनियों के बारे में ऐसी खबरें हैं कि वे फ्रेशर्स को ऑनबोर्ड कराने में देरी कर रही हैं। कुछ मामलों में तो फ्रेशर्स को सेलेक्शन के बाद 1-2 साल से भी ज्यादा समय बीत गए हैं, लेकिन अब तक उनकी ऑनबोर्डिंग नहीं हो पाई है। विप्रो भी वैसी कंपनियों में एक है, जहां ऑनबोर्डिंग में काफी देरी चल रही है।

अब विप्रो ने ऑनबोर्डिंग का इंतजार कर रहे फ्रेशर्स के सामने एक नई शर्त रख दी है। विप्रो में फ्रेशर्स को अब एक नई ट्रेनिंग से गुजरना होगा। उसके बाद कंपनी सभी का टेस्ट लेगी। जो लोग टेस्ट को पास करेंगे, उन्हें ऑनबोर्ड किया जाएगा, जबकि बाकियों को छांट दिया जाएगा। विप्रो ने यह नया कदम ऐसे समय उठाया है, जब वह पहले ही फ्रेशर्स की सैलरी को लगभग आधा कर चुकी है। कंपनी ने फ्रेशर्स की सैलरी को इसी साल फरवरी में 6.5 लाख सालाना से घटाकर 3.5 लाख रुपये कर दिया है। कंपनी ने नई ट्रेनिंग की शर्त तब जोड़ी है, जबकि ऑनबोर्डिंग का इंतजार कर रहे फ्रेशर्स पहले ही एक ट्रेनिंग को पूरा कर चुके हैं।

ऐसे ही प्रभावित फ्रेशर ने बताया है कि उसे पहले ही वेलोसिटी ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

ईडी ने रियल एस्टेट कारोबारी के खिलाफ की कार्रवाई

119 बैंक खाते-लग्जरी वाहन और बीमा पॉलिसी जब्त

पटना, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिहार की एक रियल एस्टेट कंपनी के प्रमोटरों के खिलाफ छापा मारकर मनी लॉन्ड्रिंग रोधी कानून के तहत 119 बैंक खाते, दो लक्जरी वाहन और कुछ बीमा पॉलिसियां जब्त की हैं। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अग्रणी होम्स प्राइवेट लिमिटेड, उसके सीएमडी आलोक कुमार सिंह, विजया राज लक्ष्मी, अलका सिंह, राणा रणवीर सिंह के साथ एक प्रमुख कर्मचारी सात्विक सिंह और चार्टर्ड अकाउंटेंट निशात श्रीवास्तव के पटना, वाराणसी, लखनऊ और दिल्ली स्थित करीब आठ ठिकानों पर 18 अप्रैल को छापेमारी शुरू की गई थी। ईडी ने आरोप लगाया है कि अग्रणी समूह की कंपनियों और उसके निदेशक ने संभावित घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी की है और उनकी जमा राशि/निवेश को अवैध रूप से उनके निजी नाम पर या अन्य कंपनियों के नाम पर संपत्ति हासिल करने के लिए डायवर्ट किया है। कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत दर्ज धनशोधन का मामला बिहार पुलिस की ओर से दर्ज कम से कम आठ प्राथमिकियों से संबंधित हैं।

हर दिन करोड़ों की कमाई करते हैं एप्पल के सीईओ टिम कुक जानिए कितनी है कुल दौलत

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। एप्पल ने मंगलवार यानी 18 अप्रैल 2023 को भारत में पहला अधिकारिक रिटेल स्टोर ओपन कर दिया है। इसके अलावा दिल्ली में भी एक रिटेल स्टोर खोला गया है। मुंबई का रिटेल स्टोर ब्रांड कुर्ला कॉम्प्लेक्स जियो वर्ल्ड ड्राइव मॉल में खोला गया है जबकि दिल्ली का स्टोर साकेत सिटी वॉक मॉल की ओपनिं कंपनी के सीईओ टिम कुक ने की है। दिल्ली और मुंबई स्टोर का किराया लगभग समान है, लेकिन दिल्ली का स्टोर मुंबई के स्टोर से आधे से भी छोटा है। दिल्ली स्टोर के इनोग्रेशन से पहले एप्पल सीईओ टिम कुक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। इसके अलावा, टिम कुक रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव और डिप्टी आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेयर से भी मिले। वहीं मुंबई के रिटेल स्टोर की लॉचिंग से पहले मुंबई में टिम कुक माधुरी दीक्षीत, अरमान मलिक, अनिल कुंबले जैसे हस्तियों से मिल चुके थे। एक बिजनेस मीट के दौरान टिम कुक मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया भी पहुंचे थे।

कितने दौलत के मालिक हैं टिम कुक

फोर्ब्स की अरबपति लिस्ट के मुताबिक, 62 साल के टिम कुक की दौलत 1.8 अरब डॉलर यानी 14 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा है। साल 2022 के दौरान कुक को 99.4 मिलियन डॉलर या 815 करोड़ रुपये की राशि मिली थी, जिसमें 3 मिलियन डॉलर की सैलरी भी शामिल है। इसके अलावा 83 मिलियन डॉलर स्टॉक अवार्ड और बोनस भी मिला था। यह 2021 में मिली रकम से ज्यादा थी। 2021 के दौरान इन्हें 98.7 मिलियन डॉलर मिले थे।

हर दिन कितना कमाते हैं टिम कुक

हालांकि 2023 में इनकी इनकम में कटौती हुई है और 49 मिलियन डॉलर या 401 करोड़ रुपये टोटल कंम्पनसेशन है। इस हिसाब से आईफोन मेकर कंपनी के सीईओ की हर दिन की कमाई 1.10 करोड़ रुपये से ज्यादा है। साल 2026 में टिम कुक रिटायर्ड हो जाएंगे। कंपनी रिस्ट्रिक्ट स्टॉक में भी कटौती करने का प्लान कर रही है।

टीडीएस से बढ़ रही है सरकार की कमाई मददगार साबित हुआ यह उपाय

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बुनियादी संरचना पर बढ़ते खर्च और तेजी से वृद्धि करती अर्थव्यवस्था की अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकारी खजाने पर दबाव लगातार बढ़ा है। इस दबाव को कम करने के लिए केंद्र सरकार कमाई बढ़ाने के तमाम प्रयास कर रही है और इन्हीं प्रयासों के तहत टीडीएस से राजस्व संग्रह पर खास जोर है। पिछले कुछ सालों के दौरान इस मोर्चे पर सरकार को सफलता भी मिली है। आंकड़े इसकी गवाही देते हैं कि टीडीएस से सरकार की कमाई बढ़ रही है। आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान सरकार को 6.34 लाख करोड़ रुपये की कमाई हुई। यह कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह का लगभग 39 फीसदी रहा, जो एडवांस टैक्स पेमेंट से हासिल हुए 7 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े के काफी करीब है। कुछ साल पहले के आंकड़े की तुलना में इसे देखें तो कमाई में बढ़ोतरी का सही अंदाजा लगता है। वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान सरकार को टीडीएस से महज 2।59 लाख करोड़ रुपये मिले थे, जो कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह का 32 फीसदी था। इसका मतलब हुआ कि बीते सात साल के दौरान टीडीएस से सरकार की कमाई में करीब 2।5 गुणे की तेजी आई है।सरकार ने टीडीएस को लेकर प्रावधानों को सख्त किया है। सरकार ने टैक्स कलेक्शन और खजाने में उसे जमा करने के लिए एकल पार्टी को जिम्मेदार बनाया है। इसका फायदा भी हो रहा है और टीडीएस को लेकर नियमों का अनुपालन बेहतर हुआ है। इसी कारण कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह में टीडीएस से हुई कमाई का अनुपात वित्त वर्ष 2014-15 के 32 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 39 फीसदी पर पहुंचा है।

नौकरीपेशा लोगों के लिए 15 जून तक आएगा फॉर्म 16

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। अगर आप नौकरी करते हैं तो आपको इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने के लिए अभी इंतजार करना होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि नियोक्ता कर्मचारियों का फॉर्म 16 (फार्म 16) 15 जून तक ही जारी करेंगे। इस वजह से नौकरीपेशा लोग 15 जून के बाद ही आईटीआर दाखिल कर पाएंगे। वेतनभोगी लोगों 31 जुलाई तक अपनी रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। नियोक्ता के लिए 15 जून या इससे पहले कर्मचारियों के फॉर्म 16 जारी करना होता है। फिलहाल इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के ई-फाइलिंग पोर्टल पर सैलरीड टैक्सपेयर्स के लिए असेसमेंट ईयर 2023-24 की आईटीआर दाखिल करने का ऑप्शन ओपन नहीं हुआ है। फॉर्म 16 कंपनियां अपने कर्मचारियों को जारी करती हैं। यह कर्मचारी की सैलरी से काटे गए टीडीएस को सर्टिफाई करता है। इससे यह भी पता चलता है कि कंपनी ने टीडीएस काटकर सरकार को दे दिया है। फॉर्म-16 फॉर्म के दो हिस्से होते हैं। पार्ट ए और पार्ट बी। पार्ट ए में संस्थान का टीएएन, उसका और कर्मचारी का पैन, पता, एसेसमेंट ईयर, रोजगार की अवधि और सरकार को जमा किए गए टीडीएस का संक्षिप्त ब्योरा होता है।

अक्षय तृतीया से पहले महंगा हुआ सोना

आपके शहर में कितनी हुई पीली धातु की कीमत

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। इस बार अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को पड़ेगा। इससे पहले ही ग्लोबल और भारतीय मार्केट में सोने के दाम में तेजी आ गई है। कमोडिटी मार्केट में सोना 60 हजार के पार कारोबार कर रहा है। वहीं दूसरी ओर पिछले कुछ दिनों से चांदी में भी उछाल दर्ज हुई है। हालांकि आप चांदी की कीमत में गिरावट आई है, लेकिन फिर भी ये 75 हजार के ऊपर स्तर पर है। एमसीएक्स पर आज यानी 20 अप्रैल 2023 को सोना जून वायदा के लिए 60340 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था, जिसका दिन का हाई लेवल 60349 रुपय्र प्रति 10 ग्राम और लो लेवल 60157 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा है। एमसीएक्स पर गोल्ड में 09 फीसदी या 52 रुपये की तेजी आई है। चांदी की बात करें तो यह 02 फीसदी या 13 रुपये के कमी के साथ 75459 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रहा था। इसका दिन का हाई लेवल 75512 रुपये और लो लेवल 75011 रुपये प्रति किलो रहा है। अगर आप गोल्ड की खरीदारी करने जा रहे हैं तो आज रिटेल मार्केट में सोने के दाम में गिरावट आई है। भारत के कई शहरों में सोना सस्ता हुआ है। इतना ही नहीं सिल्वर के दाम में भी कमी देखी जा रही है। आइए जानते हैं किन-किन

शहरों में सोना चांदी सस्ता हुआ है और कितना? दिल्ली में 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने का दाम 230 रुपये की कमी के साथ 61,280 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। मुंबई में 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने का रेट 220 रुपये की गिरावट के साथ 60,930 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। कोलकाता की बात करें तो यहां 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने के दाम 220 रुपये की गिरावट के साथ 60,930 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। चेन्नई में 24 कैरेट गोल्ड के दाम में 160 रुपये की गिरावट हुई है। यहां 10 ग्राम सोने का रेट 61640 रुपये है। लखनऊ में 24 कैरेट गोल्ड का दाम में 230 रुपये की कमी आई है और 10 ग्राम सोना 61080 रुपये पर बिक रहा है।

पटना में 24 कैरेट सोना के रेट 220 रुपये कम होकर 60,980 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष में	मेष--	05-38 बजे
चंद्र-	मेष में	वृष--	07-23 बजे
मंगल	मिथुन में	मिथुन..	09-24 बजे
बुध-	मेष में	कर्क...	11-36 बजे
गुरु-	मीन में	सिंह...	13-48 बजे
शुक्र-	वृष में	कन्या..	15-56 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	18-01 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	20-10 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	22-24 बजे
		मकर..	00-30 बजे
		कुंभ...	02-21 बजे
		मीन ..	04-00 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् -**1945**, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- **ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् -**2549**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
सूर्योदय- 06-00
सूर्य अस्त- 18-29
कलियुग संवत् -**5124** वर्ष,
कल्पारभ संवत् -**1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकल
तिथि- प्रतिपदा - **08 -28** तक उपरान्त द्वितीया
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष , शुक्रवार **April 21**
नक्षत्र - भरणी - **22- 59** - तक उपरान्त कृत्तिका
योग - प्रीति - **10 - 58** - तक उप - आयुष्मान
करण- बव - **09 - 42** - तक उप- बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - पराशर ऋषि जं.

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
10:41 से
12:15 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:00 - 07:32	शुभ	रोग.	18:29 - 19:58	अशुभ
लाभ	07:32 - 09:06	शुभ	काल.	19:58 - 21:23	अशुभ
अमृत	09:06 - 10:41	शुभ	लाभ	21:23 - 22:49	शुभ
काल.	10:41 - 12:15	अशुभ	उत्पात	22:49 - 00:15	अशुभ
शुभ.	12:15 - 13:49	शुभ	शुभ	00:15 - 01:40	शुभ
रोग	13:49 - 15:24	अशुभ	अमृत.	01:40 - 03:06	शुभ
उत्पात	15:24 - 16:58	अशुभ	चंचल.	03:06 - 04:31	शुभ
चंचल	16:58 - 18:29	शुभ	रोग	04:31 - 06:00	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): वाहन चलाते समय ध्यान रखें। लंबे समय से आपने जो पैसा बचाया था, वह आज काम आ सकता है। हालांकि, खर्च आपके मनोबल को कम कर सकता है। आकस्मिक परिचितों से अपने निजी मामले साझा न करें। वैचारिक मतभेद के कारण निजी संबंध टूट सकते हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपकी आत्मविश्वासपूर्ण अपेक्षाएं आपकी आशाओं और इच्छाओं की प्राप्ति का द्वार खोलती हैं। इस राशि के कुछ जातकों को आज संतान के माध्यम से आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व होगा।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,): आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा इसलिए अपने अच्छे स्वास्थ्य के लिए लंबी सैर पर निकलें। पैसों का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से निजात दिला सकता है। आपके फ़ैसले में माता-पिता का सहयोग आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगा। लव लाइफ उम्मीद लेकर आती है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): कोई आपका मूड खराब कर सकता है लेकिन इन झुंझलाहटों को खुद पर हावी न होने दें। ये अनावश्यक चिंताएँ और चिंताएँ आपके शरीर पर निराशाजनक प्रभाव डाल सकती हैं और त्वचा की समस्या पैदा कर सकती हैं। आपके ख़र्चे आपके बजट से अधिक हो सकते हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास व्यक्ति से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। अप्रत्याशित बिल आर्थिक बोझ बढ़ाएंगे। परिजनों के बीच पैसों के मामले में विवाद होने की संभावना है। आपको परिवार के सभी सदस्यों को वित्त और नकदी प्रवाह के बारे में स्पष्ट रहने की सलाह देनी चाहिए।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,): आपका मजबूत लचीलापन और निडरता मानसिक संकायों की शक्ति को जबरदस्त रूप से बढ़ाएगी। इस गति को जारी रखें ताकि यह आपको किसी भी स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए प्रोत्साहित करे। धन लाभ आपकी उम्मीद के अनुरूप नहीं रहेगा। पुराने संपर्कों और संबंधों को पुनर्जीवित करने के लिए दिन अच्छा है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): स्वास्थ्य समस्या के कारण किसी महत्वपूर्ण कार्य में जाने में असमर्थता के कारण कुछ असफलताओं का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन आपको प्रेरित करने के लिए अपने तर्क का उपयोग करें। लंबी अवधि के नजरिए से निवेश करना चाहिए। आज आप अपने घर में और उसके आसपास कुछ बड़े बदलाव कर सकते हैं।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,): आपका आकर्षक व्यवहार ध्यान आकर्षित करेगा। कुछ महत्वपूर्ण योजनाएं क्रियान्वित होंगी जिससे आपको नए वित्तीय लाभ होंगे। अगर आप उन चीज़ों पर पैसा ख़र्च करेंगे जिनकी आपको तुरंत ज़रूरत नहीं है तो आप अपने जीवनसाथी को नाराज़ करेंगे। आज आप किसी दिल को टूटने से रोक लेंगे।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे): किसी मित्र का ज्योतिषीय मार्गदर्शन आपको अपने स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। जिन लोगों को आप जानते हैं उनके माध्यम से आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। घर में वाद-विवाद और असहमति के कारण कुछ तनावपूर्ण क्षण हो सकते हैं।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी): अपने विचार और ऊर्जा को उस ओर मोड़ें जो आप भौतिक वास्तविकता में देखना चाहते हैं। केवल इमेजिंग का कोई मतलब नहीं है। आपके साथ अब तक की समस्या यह है कि आप कोशिश नहीं करते बल्कि केवल इच्छा करते हैं। आज धन की लगातार निकासी होती रहेगी और धन संचय करने में आज आपको दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,): किसी मित्र के साथ मतभेद आपको गुस्सैल बना सकता है। अनावश्यक तनाव से बचने के लिए आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए। अगर आप विद्यार्थी हैं और विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर में आर्थिक तंगी आज आपको परेशान कर सकती है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): ध्यान से राहत मिलेगी। आज आपको अपना पैसा खर्च करने की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि घर का कोई बड़ा आपके पैसों में आपकी मदद कर सकता है। आपको अपना खाली समय बच्चों के साथ आनंद लेने में बिताना चाहिए- भले ही ऐसा करने के लिए आपको अपने रास्ते से हटना पड़े।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

कर्नाटक को छोड़ दक्षिण में हिंदी विरोध तेज

दक्षिण की चिंता 2026 के परिसीमन में घटेंगे सांसद, गुस्सा हिंदी पर निकल रहा

बैंगुलूरू, 20 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के मुहाने पर खड़ा है। प्रत्याशियों के नामांकन का दिन बीत चुका है। चुनाव प्रचार पूरे जोरों पर है मगर एक मुद्दे पर उतनी चर्चा नहीं हो रही जितनी अक्सर दक्षिण भारतीय राज्यों के चुनावों में होती है।

हिंदी विरोध का मुद्दा

पिछले ही साल केंद्रीय विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों में अंग्रेजी के बजाय हिंदी के इस्तेमाल की संसदीय समिति की सिफारिश के बाद पूरे दक्षिण भारत में विरोध के स्वर उठने लगे थे। इसके बाद अमूल दही के पैकेट पर हिंदी में लिखा 'दही' भी विरोध का की एक वजह बना। विरोध को शांत करने के लिए ही कर्नाटक की भाजपा सरकार आनन-फानन में कन्नड़ लैंग्वेज कॉम्प्रिहेंसिव बिल भी पारित कर दिया। अब सत्तारूढ़ नेता इस मुद्दे पर पूरी तरह खामोश हैं, हिंदी का विरोध खुलकर यहां चुनावी मुद्दा नहीं बन पाया है और राष्ट्रीय मीडिया में भी इसे चुनावी मुद्दा नहीं माना जाता। मगर विशेषज्ञ मानते हैं कि उत्तर और दक्षिण के टकराव का ये मुद्दा अभी भले ही राष्ट्रीय स्तर पर किसी को बढ़ता न दिखे लेकिन 2026 में ये विस्फोटक रूप ले सकता है। 2026 में लोकसभा सीटों का परिसीमन होना है। दक्षिण भारतीय राज्यों को आशंका है कि आबादी के हिसाब से सीटें तय होने की वजह से संसद में उनका प्रतिनिधित्व घटना तय है।

उनकी शिकायत ये है कि डेमोग्राफिक से लेकर इंडस्ट्रियल तक विकास के हर पैमाने पर बेहतर स्थिति में होने के बावजूद नहीं बल्कि बेहतर होने की वजह से उनका प्रतिनिधित्व घटा दिया जाएगा और ये किसी को मंजूर नहीं।

आज जानते हैं कि क्यों दक्षिण भारत को है हिंदी से शिकायत और क्या वाकई में नॉर्थ इंडिया से बेहतर होने की वजह से उन्हें नुकसान होने वाला है

सबसे पहले समझिए, उत्तर और दक्षिण की परिभाषा

इंडियन पेनिन्सुला यानी भारतीय प्रायद्वीप के 5 राज्य कहलाते हैं साउथ इंडिया। भारत के नक्शे पर प्रायद्वीपीय इलाका यानी अरब सागर, हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी से घिरे भारतीय भूभाग को साउथ इंडिया यानी दक्षिण भारत माना जाता है। इसमें आज 5 राज्य आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल शामिल हैं। ब्रिटिश इंडिया में इन्हीं राज्यों और ओडिशा के कुछ हिस्से को मिलाकर ही मद्रास प्रेसिडेंसी बनाई गई थी। भाषाई आधार पर देखा जाए तो भारत की 6 क्लासिकल भाषाओं में से 4 यानी तमिल, तेलगु, कन्नड़ और मलयालम इन्हीं राज्यों में बोली जाती हैं। इसके अलावा दो क्लासिकल भाषाएं संस्कृत और उड़िया हैं।

नॉर्थ इंडिया यानी उत्तर भारत की जियोग्राफिकल परिभाषा और पब्लिक परसेप्शन में खासा अंतर दिखता है। भौगोलिक परिस्थितियों के हिसाब से लद्दाख से लेकर मध्य भारत में झारखंड तक का पूरा इलाका नॉर्थ इंडिया में आता है। लेकिन आम धारणा यही है कि हिंदी भाषी राज्यों को उत्तर भारत में गिना जाता है। इनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड और हरियाणा शामिल हैं। राजस्थान का काफी इलाका भारत की पश्चिमी सीमा का बड़ा हिस्सा बनाता है, मगर फिर भी आम धारणा में इसे पश्चिमी राज्य के बजाय उत्तर भारत में गिना जाता है। पंजाब, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर भाषाई अंतर के कारण उत्तर भारत में तो अलग देखे जाते हैं, लेकिन दक्षिण भारतीय राज्यों के जनमानस में ये भी उत्तर भारत का ही हिस्सा है। अब जानिए दक्षिण भारत में हिंदी के विरोध का इतिहास और इस समस्या की जड़।

आजादी के बाद भाषा के नाम पर दूरी और ज्यादा बढ़ी

जब भारतीय संविधान बन रहा था, उस समय एक बड़ा समूह चाहता था कि हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिया जाए। मगर उस

समय भारत में कुल 1652 भाषाएं बोली और लिखी जा रही थीं। 91% जनसंख्या को 14 से 18 भाषाओं (आज बढ़कर 22 भाषाएं हो गई हैं) में विभाजित किया जा सकता था। लिहाजा ये भाषाएं संविधान के 8वें शेड्यूल में संलग्न कर दी गईं।

उर्दू और हिंदुस्तानी को हिंदी से जोड़ देने के बाद पता चला कि देश के 46% लोग इस एक भाषा शैली का इस्तेमाल करते थे। इसे आधार बनाते हुए हिंदी को देश की आधिकारिक भाषा बनाया गया। लेकिन इसका विरोध न हो इसके लिए अंग्रेजी को भी विकल्प के तौर पर रखा गया। उस वक्त ये तय किया गया था कि अंग्रेजी को विकल्प के तौर पर 15 साल तक ही रखा जाएगा।

संविधान निर्माण के समय राज्यों को भी स्वतंत्रता दी गई की वे अपने राजकाज के लिए अपनी भाषा चुन लें। संविधान के अनुसार संसद को छूट थी कि भाषा आयोग बनाए जो ये तय करे कि 15 साल के बाद आधिकारिक भाषा क्या होगी और अंग्रेजी उपयोग में रहेगी या नहीं। 1955 में बना था आधिकारिक भाषा आयोग सलाह दी- अभी कोई एक भाषा चुनने के लिए सही समय नहीं। 1955 में आधिकारिक भाषा कमीशन का गठन हुआ और बी.जी. खेर की अध्यक्षता में कमीशन ने एक साल बाद रिपोर्ट संसद में पेश की। इसका परीक्षण कर संयुक्त संसदीय समिति ने अपनी सलाह में कहा कि केंद्र के लिए एक आधिकारिक भाषा की आवश्यकता तो है लेकिन इसके लिए कोई तारीख तय करना उचित नहीं होगा। उस वक्त तक इंतजार करना चाहिए जब तक एक भाषा बिना किसी दिक्कत के आसानी से इस्तेमाल की जा सके। 1987 में संविधान संशोधन के जरिये अंग्रेजी जारी रखना तय हुआ मगर संसदीय समिति का पेंच नहीं हटा। 1987 में संविधान में 58वें संशोधन से ये तय किया गया कि संसद और केंद्र सरकार के कामकाज में अंग्रेजी का इस्तेमाल हिंदी के साथ जारी रहेगा। हर विधेयक को अंग्रेजी के साथ हिंदी में भी उपलब्ध किया जाएगा। जो राज्य हिंदी में काम नहीं करते उनके क्रियाकलापों को हिंदी और अंग्रेजी में भी अनुवाद के रूप में उपलब्ध किया जाएगा। ऐसे राज्यों और केंद्र के बीच संवाद की भाषा अंग्रेजी बनी रहेगी। लेकिन इसके साथ ही केंद्र को संवेदनशील तरीके से हिंदी के प्रचार प्रसार की जिम्मेदारी निभाते रहनी होगी। दरअसल, ऑफिशियल लैंग्वैज एक्ट के तहत 1976 में ही एक संसदीय समिति का गठन किया जा चुका था। इसका काम आधिकारिक भाषा के इस्तेमाल पर रिपोर्ट देना है। समिति में 30 सदस्य होते हैं जिनमें से 20 लोकसभा और 10 राज्यसभा से आते हैं। यह समिति हर 5 वर्ष में एक रिपोर्ट देती रही है जबकि अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मौजूदा समिति 3 साल में ही दो रिपोर्ट प्रस्तुत कर चुकी है। कर्नाटक में 2017-18 में हिंदी के विरोध में आंदोलन भड़का था। मुद्दा था बेंगलुरू मेट्रो में हिंदी साइनबोर्ड्स के इस्तेमाल का। समय-समय पर वहां विरोध तेज होता रहा है, लेकिन चुनाव के दौरान भाजपा इस मुद्दे को गरम नहीं होने देना चाहती। कन्नड़ लैंग्वैज कॉम्प्रिहेंसिव डेवलपमेंट बिल के जरिये जहां राज्य सरकार कन्नड़ सेंटीमेंट को शांत करना चाहती है, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल्ली में कन्नड़ फेस्टिवल में दो घंटे बिताने को भी इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि कर्नाटक के अलावा बाकी राज्यों में संसदीय समिति की हालिया सिफारिशों का काफी विरोध हो रहा है। इस विरोध में सबसे आगे तमिलनाडु है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पिछले साल 16 अक्टूबर को केंद्र को लिखे पत्र में अपनी आपत्ति दर्ज की थी। स्टालिन ने हाल ही में सीआरपीएफ भर्तियों में हिंदी कॉम्प्रिहेन्शन के अनिवार्य पेपर के विरोध में भी पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उनका कहना है कि तमिल अभ्यर्थियों से हिंदी कॉम्प्रिहेन्शन की उम्मीद करना गलत है। मगर इस विरोध की असली वजह कुछ और2026 में हो सकता है विस्फोट।

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़े डेटा वैज्ञानिक नीलकंतन आर.एस. भारत के भाषा समेत सामाजिक और आर्थिक मुद्दों की बारीकियों का डेटा अनालिसिस के माध्यम से अध्ययन करते हैं। सितंबर, 2022 में ही उनकी किताब 'साउथ वर्सेज नॉर्थ- इंडियाज ग्रेट डिवाइड' इसी विषय को खंगालती है। नीलकंतन कहते हैं कि अभी राजनीतिक विरोध भले ही हिंदी पर फोकस्ड दिखता हो, मगर ये मुद्दा सिर्फ भाषा का नहीं है। वो बताते हैं कि दक्षिण के राज्य और राजनीतिक दल इस बात से ज्यादा चिंतित हैं कि 2026 के लोकसभा परिसीमन का नतीजा क्या होगा। लोकसभा सीटों का आबादी के आधार पर आखिरी बार परिसीमन 1976 में हुआ था। अब 2026 में दोबारा ये प्रक्रिया शुरू होगी। मौजूदा परिस्थिति में ही दक्षिण भारत से कुल 129 सांसद चुनकर दिल्ली जाते हैं। जबकि केवल यूपी, बिहार और झारखंड से ही 134 सांसद संसद में बैठते हैं। इतने सालों में हिंदी बेल्ट में आबादी बढ़ी है, जबकि दक्षिण भारतीय राज्यों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और जागरूकता की वजह से हेल्थ इंडिकेटर्स ही नहीं सुधरे हैं, आबादी भी नियंत्रित हो गई है। अब आबादी के आधार पर परिसीमन होता है तो दक्षिण भारतीय राज्यों में लोकसभा सीटें घट जाएंगी और हिंदी बेल्ट के सांसद और बढ़ जाएंगे। यानी हेल्थ, इंडस्ट्री और रोजगार के आंकड़े सुधारने के बावजूद दक्षिण के राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा।

'20 साल पहले मारकर दफनाया, अब आत्मा सताती है'

पुलिस को खुदाई में मिली हड्डियां, आरोपी बोला- प्रेमिका के साथ रेप की कोशिश किया, इसलिए मार डाला

बालोद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बालोद जिले के करकाभाट गांव में 20 साल पहले हुई हत्या के बाद अब पुलिस-प्रशासन को खुदाई करने पर शव के अवशेष मिले हैं। ये खुलासा तब हुआ, जब एक व्यक्ति पुलिस के पास पहुंचा और उसने बताया कि मैंने 20 साल पहले 2003 में अपने दोस्त की हत्या कर दी थी और उसकी आत्मा मुझे कई सालों से परेशान कर रही है।

पूरा मामला बालोद थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक,आरोपी टीकम कोलियार (38 वर्ष) और गांव के ही छवेश्वर गोयल की आपस में दोस्ती थी। उस वक्त दोनों दोस्तों की उम्र करीब 18 साल थी। टीकम का एक लड़की के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था, जो आज उसकी पत्नी है। उसकी प्रेमिका अश्विनी कोलियार पर उसका दोस्त छवेश्वर गलत नीयत रखता था। वो अक्सर उसके साथ छेड़छाड़ करता रहता था, युवती अपने प्रेमी टीकम से भी ये बात बताई थी। तो उसने दोस्त को समझाया था। लेकिन फिर भी एक दिन छवेश्वर ने दोस्त की प्रेमिका के साथ रेप करने की कोशिश किया। जब इसकी जानकारी टीकम को लगी तो वह छवेश्वर की पीट-पीटकर मार डाला। और लाश को गांव से 300 मीटर दूर करकाभाट जलाशय के पास दफना दिया था।

इधर छवेश्वर गोयल के लापता होने पर उसका परिवार परेशान था। उन्होंने उसे इधर-उधर काफी खोजा, लेकिन वो नहीं मिला। तब जाकर 2003 में ही उन्होंने बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस उसे नहीं ढूंढ पाई थी। वहीं आरोपी ने अपनी प्रेमिका से शादी कर लिया। शादी के बाद भी उसने अपनी पत्नी तक को नहीं बताया कि वो अपने दोस्त की हत्या कर चुका है।

टीकम और उसकी पत्नी के इस बीच 2 बच्चे हुए, लेकिन वारदात के कुछ सालों के बाद से आरोपी परेशान रहने लगा। वो दोस्त की आत्मा सताने की बात करने लगा। 2021 में वो गांव वालों और पत्नी से कहने लगा कि उसने 2003 में अपने दोस्त को मारकर दफन कर दिया था। वो उस वक्त गांव वालों के सामने थाने भी गया था और अपना जुर्म कबूल भी किया था। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस-प्रशासन ने 3-4 बार अलग-अलग जगहों पर खुदाई भी कराई थी, लेकिन लाश नहीं मिलने पर गांव वालों और पुलिस दोनों ने ये मान लिया था कि टीकम मानसिक रूप से विक्षिप्त है।

इधर टीकम हमेशा सबसे यही कहता रहा कि उसने अपने दोस्त की हत्या कर दी है। उसकी आत्मा मेरे सपने में आती है। वो मुझे दिन रात दिखता है। उसकी आत्मा मुझे परेशान कर रही है। मृतक के पिता लगातार पुलिस के अलावा बड़े अधिकारियों को आवेदन दे रहे थे और पूरे मामले की जांच कराने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि उनका बेटा लापता नहीं हुआ है, बल्कि उसकी हत्या की गई है। मृतक के पिता जगदीश गोयल ने पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों से एक बार फिर इस साल बेटे की हत्या की जांच की गुहार लगाई और कहा कि आरोपी टीकम जहां बता रहा है, वहां फिर से खुदाई कराई जाए। जिसके बाद एसडीएम शीतल बंसल के आदेश पर 19 अप्रैल बुधवार को पुलिस, तहसीलदार परमेश्वर मंडावी और डॉक्टरों की टीम की मौजूदगी में आरोपी की निशानदेही पर जेसीबी से खुदाई करवाई गई, जहां से मृतक छवेश्वर के लाश के अवशेष मिले। खुदाई में 7 हड्डियां, कपड़े और एक रुपए का सिक्का बरामद हुआ है। सभी सामान को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। इस मामले में सहायक उपनिरीक्षक कांता राम ने बताया, एसडीएम के आदेश पर खुदाई की गई है। उन्होंने बताया कि करकाभाट डैम की तरफ खुदाई की गई है। जहां पर 7 हड्डियां और कपड़े मिले हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक जांच के बाद ही इस बात की पुष्टि हो पाएगी कि ये हड्डियां इंसान की हैं या फिर जानवर की। वहीं थाना प्रभारी नवीन बोरकर ने बताया कि जगदीश गोयल की शिकायत पर और टीकम की निशानदेही पर फिर से खुदाई की गई है और अभी मर्ग कायम किया गया है। जांच के बाद आरोपी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव का दावा- छत्तीसगढ़ में दोबारा बनेगी सरकार

कहा- लोग सोचते थे मुख्यमंत्री बनूं, मैंने कभी सीएम की इच्छा से वोट नहीं मांगा

बिलासपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने अगले विधानसभा चुनाव में दोबारा कांग्रेस की सरकार बनने का दावा किया है। उन्होंने कहा, मैंने कभी मुख्यमंत्री बनने के लिए जनता से वोट नहीं मांगा है। मुख्यमंत्री बनाने का काम हाईकमान का है। हां, लोग ये जरूर सोचते थे कि मैं सीएम बनूं।

दरअसल सिंहदेव केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह के उस बयान पर कटाक्ष किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि खुद के मुख्यमंत्री बनने के नाम पर जनता से धोखा किया है। टीएस सिंहदेव बुधवार को बिलासपुर में जीएसटी कार्यालय का निरीक्षण करने पहुंचे थे। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के लिए बहुत परंपरागत उपजाऊ भूमि की तरह है। छत्तीसगढ़ हमेशा से कांग्रेस का गढ़ माना जाता रहा है। लेकिन, कभी भी ओवर कॉन्फिडेंस नहीं होना चाहिए। पिछले चुनाव में भाजपा को कम सीट मिली। ऐसे में भाजपा का

मनोबल टूटा हुआ है। भाजपा हमेशा संघर्ष करते दिखी है। लेकिन अब वैसी स्थिति नहीं दिखती है। फिर भी अपने सामने की टीम को कम नहीं आंकना चाहिए।

कांग्रेस लोगों के विश्वास पर खरी उतरी

2023 में कांग्रेस रिपीट होगी, ऐसी उम्मीद है। कांग्रेस ने बहुत कुछ बुनियादी काम किया है। किसानों के हित में काम किया है। शहरी क्षेत्रों में भी काम हुआ है, और लोगों के विश्वास में खरा उतरने का प्रयास किया गया है। जिसका लाभ मिलेगा।

मुझे कमजोर पाकर रेणुका खुश हैं तो मुझे भी खुशी है

केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह के बयान पर कहा, मुझे कमजोर पाकर रेणुका खुश हैं, तो मुझे भी खुशी है। उनके लिए मैं कमजोर दिख रहा हूं। मैं राजनीति में आने के लिए कभी नहीं सोचा था। अभी तक जो परिस्थितियां बनी है। उसमें मैं खुद नहीं जानता कि मुख्यमंत्री कब बनूंगा।

भाजपा से मेरे विचार नहीं मिलते

सिंहदेव ने कहा, मैं पहले भी कह चुका हूं कि किसी दल में नहीं जाऊंगा और भाजपा में किसी से दुश्मनी नहीं है। लेकिन, भाजपा से मेरे विचार नहीं मिलते। अगर, भाजपा के कार्यकर्ता नहीं चाहते तो यह अच्छा है। चुनाव में जैसा रहा हूं, वैसा ही रहूंगा।

कोरोना और बढ़ेगा, सावधानी बरतने की जरूरत

कोरोना का संक्रमण बढ़ रहा है और बढ़ने की संभावना है। कोरोना नियंत्रण के लिए टेस्टिंग बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। पिछले कुछ समय से जिले में टेस्टिंग बढ़ाई गई है। समीक्षा बैठक में भी सभी जिलों में टेस्टिंग संख्या बढ़ाकर प्रतिदिन दस हजार टेस्ट करने के लिए कहा गया है। टेस्टिंग और ट्रेसिंग से संक्रमण रोकने में कारगर साबित होगा। इस महीने कोरोना से 14 लोगों की मौत हो चुकी है, जो चिंताजनक है। बिलासपुर दौरे के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह ने कहा था, टीएस बाबा कमजोर हो चुके हैं और कमजोर नेता को भाजपा का एक बूथ स्तर का कार्यकर्ता भी नहीं बुलाएगा। सिंहदेव ने सरगुजा क्षेत्र की जनता को धोखा देकर वोट हासिल किया था और लोगों को सीएम के रूप में प्रोजेक्ट किया था। लेकिन, वे सीएम नहीं बन सके।

सुरेश मुर्मू हत्याकांड का 72 घंटे में खुलासा

पांच लाख की सुपारी देकर कराई गई थी हत्या, पांच गिरफ्तार

रांची, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। दुमका पुलिस ने हंसडीहा थाना क्षेत्र के जलवे गांव के पास बड़ेत पंचायत के मुखिया सुरेश मुर्मू हत्याकांड का खुलासा किया है। इस मामले में सुपारी किलर समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें 2 महिला आरोपी शामिल है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किए गए पिस्टल समेत, खाली कारतूस का खोखा एक मोटसाइकिल और 6 मोबाइल जब्त किया है। दुमका पुलिस ने हत्याकांड को 72 घंटे के अंदर सुलझा लिया है। मुखिया हत्याकांड में पुलिस ने हंसडीहा मुखिया समेत 5 आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि एक मुखिया ने आपसी रंजिश और जमीन विवाद को लेकर प्रतिद्वंदी को रास्ते से हटाने के लिए षड्यंत्र रचा था। आरोपी ने अपनी मां यानी पूर्व मुखिया के हार का बदला लेने के लिए एक टीचर के साथ मिलकर पांच लाख रुपये की सुपारी देकर मुर्मू की हत्या करा दी थी। दुमका जिला के हंसडीहा थाना क्षेत्र के जलवे गांव के पास 18 अप्रैल को बड़ेत गांव के मुखिया सुरेश मुर्मू की हत्या का मामला सामने आया था।

कोरोना का खतरा कितना बढ़ा

राज्य में 226 कोरोना संक्रमित मरीज एक्टिव सबसे ज्यादा संक्रमित मरीज रांची में

रांची, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में कोरोना संक्रमण का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। राज्य में इस वक्त कोरोना संक्रमण के 200 से ज्यादा मरीज एक्टिव हैं। राज्य में लगातार बढते संक्रमण के खतरे को देखकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 51 नये मामले सामने आय़े। सिर्फ रांची में ही 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 14 नये मामले दर्ज किए गये हैं । इन नये आंकड़ों के साथ कोरोना संक्रमण के रांची में संक्रमित मरीजों की संख्या 72 हो गयी है।

किन जिलों में हालात हैं गंभीर

राजधानी रांची में सबसे ज्यादा संक्रमितों की संख्या है। संक्रमण का बढ़ता ग्राफ एक नये खतरे की तरफ संकेत कर रहा है। पिछले 24 घंटे में धनबाद और देवघर में 17 नये मामले दर्ज किए गये। धनबाद में 8 नये संक्रमितों का पता चला जबकि देवघर में 9 नये

संक्रमित मिले। रांची के साथ इन राज्यों में भी संक्रमण का ग्राफ बढ़ रहा है। इसके साथ रांची के बाद पूर्वी सिंहभूम में सबसे ज्यादा संक्रमित मरीजों की संख्या है। यहां संक्रमित मरीजों का आंकड़ा 46 पहुंच गया है।

राज्य की स्थिति क्या है

राज्य में कुल सक्रमितों की संख्या 226 है। पिछले 24 घंटे में ही 51 नये संक्रमितों का पता चला है। 13 लोगों ने कोरोना को मात दी है और राज्य में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण से किसी की मौत नहीं हुई है। अगर पिछले सात दिनों के रिकवरी रेट के प्रतिशत पर नजर डालें तो झारखंड में 98.73 है।

अगर अबतक राज्य में कोराना संक्रमण के हुए नुकसान का आंकलन करेंगे तो 442959 कोरोना संक्रमित हुए जिनमें से 5333 की मौत हो गयी। 437400 स्वस्थ हो गये।

नकली चाट मसाला खाने से 80 लोग बीमार

रांची, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद जिले में गांव के मेले में नकली चाट मसाला खाने से 80 लोग बीमार पड़ गए, जिसमें ज्यादातर बच्चे थे। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना बुधवार को करमाटांड़ पंचायत क्षेत्र में घटा। भोक्ता मेले से वापस लौटने के बाद गांववासियों को पेट दर्द के साथ उलटी होने लगी। अस्पताल के मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉक्टर यूके ओझा ने बताया कि करीबन 80 लोगों को रात के साढ़े दस बजे शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। मरीजों में ज्यादातर बच्चे शामिल थे। उन्होंने कहा कि उनमें से एक बच्चे की हालत काफी गंभीर है। बीमारों में सबसे कम उम्र की मरीज नौ वर्षीय पिंकी कुमारी और सबसे बुजुर्ग मरीज 44 वर्षीय विजय महतो है।

आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आया जवान

दंतेवाड़ा जिला अस्पताल में चल रहा इलाज एरिया डोमिनेशन पर निकली थी फोर्स

दंतेवाड़ा/बीजापुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर जिले की सरहद पर आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से एक जवान घायल हुआ है। घायल जवान का नाम सीताराम कुडियम है। बताया जा रहा है कि, बम डिफ्यूज करते समय जवान ब्लास्ट की चपेट में आ गया था। जवान के हाथ, पैर समेत शरीर कर अन्य अंगों में चोट आई है। दंतेवाड़ा जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामला नेलसनार थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, पुलिस पार्टी बांगापाल से करीब 3 किमी अंदर एरिया डोमिनेशन के लिए निकली हुई थी। नक्सलियों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने के मंसूबे से यहां पहले से ही आईईडी प्लांट कर रखी हुई थी। सर्चिंग के

दौरान बीडीएस (बम निरोधक दस्ता) की टीम ने एक प्रेशर आईईडी बरामद की। जिसे डिफ्यूज किया जा रहा था। बम को डिफ्यूज करने के दौरान जोर का धमाका हुआ और इसकी चपेट में जवाम सीताराम आ गया।

साथी जवानों ने सीताराम को फौरन दंतेवाड़ा जिला अस्पताल लाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि, नक्सल प्रभावित इलाका होने की वजह से लगातार सर्चिंग भी की जा रही है। इस इलाके में इससे पहले भी कई बार आईईडी ब्लास्ट हुई है। कई जवान जख्मी भी हुए हैं।

नक्सलियों का चल रहा टीसीओसी

बस्तर में नक्सलियों का टीसीओसी चल रहा है। नक्सली टीसीओसी के दौरान अक्सर कई बड़ी घटाओं को अंजाम देते हैं। नक्सलियों के इस टीसीओसी को देखते हुए। फोर्स भी अलर्ट मोड पर है। बस्तर के सभी जिलों में जवानों को सर्चिंग के लिए भी निकाला जा रहा है।

बीएसपी के रिटायर्ड कर्मचारी का घर में घुसकर गला रेता

पत्नी के सिर पर वार कर ली जान

बेमेतरा, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में एक बुजुर्ग दंपती की घर में घुसकर हत्या कर दी गई। दोनों के शव गुरुवार सुबह मिले हैं। हत्यारों ने वृद्ध पति का जहां धारदार हथियार से गला रेता है, वहीं पत्नी के सिर पर वारकर जान ली है। वृद्ध भिलाई स्टील प्लांट के रिटायर्ड कर्मचारी थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर है। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। अभी तक हत्या का कारण पता नहीं चल सका है। बुजुर्ग दंपती अकेले ही रहते थे। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। मामला बेरला थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, कंडरका के ग्राम सिलघट बाड़ी (खुड़मुड़ा नाला) निवासी सुखीराम निषाद (72) भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) से रिटायर्ड हुए थे। उनके दो लकड़े और एक लड़की है। तीनों की शादी हो चुकी है। दोनों बेटे भिलाई में काम करते हैं। सुखीराम पत्नी श्यामबती निषाद (70) के साथ गांव में ही रहते थे और खेती-किसानी का काम देखते थे। उनका मकान गांव से थोड़ा हटकर बना हुआ है। गुरुवार सुबह करीब 7-8 बजे लोगों ने घर में कोई हलचल नहीं दिखी तो अंदर जाकर देखा।

वहां दंपती का शव पड़ा था। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची तो बुजुर्ग का शव बरामदे में पड़ी चारपाई पर था।

सूर्य ग्रहण से ऑस्ट्रेलिया में छाया अंधेरा

इंडोनेशिया में भी दिखा साल के पहले सूर्य ग्रहण का असर, अगली बार 2031 में दिखेगा

कैनबरा, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। साल का पहला सूर्य ग्रहण खत्म हो गया है, लेकिन भारत में इसका असर नहीं दिखा। सूर्य ग्रहण की शुरुआत सुबह 7 बजकर 4 मिनट पर हुई थी, जो 12 बजकर 29 मिनट तक जारी रहा। इसका ज्यादातर असर ऑस्ट्रेलिया और इसके आस-पास के इलाकों में दिखा।

जहां 9 बजकर 4 मिनट पर पूरी तरह से अंधेरा छा गया था। इस सूर्य ग्रहण को काफी रेयर और हाइब्रिड बताया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के अलावा इस सूर्य ग्रहण के प्रभाव को इंडोनेशिया में भी देखा गया।

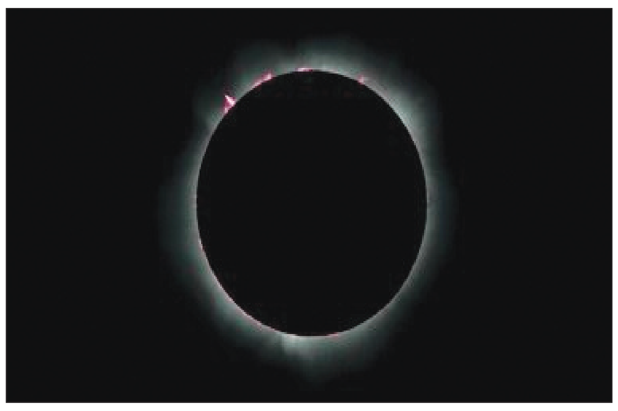

सूर्य ग्रहण देखने लोगों की भीड़ जुटी

ऑस्ट्रेलिया के एक्समाउथ में पूर्ण सूर्यग्रहण को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ जुटी। लोगों ने अपने बाइनाकुलर्स और टेलिस्कोप से ग्रहण को देखा। यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के प्रोफेसर सेबाइन बेलस्टेड ने बताया कि पूर्ण ग्रहण से पहले धीरे-धीरे अंधेरा छाने लगा था। इस दौरान ग्रहण देखने आए लोग बिल्कुल शांत हो गए। तापमान भी कम होने लगा और हवा का बहाव रुक गया।

दूसरे देशों आए वैज्ञानिकों ने देखा सूर्य ग्रहण

सूर्य ग्रहण को देखने के लिए दूसरे देशों से भी लोग आए थे। इनमें कई वैज्ञानिक भी शामिल थे। एस्ट्रोनॉमिकल फोटोग्राफर कैथरीन ने बताया कि दुनिया के अलग-अलग इलाकों से वैज्ञानिक ग्रहण को देखने के लिए ऑस्ट्रेलिया आए थे। उन्होंने कहा- जब सब लोग सूर्य ग्रहण देखने के लिए अपना सामना निकाल रहे थे तो मैनें पक्षियों की हलचल को नोटिस करना शुरू किया। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे अंधेरा होने लगा पक्षी खुद को छिपाने लगे। वो एकदम से शांत हो गए।

क्या होता है हाइब्रिड ग्रहण

हाइब्रिड सूर्य ग्रहण में दो तरह से ग्रहण दिखता है, पहला जिसमें चंद्रमा पूरी तरह से सूरज को ढक लेता है और अंधेरा छा जाता है, दूसरे में चांद के सामने आने से सूरज की सिर्फ आउट लाइन दिखाई देती है, जिसे सोलर रिंग कहा जाता है।

हाइब्रिड ग्रहण में ये ऐसा एक साथ होता है, जो सदी में कभी-कभार ही दिखाई देता है। हाइब्रिड सूर्य ग्रहण अगली बार 2031 में दिखाई देगा।

अब जानते हैं कि सूर्य ग्रहण होता क्या है?

गुरुत्वाकर्षण बल की वजह से पृथ्वी और सभी दूसरे ग्रह सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते हैं। पृथ्वी सूर्य के चारों ओर 365 दिनों में एक चक्कर लगाती है।

जबकि चंद्रमा एक उपग्रह है, जो पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाता है। पृथ्वी के चारों ओर एक चक्कर लगाने में चंद्रमा को 27 दिन लगते हैं। चंद्रमा के चक्कर लगाने के दौरान कई बार ऐसी स्थिति बनती है जब चंद्रमा सूर्य और पृथ्वी के बीच आ जाता है, तो सूर्य की रोशनी धरती तक नहीं पहुंच पाती है। इसे सूर्यग्रहण कहते हैं। ज्यादातर सूर्य ग्रहण अमावस्या के दिन होते हैं, क्योंकि तब चंद्रमा पृथ्वी के करीब होता है। हर 18 महीने में दुनिया के किसी न किसी हिस्से में सूर्य ग्रहण जरूर लगता है।

पाक विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो 4 मई को भारत आएंगे

एससीओ मीटिंग में शामिल होंगे, पिछले साल ताशकंद में जयशंकर ने नहीं की थी बात

इस्लामाबाद/नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी 4 मई को भारत दौरे पर नई दिल्ली पहुचेंगे। वो 4-5 मई को गोवा में होने वाली शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की मीटिंग में हिस्सा लेंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की है।

2014 के बाद ऐसा पहली बार होगा जब कोई पाकिस्तानी मंत्री भारत आएगा। 2014 में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ भारत दौरे पर आए थे।

इसके पहले 29 जुलाई 2022 को भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्री आमने-सामने थे। तब उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी। इस दौरान एक मौके ऐसा भी था जब विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो बिल्कुल अगल-बगल की सीटों पर मौजूद थे। इसके बावजूद बातचीत होना तो दूर दोनों के बीच दुआ-सलाम तक नहीं हुई थी। जुलाई 2022 की मीटिंग में एससीओ के सभी आठ सदस्य देशों के फॉरेन मिनिस्टर मौजूद थे। जयशंकर ने समिट के इतर 7 देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की, लेकिन बिलावल को नजरअंदाज कर दिया था।

वहीं, जब उज्बेक राष्ट्रपति ने सभी विदेश मंत्रियों के लिए डिनर होस्ट किया, तब बिलावल और जयशंकर अलग-अलग बैठे। जयशंकर ने पाकिस्तानी विदेश मंत्री को छोड़कर सभी से बातचीत की। ग्रुप फोटो के दौरान भी दोनों के बीच 5 फीट से ज्यादा फासला नहीं था। यहां सभी विदेश मंत्रियों ने हाथ मिलाए, लेकिन जयशंकर और जरदारी अलग-अलग ही खड़े रहे। एससीओ यानी शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन का गठन 2001 में हुआ था। एससीओ एक पॉलिटिकल, इकोनॉमिकल और सिक्योरिटी ऑर्गेनाइजेशन है। भारत, रूस, चीन और पाकिस्तान समेत इसके कुल 8 स्थाई सदस्य हैं। शुरुआत में एससीओ में छह सदस्य- रूस, चीन, कजाकिस्तान, तजाकिस्तान, किर्गिस्तान और उज्बेकिस्तान थे।

2017 में भारत और पाकिस्तान के भी इससे जुड़ने से इसके स्थाई सदस्यों की संख्या 8 हो गई। 6 देश- आर्मीनिया, अजरबैजान, कंबोडिया, नेपाल, श्रीलंका और टर्की एससीओ के डायलॉग पार्टनर हैं। 4 देश- अफगानिस्तान, ईरान, बेलारूस और मंगोलिया इसके ऑब्जर्वर सदस्य हैं। भारत और चीन के बीच लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल यानी एलएसी पर तनाव कम होने के बावजूद उजबेकिस्तान में मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात पर सस्पेंस है। मोदी और जिनपिंग की एससीओ समिट से इतर मुलाकात पर चीन की फॉरेन मिनिस्ट्री के साथ वहां का मीडिया भी चुप्पी साधे है। एससीओ का एक प्रमुख उद्देश्य सेंट्रल एशिया में अमेरिका के बढ़ते प्रभाव का जवाब देना है। कई एक्सपर्ट एससीओ को अमेरिकी दबदबे वाले नाटो के काउंटर के रूप में देखते हैं। 1949 में अमेरिकी अगुआई में बने नाटो के अब 30 सदस्य हैं। एससीओ में शामिल चार परमाणु शक्ति संपन्न देश भारत, रूस, चीन और पाकिस्तान नाटो के सदस्य देश नहीं हैं। इनमें से तीन देश- भारत, रूस और चीन इस समय अर्थव्यवस्था और सैन्य ताकत के लिहाज से दुनिया की प्रमुख महाशक्तियों में शामिल हैं। यही वजह है कि एससीओ को पश्चिमी ताकतवर देशों के सैन्य संगठन नाटो के बढ़ते दबदबे का जवाब माना जाता है।

रूस-युक्रेन युद्ध के बीच कीव के आसमान में दिखी रहस्यमयी रोशनी

क्यों सेना ने जारी किया हवाई अलर्ट

कीव, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते हुए करीब एक साल से ज्यादा का समय हो गया है। हर समय कीव के लोगों को खुद पर हमला होने का डर रहता है। ऐसे में बुधवार को आसमान में एक रोशनी दिखाई दी, जिसके बाद हवाई सुरक्षा अलर्ट मोड में आ गई। हालांकि यह रोशनी एक उपग्रह के पृथ्वी में प्रवेश करने के कारण दिखाई दी।

कीव के सैन्य प्रशासन के प्रमुख सर्गी पोपको ने बताया कि जांच करने पर पता चला कि नासा के एक अंतरिक्ष उपग्रह के पृथ्वी पर गिरने के कारण आसमान में रोशनी दिखाई दी।

गौरतलब है, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) ने इस बारे में पहले से ही घोषणा कर दी थी कि 660 पाउंड (300 किलोग्राम) का एक पुराना उपग्रह बुधवार को किसी भी समय पृथ्वी पर फिर से वापस आ सकता है।

नासा ने कहा कि रियूवेन रामाटी हाई एनर्जी सोलर स्पेक्ट्रोस्कोपिक इमेजर (आरएचईएसएसआई) अंतरिक्ष यान जिसका उपयोग सौर ज्वालाओं का निरीक्षण करने के लिए किया जाता है। साल 2002 में पृथ्वी की निचली कक्षा में लॉन्च किया गया था और 2018 में सेवामुक्त कर दिया गया था। पोपको ने कहा कि रात करीब 10 बजे कीव के ऊपर आकाश में एक चमकदार रोशनी देखी गई। इसके बाद हवाई सुरक्षा अलर्ट हो गई थी।

नासा ने सोमवार को कहा कि उम्मीद है कि आरएचईएसएसआई अंतरिक्ष यान वायुमंडल में प्रवेश करते ही जल जाएगा। हालांकि कुछ घटकों के जीवित रहने की उम्मीद है, लेकिन पृथ्वी पर किसी को नुकसान नहीं पहुंचेगा।

कम बच्चे पैदा हुए फिर कैसे बढ़ी भारत की आबादी

आबादी बढ़ने से गरीब नहीं हो जाते देश, पॉपुलेशन से जुड़ी 5 मान्यताओं की हकीकत

न्यूयार्क, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। 19 अप्रैल को यूनाइटेड नेशन ने भारत को दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बताया। आमतौर पर भारत में बढ़ती आबादी की वजह ज्यादा बच्चों का पैदा होना माना जाता है, लेकिन ऐसा नहीं है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे यानी एनएफएचएस की रिपोर्ट के मुताबिक 1992 से 2020 के दौरान भारत में प्रजनन दर 3.4 से घटकर 2 हो गई है।

इसका मतलब ये हुआ कि भारत में एक महिला कभी औसतन 3 से ज्यादा बच्चे पैदा करती थी, यह संख्या अब घटकर 2 रह गई है। इसके बावजूद देश की आबादी तेजी से बढ़ी है। वहीं, यूएन के मुताबिक भारत में 2019 के बाद से हर साल 1.2% कम बच्चे पैदा हुए हैं।

ज्यादा आबादी वाले देश में ज्यादा बच्चे पैदा होते हैं

हकीकत: यूनाइटेड नेशन्स के मुताबिक बढ़ती जनसंख्या का मतलब ये नहीं कि ज्यादा बच्चे पैदा हो रहे हैं। बल्कि इसका मतलब ये है कि पैदा हुए बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिली हैं।

इससे उनकी आयु बढ़ी है और उन्हें बड़े होने का मौका मिला। 1990 से अब तक लोगों की उम्र में 10 साल की बढ़ोतरी हुई है। यानी 1990 में अगर जीवन जीने की औसत उम्र 50 साल थी तो ये अब बढ़कर 60 हो गई है।

भारत में 1960 में पैदा हुए एक हजार बच्चों में 162 की मौत हो जाती थी। 2020 में पैदा हुए हजार बच्चों में सिर्फ 26 की मौत होती है। वहीं, भारत में लाइफ एक्सपेक्टेंसी 1960 में 45.22 थी जो 2020 में 70.15 हो गई। यानी अब भारत में लोग ज्यादा समय के लिए जिंदा रह पाते हैं।

कम बच्चे पैदा होने से देश की आबादी घटती है

हकीकत: यूनाइटेड नेशन के मुताबिक कई देश घटते प्रजनन दर से परेशान होकर महिलाओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। जापान और साउथ कोरिया इसके उदाहरण हैं। हालांकि, कई देश ऐसे भी हैं जहां प्रजनन दर कम हुई, लेकिन बावजूद इसके उनकी आबादी बढ़ी है। यूएन का मानना है कि ऐसा माइग्रेशन की वजह से हुआ। कनाडा और ऑस्ट्रेलिया इसके उदाहरण हैं।

आबादी बढ़ने से देश गरीब होता है

हकीकत: आमतौर पर लोगों का ये मानना होता है कि बढ़ती आबादी की वजह से देश में गरीबी आती है। हालांकि 1960 के दशक में साउथ कोरिया और ताइवान उन देशों में शामिल थे जिनकी आबादी तेजी से बढ़ रही थी। 1960 से 1980 के बीच साउथ कोरिया की आबादी दोगुनी हुई, जबकि ताइवान की आबादी में 65% की बढ़ोतरी हुई।

इसी दौरान दोनों देशों की प्रति व्यक्ति आय बढ़ कर 6.2% और 7% हो गई। हालांकि, भारत समेत कई ऐसे देश हैं जहां ज्यादा असमानता होने से लोगों का समान विकास नहीं हो पाता।

भारत और चीन जैसे देशों में ज्यादा बच्चे पैदा करने वाली औरतें जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार हैं। यूएन का कहना है कि ज्यादातर पश्चिमी देशों के लोग ये मानते हैं कि भारत और चीन जैसे देशों में ज्यादा बच्चे पैदा करने वाली महिलाएं जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार हैं। ये बिल्कुल गलत है। इन्होंने तो दुनिया में सबसे कम प्रदूषण फैलाया और ये क्लाइमेट चेंज से सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। दुनिया की 10% सबसे अमीर आबादी आधे से ज्यादा ग्रीन हाउस गैस के छोड़ने के लिए जिम्मेदार हैं। जबकि इन देशों में गरीब देशों के मुकाबले प्रजनन दर कम है। इसका मतलब ये हुआ कि केवल कम बच्चे पैदा करने से क्लाइमेट चेंज की समस्या खत्म नहीं होगी।

जनसंख्या संतुलन यानी एक जनरेशन के रिप्लेसमेंट के लिए 2.1 प्रजनन दर जरूरी है

हकीकत: आमतौर पर ये माना जाता है कि 2.1 की प्रजनन दर सबसे बेहतर है। यानी अपनी लाइफ साइकिल में एक महिला को कम से कम 2.1 बच्चे पैदा करने चाहिए।

चीन को लेकर बढ़ती जा रही हैं अमेरिका की चिंताएं

वॉशिंगटन, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव की सशस्त्र सेवा समिति ने चीन की बढ़ रही सैनिक और तकनीकी शक्ति की जो तस्वीर पेश की है, उससे अमेरिका के रक्षा हलकों में चिंता बढ़ गई है। हाउस के सामने अमेरिका के इंडो-पैसिफिक कमांड के प्रमुख एडमिरल जॉन अक्विलिनो ने बताया कि चीन पहले ही हाइपरसोनिक हथियारों के क्षेत्र में काफी आगे निकल चुका है। वह जिस 'गति से उन्नत क्षमताओं' का प्रदर्शन कर रहा है, वह चिंताजनक है। कमांड से जुड़े कुछ दूसरे अधिकारियों ने बायो-टेक्नोलॉजी क्षेत्र में चीन की तेज प्रगति का जिक्र किया और कहा कि इस क्षमता का उपयोग चीन जैविक और रासायनिक हथियार बनाने में कर सकता है। अमेरिका ने पिछले एक साल के दौरान सेमीकंडक्टर क्षेत्र में चीन की प्रगति रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। चीन को ऐसी तकनीक बेचने पर उसने प्रतिबंध लगा दिए हैं। विश्लेषकों के मुताबिक हाउस के सामने जो जानकारियां रखी गईं, उनसे अमेरिका की बढ़ रही आशंकाओं को और बल मिला है। इसके बाद संभव है कि चीन के सैनिक-औद्योगिक ढांचे की आधुनिक तकनीक तक पहुंच सीमित करने के उपाय और सख्त किए जाएं।

विश्लेषकों के मुताबिक रूस के साथ चीन की बढ़ती निकटता के कारण चीन की सैनिक क्षमताओं को लेकर पश्चिमी देशों की चिंता हाल में और गहरा गई है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मार्च में मास्को की यात्रा की थी।

नई पहचान के लिए हमशक्ल के कत्ल की साजिश रची

केक में जहर मिला दिया, अमेरिका में रूसी महिला को 21 साल की सजा दी गई

वॉशिंगटन, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में रह रही एक रूसी मूल की महिला ने अपनी हमशक्ल को मारने की कोशिश की। इसके लिए उसे अमेरिकी कोर्ट ने 21 साल की सजा सुनाई है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 47 साल की विक्टोरिया नासीरोवा ने न्यूयॉर्क में रह रही अपनी हमशक्ल ओल्गा स्विक के चीज केक में जहर मिला दिया था।

क्वींस डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी मेलिंडा काट्ज ने कहा- विक्टोरिया और ओल्गा दोनों ही रूसी मूल की हैं। दोनों का स्किन कॉम्प्लेक्शन, बालों का रंग, कद सब कुछ एक जैसा है। विक्टोरिया ने अपने फायदे के लिए ओल्गा की आईडेंटिटी चुराने की कोशिश की और उसे जहर दिया।

ये पूरा मामला 2016 का है। तब ओल्गा, विक्टोरिया की ब्यूटिशियन थी। दोनों काफी अच्छी दोस्त थीं और अक्सर रूसी भाषा में बात करती थीं। 28 अगस्त 2016 को विक्टोरिया ने ओल्गा के चीज केक में जहर मिला दिया। इसे खाते ही वो बेहोश हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसकी हालत इतनी खराब हो गई कि उसे हार्ट अटैक आ सकता था। इसके बाद विक्टोरिया ने ओल्गा का पासपोर्ट, वर्क परमिट समेत अन्य अहम दस्तावेज चुरा लिए और फरार हो गई।

ओल्गा के एक दोस्त ने बताया कि अगले दिन जब वो उसके घर पहुंचा तो ओल्गा बेहोश पड़ी मिली। उसके कपड़े भी बदले हुए थे। इतना ही नहीं उसके आस-पास नशे की गोलियां बिखरी हुई थीं। यहां ऐसा दिखाने की कोशिश की गई थी जैसे कि ओल्गा ने आत्महत्या करने की कोशिश की हो। इसके बाद उसे अस्पलात ले जाया गया। लौटने पर ओल्गा ने बताया कि उसके घर से उसका यूएस वर्क परमिट, यूक्रेनी पासपोर्ट, ज्वैलरी और कुछ कैश चोरी हुआ है।

2015 में इंटरपोल ने रेड नोटिस जारी किया था

इस मामले में विक्टोरिया को फरवरी 2023 में हत्या करने की कोशिश के लिए दोषी ठहराया गया। वहीं, 2015 में इंटरपोल ने विक्टोरिया के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया था। उसने 2014 में रूस में एक महिला का कत्ल किया था। महिला के घर चोरी भी की थी। इतना ही नहीं उस पर डेटिंग साइट के जरिए मिलने वाले पुरुषों को भी ड्रग्स देकर लूटने के आरोप लग चुके हैं। ये पहला मामला नहीं जब किसी ने हमशक्ल को मारने की कोशिश की हो। इसके पहले जर्मनी में एक महिला ने अपनी हमशक्ल की हत्या कर दी थी। जर्मनी पुलिस ने इस केस को 'द डोपलगैंगर मर्डर' नाम दिया था। 16 अगस्त 2022 को 23 साल की एक महिला ने अपनी मौत का नाटक करने के लिए सोशल मीडिया पर अपनी हमशक्ल ढूंढी और उसकी हत्या कर दी थी।

इंस्टाग्राम पर ढूंढी अपने जैसे दिखने वाली कॉस्मेटिक ब्लॉगर

पुलिस ने बताया था कि म्युनिख में रहने वाले शाहराबान के. नाम की महिला ने इंस्टाग्राम पर फेक प्रोफाइल बनाया और अपने जैसी दिखने वाली कई महिलाओं से संपर्क करेन की कोशिश की। कई प्रोफाइल्स तलाशने के बाद उसे एक कॉस्मेटिक ब्लॉगर का प्रोफाइल मिला। खदीदजा नाम की यह ब्लॉगर अलजीरियाई नागरिक थी और आरोपी महिला के घर से करीब 160 किमी दूर रहती थी। दोनों के लंबे काले बाल थे और रंग भी लगभग एक-जैसा था। शाहराबान और उसके बॉयफ्रेंड शकीर के. ने खदीदजा से संपर्क किया और उसे कुछ ब्यूटी प्रोडक्ट ऑफर किए। इसके बाद दोनों उसे लेने पहुंचे। पुलिस ने बताया था कि खदीदजा को लेकर म्यूनिख लौटते वक्त दोनों ने एक जंगल में कार रोकी और खदीदजा को 50 बार चाकू घोंप दिया।

मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा का प्रस्ताव अदालत ने किया खारिज

30 दिन में आ जाएगा फैसला!

वॉशिंगटन, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। साल 2008 के मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के स्टेट्स कॉन्फ्रेंस प्रस्ताव को अमेरिका की अदालत ने खारिज कर दिया है। अदालत ने प्रस्ताव खारिज करते हुए कहा कि अगले 30 दिनों में उसके मामले पर फैसला आने का अनुमान है। बता दें कि तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण मामले पर आखिरी सुनवाई जून 2021 में हुई थी। जिसके चलते तहव्वुर राणा ने अमेरिका की अदालत में स्टेट्स कॉन्फ्रेंस का प्रस्ताव दिया था।

स्टेट्स कॉन्फ्रेंस एक कानूनी प्रक्रिया है, जिसके तहत अदालत के आदेश से अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष के बीच बैठक का आदेश दिया जाता है, जिसमें मामले के विवरण और दोनों पक्षों में सुलह की कोशिश की जाती है। लंबे समय से मामले की सुनवाई ना होने पर तहव्वुर राणा के वकील ने बीते महीने यह प्रस्ताव दिया था। इस प्रस्ताव में कहा गया था कि मामले पर आखिरी सुनवाई 21 जुलाई 2021 को हुई थी। आरोपी लगातार कैद में है। ऐसे में यह सही रहेगा कि अभियोजन और बचाव पक्ष मिलकर मामले की ताजा स्थिति पर चर्चा करें।

अदालत ने प्रस्ताव किया खारिज

लॉस एंजेलेस के यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की जज जैकलीन चूलजियान ने प्रस्ताव को खारिज करते हुए कहा कि दोनों पक्षों को सलाह दी जाती है कि अदालत मानकर चल रही है कि इस मामले में 30 दिनों के भीतर फैसला आ जाएगा। अदालत ने कहा कि स्टेट्स कॉन्फ्रेंस की मांग को खारिज किया जाता है क्योंकि अदालत को लगता है कि इस तरह की कार्यवाही बेवजह है और इससे अदालत को कोई मदद नहीं मिलेगी।

आर्थिक संकट में पड़े श्रीलंका से 1,00,000 विलुप्तप्राय बंदर आयात करेगा चीन

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। आर्थिक तंगी से बेहाल श्रीलंका ने बुधवार को पर्यावरण समूहों के विरोध के बीच चीन को 1,00,000 लुप्तप्राय बंदरों के आयात करने की पुष्टि की है। श्रीलंका के कृषि मंत्रालय के शीर्ष नौकरशाह गुनादास समरसिंघे ने कहा कि जूलॉजिकल गार्डन से जुड़ी एक निजी स्वामित्व वाली चीनी कंपनी ने उनके मंत्रालय से अनुरोध किया था।

उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा- हम एक साथ 1,00,000 बंदरों को नहीं भेजेंगे। हमने देश के कई हिस्सों में बंदरों के कारण हुई फसल के नुकसान के अनुरोध पर विचार किया। उन्हें संरक्षित क्षेत्रों से नहीं लिया जाएगा। हमारा फोकस केवल खेती के क्षेत्रों में ही होगा। टॉक मकाक बंदर श्रीलंका के स्थानीय बंदरों में से हैं। इसका नाम अंतर्राष्ट्रीय संघ की लुप्तप्राय यानी की लाल सूची में दर्ज है। पिछले हफ्ते श्रीलंका के कृषि मंत्री महिंदा अमरवीरा ने कहा कि एक हजार से अधिक चीनी चिड़ियाघरों में करीब एक लाख बंदरों को भेजने के चीन के अनुरोध पर विचार किया जाएगा।

अमरवीरा ने कहा- वे अपने चिड़ियाघरों के लिए इन बंदरों की मांग कर रहे हैं।

अनवारुल हक बने पीओके के नए पीएम

उच्च न्यायालय को धमकाने के लिए पूर्व पीएम तनवीर को खोना पड़ा था पद

इस्लामाबाद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के सांसद चौधरी अनवारुल हक को गुरुवार को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) का प्रधानमंत्री चुना गया। गौरतलब है, पूर्व प्रधानमंत्री सरदार तनवीर इलियास को हाईकोर्ट ने अवमानना मामले में दोषी साबित किया था। साथ ही कोर्ट ने उनको विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया था। इसके बाद से ही यह पद खाली था। हक को सदन में उपस्थित सभी 48 सदस्यों का विश्वास प्राप्त हुआ है। इनमें पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज सहित सभी प्रमुख दल शामिल हैं। इससे पहले सोमवार को प्रधानमंत्री चुनने के लिए आयोजित एक विधानसभा सत्र को बिना किसी मतदान के स्थगित कर दिया था। वहीं पूर्व पीएम सरदार तनवीर ने इस्लामाबाद में एक समारोह में अप्रत्यक्ष रूप से न्यायपालिका पर उनकी सरकार के कामकाज को प्रभावित करने और स्थगन आदेशों के माध्यम से कार्यपालिका के क्षेत्र में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया था।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के प्रधानमंत्री सरदार तनवीर इलियास को हाईकोर्ट ने अवमानना मामले में दोषी साबित किया था। साथ ही कोर्ट ने उनको विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया था। बता दें कि सरदार तनवीर पीओके के पहले ऐसे नेता हैं, जिन पर कार्रवाई हुई।

कांग्रेस सम्मेलन में पायलट नहीं आए

रंधावा बोले- कोई कितना ही बड़ा नेता हो गलतफहमी निकाल दें; नहीं तो मैं निकाल दूंगा

जयपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में बुधवार को कांग्रेस सम्मेलन में सचिन पायलट नहीं पहुंचे, लेकिन उनकी नेमप्लेट लगी दिखी। सम्मेलन में नेताओं, कार्यकर्ताओं से प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पहले हाथ खड़े करवाए। फिर सबको खड़े करवाकर समर्थन लिया। इसे सचिन पायलट प्रकरण से जोड़कर देखा जा रहा है।

प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा- जो पार्टी के खिलाफ है, मैं उनके खिलाफ हूं। इस पर प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा खड़े हुए। कांग्रेस नेताओं से कहा- प्रभारी जो बात कह रहे हैं। वह सौ फीसदी सच है। हमें खड़े होकर उसका समर्थन करना चाहिए। इस पर मौजूद सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पहले समर्थन में हाथ खड़े किए। फिर खुद खड़े होकर इसका समर्थन किया।

डोटासरा बोले- हमारे कार्यकर्ता बीजेपी का धुआं निकाल देंगे

सम्मेलन में डोटासरा ने पायलट के विरोधियों का धुआं निकालने वाले अंदाज में बयान दिया। डोटासरा ने कहा कि इस सभागार में बैठा एक-एक कार्यकर्ता धुआं निकालने की ताकत रखता है। ये सब कार्यकर्ता बीजेपी का धुआं निकाल देंगे।

रंधावा ताकत लेकर आए हैं, सर्वे में अच्छी रिपोर्ट पर ही टिकट

डोटासरा ने कहा कि प्रदेश प्रभारी रंधावा दिल्ली से ताकत लेकर आए हैं। सर्वे में इनकी अच्छी रिपोर्ट है। उसके आधार पर ही टिकट मिलेंगे। पार्टी सबका काम देख रही हैं। सरकार ने जो अच्छे काम किए हैं। हमारी जिन योजनाओं की देश भर में चर्चा है, उन्हें अब जन-जन तक पहुंचाना है। हमारे महंगाई राहत कैंपों में विधायकों से लेकर ग्राउंड के कार्यकर्ता तक को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी।

सीएम ठंडे दिल के आदमी, अब सख्त बनें

रंधावा ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ठंडे दिल के आदमी हैं। मैंने उन्हें कहा है कि सख्त बनो। मेरा साफ कहना है कि जो कांग्रेस के खिलाफ काम करेगा। मैं उसके खिलाफ अनुशासन की कार्रवाई की सिफारिश करूंगा। चाहे वह कितना ही बड़ा आदमी क्यों न हो? मैं पंजाब से यूं ही नहीं आया हूं। राजस्थान में सरकार रिपीट करने आया हूं। आज सम्मेलन में जो माहौल है। मुझे ऐसी ही कांग्रेस चाहिए। पार्टी के खिलाफ काम करने वाले गलतफहमी निकाल दें।

गहलोत बोले- हमने सर्वे करवाया है, कांग्रेस जीत रही है

सीएम अशोक गहलोत ने सम्मेलन में कहा कि राजस्थान में सरकार के काम की वजह से शानदार माहौल है। हमने सर्वे करवाया है, इस सर्वे में कांग्रेस जीत रही है। आपको बस अब हमारी योजनाओं का फायदा जनता को दिलवाना है। महंगाई राहत कैंप पर सबको फोकस करना है।

गहलोत ने कहा कि हमें सरकार रिपीट करनी है। हमने इतना शानदार बजट दिया है। महंगाई राहत कैंप गेमचेंजर साबित होंगे। महंगाई राहत कैंपों से हमें हर जरूरतमंद को जोड़ना है। कांग्रेस नेता और वर्कर नेगेटिव पॉलिटिकल के चक्कर में नहीं आएं। अपना पूरा फोकस सरकार की योजनाओं से जरूरतमंदों को जोड़ने में लगाएं। इससे आपको सामाजिक लेवल पर सेवा का मौका भी मिलेगा।

'राजेंद्र राठौड़ ने बच्चों को गुंडे बनने के संस्कार दिए'

डोटासरा बोले- राठौड़ साहब नेता प्रतिपक्ष बनकर अहंकार में चूर हो गए हैं

जयपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ आरएएस परीक्षा और आरपीएससी के मुद्दे को लेकर फिर आमने-सामने हैं। दोनों नेता एक-दूसरे पर वार-पलटवार कर रहे हैं। पहले राठौड़ ने चूरू को 'नाथी का बाड़ा' नहीं समझने की हिदायत देकर डोटासरा पर निशाना साधा। राठौड़ ने डोटासरा के रिश्तेदारों और बच्चों के फर्जीवाड़े से आरएएस बनने के आरोप लगाए। अब डोटासरा ने निशाना साधा है।

डोटासरा ने राठौड़ पर पलटवार करते हुए कहा- राजेंद्र राठौड़ कह रहे हैं 'नाथी का बाड़ा' नहीं है। उन्हें यह ज्ञान नहीं है कि 'नाथी का बाड़ा' बहुत पवित्र जगह थी, जहां हर जरूरतमंद व्यक्ति को मदद मिलती थी। राठौड़ साहब नेता प्रतिपक्ष बनकर अहंकार में चूर हो गए हैं। बुधवार को डोटासरा जयपुर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

डोटासरा ने राठौड़ पर पलटवार करते हुए कहा- राजेंद्र राठौड़ बार-बार कहते हैं कि डोटासरा के बच्चे और रिश्तेदार आरएएस कैसे बन गए? यह तो संस्कारों की बात है। मेरे परिवार ने, मैंने मेरे बच्चों को आरएएस बनने का संस्कार दिया। आपने बच्चों को ठेकेदार और गुंडे बनने के संस्कार दिए हैं।

यह संस्कारों का फर्क है। ये अपने समर्थकों और बीजेपी के गुंडों से जिस तरह की हरकतें करवाते हैं उनके खिलाफ सख्त-सख्त कार्रवाई होगी। हम कहीं डरने वाले नहीं हैं। इनकी कलह आपस में सामने आ जाएगी।

डोटासरा ने कहा- राजेंद्र राठौड़ को आठ महीने के लिए नेता प्रतिपक्ष बनाकर बुढ़ापे में राजनीतिक शादी की है। सात बार जीतने के बाद में भी न मुख्यमंत्री बने, न प्रदेश अध्यक्ष बने। अब केवल कुछ महीने के लिए नेता प्रतिपक्ष बने हैं। राजेंद्र राठौड़ के बारे में सबको पता रहता है, व्यक्तिगत टारगेट करते हैं। यही काम रह गया है।

डोटासरा ने कहा- जनता की सेवा कर रहे हैं तो जनता वोट क्यों नहीं देगी। जनता जो चाह रही है, वह हम कर रहे हैं तो जनता वोट क्यों नहीं देगी? सरकार ने महंगाई राहत का 19000 करोड़ का पैकेज दिया है। यह लोगों तक पहुंचेगा। राशन का फ्री पैकेट मिल रहा है। कृषि कनेक्शन फ्री हो रहा है। जनता जो चाहती है वह हम लोग कर रहे हैं और वोट जनता के हाथ में है। हमें उम्मीद है कि जनता फिर वोट देगी और 2023 में फिर सरकार बनाएंगे।

डोटासरा ने कहा- बीजेपी और केंद्र सरकार इतिहास के साथ छेड़छाड़ कर गलत कर रहे हैं। ये संस्थाओं के साथ इस तरह कर रहे हैं, जैसे इनके बाप की जागीर हो। एनसीआरटी एक इंस्टीट्यूट है। उसे खत्म करने का काम नहीं करना चाहिए। यह इनकी फितरत में आ गया है कि चाहे चुनाव आयोग हो, एनसीआरटी हो या दूसरी संस्थाएं हों बीजेपी उन सब को खत्म करने का काम कर रही है।

राजेंद्र राठौड़ ने डोटासरा पर निशााना साधते हुए ट्वीट किया- संयोग कहूं, प्रयोग कहूं या RPSC जैसी संस्था में कांग्रेस एजेंट बनकर बैठे उन लोगों की कृपा कहूं, जिनके संरक्षण में आरएएस-2018 इंटरव्यू में कांग्रेस के एक वरिष्ठ राजनेता के रिश्तेदारों के 80-80 यानी समान अंक आए और लिखित परीक्षा में 50 से कम अंक आए। यह इंटरव्यू भी RPSC ने लिया था।

राठौड़ ने लिखा- तीन दर्जन से ज्यादा परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था पर सवालिया निशान लगाना इस बात का प्रमाण है कि कांग्रेस राज में सिर्फ उन्हें ही RPSC का अध्यक्ष-सदस्य नियुक्त किया जाता है जो सरकार में बैठे उच्च पदस्थों के निजी परिवारजन को येन-केन प्रकारेण सरकारी नौकरी दे सकें।

'सीएम देख रहे मुंगेरीलाल के हसीन सपने'

देवनानी बोले- सरकार बनना तो दूर गिनी चुनी सीटें मिल जाए तो गनीमत

अजमेर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व शिक्षा मंत्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ''मुंगेरी लाल के हसीन सपने'' देखना अब बंद करें। कांग्रेस की सरकार तो बनना बहुत दूर की बात है, उसे गिनी-चुनी सीटें भी मिल जाएं, तो गनीमत है। देवनानी ने गहलोत के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिसमें गहलोत ने कहा था कि उन्होंने सर्वे कर लिया है और कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी।

पूर्व मंत्री देवनानी ने जारी बयान में कहा कि गहलोत अब चाहे कितने ही सर्वे करा लें, लेकिन कांग्रेस सरकार का जाना और कांग्रेस का सूपड़ा साफ होना लगभग तय है। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार साढ़े चार साल तक सोती रही, अब जनता को लुभावने वादे कर रही है, लुभावनी योजनाएं चला रही है। जनता ही

गहलोत सरकार से पूछ रही है, जिन योजनाओं के नाम पर जनता को राहत देने की बात अब की जा रही है, वह योजनाएं कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही पिछले साढ़े चार साल से क्यों नहीं चलाईं।

देवनानी ने कहा कि गहलोत ने अब ताबड़तोड़ जितनी योजनाएं शुरू की हैं और शुरू की जाने वाली हैं, उन सबका मकसद केवल जनता को प्रलोभन देना है। अब विधानसभा चुनाव नजदीक आते देख कर गहलोत सरकार महंगाई राहत कैंप लगा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि गहलोत को जब महंगाई की इतनी ही चिंता थी, तो पहले राहत क्यों नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि अभी तक प्रशासन शहरों के संग और प्रशासन गांवों के संग अभियान सहित अन्य अभियानों और पिछली घोषणाओं का जो हश्र हुआ है, वही अब होने वाला है।

100 यूनिट बिजली देने के नाम पर छला

देवनानी ने कहा कि जनता को सौ यूनिट बिजली देने के नाम पर छला जा रहा है। फ्यूल चार्ज बढ़ाकर जनता पर चुपके से आर्थिक भार डाला जा रहा है। सरकार दुहाई दे रही है कि गर्मी में बिजली की खपत बढ़ गई है, इसलिए महंगी बिजली खरीद कर जनता को सप्लाई की जा रही है। उन्होंने गहलोत से सवाल किया कि वे आखिर कब तक झूठ बोल कर जनता को छलते रहेंगे। खपत बढ़ने के साथ गांवों और शहरी क्षेत्रों में बिजली की अघोषित कटौती शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी का सत्ता और संगठन का ढांचा मजबूत नहीं होता है, वह इसी तरह जनता को गुमराह करती है। कांग्रेस में सत्ता की लड़ाई पिछले साढ़े चार साल से चल रही है, जिसका खामियाजा जनता भुगत रही है।

सर्वे के नाम पर जनता को कर रहे गुमराह

देवनानी ने कहा कि जो पार्टी अभी तक राजस्थान के अनेक जिलों में अपने जिला अध्यक्ष नियुक्त नहीं कर सकी, यदि वह फिर से सत्ता में रिपीट होने के सपने देखे, तो इसे यही कहा जा सकता है कि अब गहलोत को ऐसे सपने देखना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बार जनता कांग्रेस को सत्ता से बाहर करने की ठान चुकी है और चुनाव की घोषणा होने का इंतजार कर रही है। गहलोत जो सर्वे कराने की बात कर रहे हैं, वह केवल जनता को गुमराह करने और अपनी नाकामियों को छिपाने के सिवाय कुछ भी नहीं है।

पायलट कर्नाटक चुनाव में स्टार प्रचारकों से आउट

कर्नाटक में गहलोत स्टार प्रचारक, पायलट को पंजाब उपचुनाव में प्रचार का जिम्मा

जयपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस में चल रही खींचतान के बीच सचिन पायलट को पार्टी ने कर्नाटक विधानसभा चुनावों में स्टार प्रचारक नहीं बनाया है। सीएम अशोक गहलोत कर्नाटक विधानसभा चुनावों में स्टार प्रचारक हैं। अब तक हर चुनाव में पायलट पार्टी के स्टार प्रचारक रहे हैं, यह पहला मौका है जब पायलट को विधानसभा चुनावों में स्टार प्रचारक नहीं बनाया है।

उधर पंजाब में जालंधर सीट पर हो रहे लोकसभा उपचुनाव में स्टार प्रचारकों की लिस्ट में सीएम अशोक गहलोत के साथ सचिन पायलट का भी नाम है। पंजाब में विधायक और प्रभारी हरीश चौधरी कार नाम भी स्टार प्रचारकों में है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में सचिन पायलट को स्टार प्रचारक नहीं बनाए जाने को लेकर कांग्रेस में कई तरह की चर्चाएं हैं। इसे पायलट के हाल के अनशन के रिजल्ट के तौर पर देखा जा रहा है।

पंजाब उपचुनाव में स्टार प्रचारक बनाने और कर्नाटक से नाम आउट होने के पीछे पाटीर् की अंदरूनी खींचतान को भी कारण माना जा रहा है।

कांग्रेस जानकारों के मुताबिक कर्नाटक में रणदीप सुरजेवाला प्रभारी है, पायलट और सुरजेवाला के सियासी रिश्ते तल्खी वाले हैं। पायलट के अनशन के साथ सुरजेवाला को भी पायलट के स्टार प्रचारकों की लिस्अ से बाहर होने का एक कारण माना जा रहा है।

6 हजार मीटर से गिरा अजमेर का युवक जिंदा मिला

न खाना-पीना, न पर्याप्त ऑक्सीजन; हिमालय के बर्फीले पहाड़ों के बीच काटे तीन दिन

अजमेर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमालय में स्थित दुनिया की दसवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट अन्नपूर्णा से लापता हुए अजमेर के पर्वतारोही अनुराग मालू तीन दिन बाद जिंदा मिल गए हैं। लोकेशन ट्रेस होने पर इंडियन आर्मी व नेपाल आर्मी के साथ अन्य संगठन उनकी तलाश कर रहे थे। गुरुवार सुबह करीब दस बजे सफलता मिली। उन्हें हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। रेस्क्यू की खबर के बाद किशनगढ़ में उनके घर पर परिवार ने राहत की सांस ली है।

पिता ओमप्रकाश मालू ने बताया- भगवान का शुक्र है कि बेटा सकुशल मिल गया।

उसे पोखरा के मणिपाल हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। अभी वह बात करने की स्थिति में नहीं है। उसकी हालत ठीक बताई जा रही है।

अनुराग मालू (34) 17 अप्रैल की सुबह कैंप-3 से उतरते समय लगभग लापता हो गए थे। वे 6000 मीटर ऊंचे पहाड़ों के बीच स्थित दरार में गिरे। उनके पास खाने-पीने का सामान भी बेहद कम था। इसके साथ ही बर्फीले पहाड़ के बीच ऑक्सीजन भी बेहद कम होती है। हड्डी गलाने वाली बर्फीली हवाओं के बीच 6 हजार मीटर की ऊंचाई से गिरने के बाद भी उन्होंने हौसला नहीं खोया और मौत को मात दे दी।

दरअसल, किशनगढ़ निवासी अनुराग मालू 24 मार्च को नेपाल के लिए रवाना हुए थे। किशनगढ़ से जयपुर और जयपुर से दिल्ली होते हुए काठमांडू गए थे। इसके बाद अनुराग ने पहाड़ पर चढ़ना शुरू किया था। 17 अप्रैल को मालू चढ़ाई के दौरान 6 हजार मीटर की ऊंचाई से गिर गए थे। अनुराग ने बीटेक किया है। वह युवाओं की काउंसिलिंग भी करता रहता है। छोटा भाई आशीष सीए है।

मारपीट कर दुकान में आग लगा दी

उत्तमादेसर में पहले दुकानदार के साथ मारपीट और बाद में आग लगाने वाले दो गिरफ्तार, दो की तलाश

बीकानेर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बीकानेर के उत्तमादेसर गांव में एक दुकान पर पहुंचकर पहले दुकानदार से मारपीट और इसके बाद दुकान जलाने वाले चार आरोपियों में दो को गिरफ्तार कर लिया है जबकि दो की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार उत्तममदेसर के बाबू लाल जाट ने 03 अप्रेल को एफआईआर दर्ज करवाई कि उसकी दुकान उत्तमामदेसर बस स्टैंड पर है। जिसमें परचून, खल चुरी, सब्जी ठंडे पेय पदार्थ व अन्य घरेलू सामान की बिक्री होती है। बाबूलाल अपने भाई हरिकिशन दुकान मे बैठे थे तो मेरी दुकान में धनराज गिरी, मनोज लुहार, व तीन अन्य आए और मारपीट शुरू कर दी। मनोज ने बाबू लाल की पीठ पर पाईप से वार किया तथा उसके साथ धनराज गिरी ने पाईप लेकर पैरों पर मारपीट की। उसके साथ तीन और युवकों ने भी मारपीट की। हरिकिशन ने बाहर जाकर हल्ला किया तो धनराज ने अपने साथ लाई बोतल से दुकान मे पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। वहां से दो मोटर साईकिलों पर सवार होकर कुचौर आथुणी की तरफ भाग गए। आग से पंखा, फ्रीज, कांटा, गुटखा व कुछ हिसाब किताब की डायरिया आग से जल गयी थी। जिस पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान श्री भागीरथ राम सउनि को सुपुर्द किया गया।

इस मामले में को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने धरपकड़ शुरू की। अब धनराज गोस्वामी उम्र 20 साल निवासी उतमामदेसर और मनोज लुहार उम्र 22 साल निवासी उतमामदेसर को हैदराबाद से गांव आते समय कुचोर आथूणी में गिरफ्तार किया गया। प्रकरण आरोपी किशन लाल जाट और कुलदीप निवासी नोहर को नामजद किया गया है।

राजस्थान में करोड़ों के कोयले की चोरी: छह जिलों में 13 जगहों पर रेड मारकर पकड़ा; 19 से ज्यादा लोग गिरफ्तार

जयपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस की सीआईडी सीबी टीम ने देर रात 6 जिलों में 13 जगहों पर छापेमारी की। इस दौरान बड़ी मात्रा में अच्छी क्वालिटी का कोयला जब्त किया गया। जो गांधी धाम के कांडला पोर्ट (गुजरात) पर उतरता है। फिर राजस्थान से होता हुआ पंजाब, जम्मू कश्मीर और दिल्ली समेत अन्य राज्यों तक पहुंचता है। इस कोयले का इस्तेमाल बिजली बनाने से लेकर सीमेंट बनाने में किया जाता है।

एडीजी क्राइम ने बताया- उन्हें बाहरी राज्यों से सूचना मिली की राजस्थान के अलग-अलग जिलों में बदमाशों ने कोयले के अवैध डिपो बना रखे हैं। जहां पर ये लोग कंटेनर की सील तोड़कर 30 प्रतिशत अच्छी क्वालिटी का कोयला निकाल कर उसमें खराब क्वालिटी का कोयला डाल देते हैं। इसके बाद हूबहू दिखने वाली सील को कंटेनर में लगाकर उसे आगे भेज देते हैं।

सूचना मिलने पर पुलिस टीमों को एक्टिव कर फील्ड में भेजा गया। कुछ दिन की रैकी के बाद देर रात सीआईडी सीबी की टीम ने रेड की। यह रेड जालोर, बाड़मेर, जोधपुर कमिश्नरेट, जोधपुर ग्रामीण, बीकानेर और पाली जिले में की गई। इस दौरान पुलिस ने कई बदमाशों को पकड़ कर उनके पास से लग्जरी कार सहित बड़े वाहन भी जब्त किए। इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने 19 से अधिक लोगों को मौके से गिरफ्तार किया है।

इस तरह चलता था बेमानी का पूरा खेल

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि कांडला पोर्ट से हर दिन 500 से 600 कंटेनर राजस्थान होते हुए जाते हैं। इनमें से करीब 150 कंटेनरों के ड्राइवर्स का इन बदमाशों के साथ सम्पर्क हैं। ट्रक हाईवे के पास बने हुए डिपो में जाकर खड़ा होता। एक आदमी कंटेनर में लगी हुई सील को तोड़ता है। दूसरा कंटेनर में रखा हुआ अच्छी क्वालिटी का कोयला 30 प्रतिशत उतार लेता है। इसके बाद हल्की क्वालिटी का कोयले को इस कंटेनर में मिक्स कर दिया

जाता है। वजन पूरा होने के बाद पहले वाला व्यक्ति कांडला पोर्ट में लगी सील जैसी नकली सील को दोबारा कंटेनर में लगाकर आगे रवाना कर देता है। ड्राइवर के खाना खाने के ब्रेक के दौरान आधे घंटे में चोरी कर लिया जाता है। इससे अगर जीपीएस में भी इन्हे लोकेट किया जाए तो वह बता सके की वह खाना खाने के लिए रुके हुए थे।

एक कंटेनर में 10 लाख रुपए का कोयला एक बार में जाता हैं। ये बदमाश कंटेनर से 30 प्रतिशत माल निकाल लिया करते है। इसकी कीमत 3 लाख रुपए होती हैं। ऐसे हर दिन राजस्थान से निकलने वाले 150 कंटेनरों के साथ यही होता हैं। बाद में ये लोग इस हाई क्वालिटी के कोयले को अच्छी कीमत पर बाजार में बेचा करते हैं।

ऐसे पकड़ में आई चोरी

पंजाब,दिल्ली और जम्मू कश्मीर में कोयला का उपयोग करने वाले व्यापारियों को पता चला कि कांडला पोर्ट से आ रहे कोयले में खराबी आ रही हैं। चैक किया गया तो पता चला कि कुछ कंटेनरों का माल ही खराब आ रहा हैं। अच्छी क्वालिटी के कोयले में जब लो क्वालिटी का कोयला मिक्स होता है। अच्छी क्वालिटी के कोयले को भी खराब कर देता हैं। अच्छी क्वालिटी के कोयले में गर्म रहने की ताकत अधिक होती है लेकिन लोकल कोयला जल्द ही राख में बदल जाता हैं। जब मिक्स कंटेनर के कोयले को तपाया जा रहा था तो उसकी क्षमता अन्य कंटेनरों के मुकाबले आधी से भी कम थी। जिस पर व्यापारियों की शक हो गया था कि कोयले में मिलावट आ रही हैं।

पुलिस रेड के दौरान यह हुई पुलिस की ओर से जब्ती

सीआईडी सीबी जयपुर की टीम ने कोयले की चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 6 जिले जालोर, पाली, बाड़मेर, बीकानेर, जोधपुर शहर और जोधपुर ग्रामीण में 13 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने 10 एफआईआर दर्ज कर 19 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही हैं।

पुलिस टीम को मौके पर 3 एलएनटी मशीन, 6 जेसीबी मशीन, 13 ट्रक और ट्रेलर, 5 लोडर,2ट्रैक्टर, 7 माल तोलने की मशीन,7टैंकर, कोयला लगभग 1850 टन, दमूर - 20 ड्रम, नोट गिनने की मशीन - 1 सहित डुप्लीकेट सील मिली जिसे जब्त कर लिया गया हैं।

मीर आलम ईदगाह में ईद की नमाज के लिए व्यापक इंतजाम

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य वक्फ बोर्ड के अधिकारियों ने विभिन्न सरकारी विभागों के प्रतिनिधियों के साथ ईदगाह मीर आलम का दौरा किया और ईद उल फितर की नमाज के लिए की जा रही व्यवस्था का निरीक्षण किया।

टीएस वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष मोहम्मद मसीउल्लाह खान ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि मीर आलम ईदगाहमें ईद उल फितर की नमाज में लगभग 2 लाख लोग शामिल होते हैं और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर नमाज के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहा है। व्यवस्था को कारगर बनाने के लिए स्थानीय जीएचएमसी, एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी, टीएसआरटीसी के अधिकारियों और स्थानीय पुलिस के साथ एक बैठक आयोजित की गई।

मसीउल्लाह खान ने कहा कि एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी कार्यक्रम स्थल पर स्नान और पीने के उद्देश्य के लिए पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था करेगा। जीएचएमसी स्वच्छता और सड़कों का ध्यान रख रहा है, जबकि टीएसआरटीसी शहर के विभिन्न हिस्सों से ईदगाह मीर आलम के लिए विशेष बस सेवाएं चलाएगा। निरीक्षण के दौरान एआईएमआईएम पार्टी के विधायक मोहम्मद मोआजम खान और कौसर मोहिउद्दीन भी मौजूद थे।

शुक्रवार नमाज के मद्देनजर ट्रैफिक डायवर्जन आज

21 अप्रैल को मक्का मस्जिद, हैदराबाद और जमी-ए-मस्जिद, सिकंदराबाद में जुम्मत-उल-विदा (रमजान महीने के आखिरी शुक्रवार) की नमाज के सिलसिले में चारमीनार के बीच मुख्य सड़कें और मदीना, चारमीनार और मुर्गी चौक और चारमीनार और राजेश मेडिकल हॉल, शालिबंदा 21 अप्रैल को 0900 बजे से 1500 बजे तक सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन के लिए बंद रहेंगे। यातायात को डायवर्ट किया जाएगा। नयापुल की ओर से चारमीनार की ओर आने वाले वाहनों को मदीना जंक्शन से सिटी कॉलेज की ओर मोड़ा जाएगा। नागुलचिन्था/शालीबंडा क्षेत्रों से चारमीनार की ओर आने वाले यातायात को हिम्मतपुरा जंक्शन से हरि बौली और वोल्गा होटल टी जंक्शन (खिलवत की ओर) की ओर मोड़ा जाएगा। कोटला अलीजा से चारमीनार की ओर आने वाले यातायात को चौक मैदान खां से हाफिज डंका मस्जिद व अरमान होटल की ओर डायवर्ट किया जाएगा। मूसाबौली इलाके से चारमीनार की ओर आने वाले ट्रैफिक को मोतीगल्ली से खिलवाठ मैदान, राजेश मेडिकल हाल शालिबंदा और फतेह दरवाजा रोड की ओर मोड़ा जाएगा।

एतेबार चौक इलाके से गुलजारहाउस की तरफ आने वाले ट्रैफिक को एतेबार चौक से मंडी मिरालम मार्केट या बीबी बाजार की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। मिट्टी के शेर से आने वाले ट्रैफिक को गुलजार हाउस की ओर नहीं जाने दिया जाएगा और इसे मिट्टी के शेर जंक्शन से घांसी बाजार की ओर मोड़कर हाई कोर्ट रोड/खिलवाथ पहुंचा दिया जाएगा। डबीरपुरा (पुराना एपीएटी) की ओर से आने वाले यातायात को लक्कड़-कोटे की ओर मोड़ दिया जाएगा और यदि आवश्यक हो तो (पुराने सीपी कार्यालय लेन) की ओर मंडी मिर्लम बाजार की ओर भेजा जाएगा।

दक्षिण क्षेत्र में पार्किंग स्थल

मदीना, पाथरगट्टी से आने वाले भक्त अपने वाहनों को गुलज़ार फंक्शन हॉल में पार्क करेंगे (इस फंक्शन हॉल में पार्किंग की व्यवस्था ट्रैफिक इंस्पेक्टर पीएस मीरचौक को करनी होगी)। याकूतपुरा-नूरखान बाजार, तालाबकट्टा और दबीरपुरा से आने वाले श्रद्धालु अपने वाहन मुफीद उल अनम ग्राउंड में पार्क करेंगे। चंद्रायनगुट्टा और फलकनुमा क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालु अपने वाहन चारमीनार बस टर्मिनल पर पार्क करेंगे। संतोषनगर, तालाब कट्टा व मोघलपुरा से आने वाले श्रद्धालु अपने वाहन एयू अस्पताल की पार्किंग में पार्क करेंगे। मिश्रीगंज, फतेह दरवाजा, हुसैनी आलम व पूरानापूल की ओर से आने वाले श्रद्धालु खिलवत मैदान में अपने वाहन खड़े करेंगे। मक्का मस्जिद के पश्चिमी तरफ यानी किशनबाग बहादुरपुरा हुसैनुई आलम से आने वाले ट्रैफिक अपने वाहनों को उपरोक्त पार्किंग स्थलों पर खड़ा करेंगे। सिकंदराबाद में सुभाष रोड (एमजी रोड पर महाकाली पीएस और रामगोपालपेट रोड जंक्शन के बीच) सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक वाहनों के आवागमन के लिए बंद रहेगा। रोचा बाजार से रानीगंज तक यातायात मुक्त रहेगा।

बाटा क्रॉस रोड से सुभाष रोड की ओर आने वाले ट्रैफिक को महाकाली थाने से डायवर्ट किया जाएगा। ये प्रतिबंध आरटीसी बसों पर भी लागू होते हैं। चारमीनार की ओर जाने वाली सिटी बसों को अफजलगंज में रोक दिया जाएगा। एमजीबीएस, इमलीबुन से नयापूल, मदीना होते हुए जिलों को जाने वाली आरटीसी बसें (रायलसीमा सेक्टर) चादरघाट रोटरी नालगोंडा क्रॉस रोड-चंचलगुडा-सैदाबाद टी जंक्शन-आईएस सदन-डीएमआरएल जंक्शन-मिधानी जंक्शन-एमबीएनआर फ्लाई ओवर-बंडलागुडा-आरामघर की ओर जाएंगी।

जी. सुधीर बाबू, पुलिस आयुक्त, यातायात ने कहा कि नागरिकों से अनुरोध है कि प्रतिबंधों पर ध्यान दें और हैदराबाद यातायात पुलिस के साथ सहयोग करें। आने-जाने में किसी भी असुविधा के मामले में ट्रैफिक हेल्पलाइन 9010203626 पर कॉल करें।

सीएस ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हरिता हारम की तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि आगामी हरिता हरम के दौरान, सिंचाई विभाग से संबंधित भूमि में हरियाली को बढ़ाने के लिए गतिविधियों को डिज़ाइन किया जाना चाहिए।

मुख्य सचिव ने बीआरकेआर भवन में संबंधित विभागों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हरितहाराम पर तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार, सिंचाई विभाग के तहत सभी खाली क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पौधे लगाए जाने चाहिए। मुख्य सचिव ने सिंचाई, पंचायत राज और वन विभाग के अधिकारियों से सुम्पा वानालु (धन वन) बनाने के लिए स्वच्छ ऑक्सीजन प्रदान करने के लिए कहा, हरियाली को बढ़ाने के साथ आस -पास के गांवों के लोगों का समर्थन करने के लिए पेड़ों को प्रभावित करने वाले फलों का वृक्षारोपण किया। उन्होंने कहा कि साइट निरीक्षण के लिए तीन विभागों के क्षेत्र स्तर के अधिकारियों के साथ विशेष टीमों का गठन किया जाना चाहिए। नहरों के साथ सिंचाई परियोजनाओं के पास खाली स्थानों की पहचान करने के साथ, सभी नहरों के साथ एवेन्यू बागान के लिए सुरक्षात्मक उपाय किए जाने चाहिए। सीएस ने कहा कि जहां भी उपलब्ध है, ब्लॉक प्लांटटेशन को लिया जाना चाहिए और आस -पास के गांवों के लोगों और किसानों के सहयोग को भी लिया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए हर किसी की ज़िम्मेदारी है कि पौधे लगाए गए एक बार अच्छी तरह से बढ़े। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि हरिता हराम के दौरान बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जाना चाहिए। उन्होंने वन भूमि में किए गए हरिता वानालू बागान कार्यक्रम की प्रगति की भी समीक्षा की। उसने कहा कि आने वाले सीज़न में सभी हरिता वानालू में लक्ष्य प्राप्त किए जाने चाहिए।

योगी डॉ.गिरीवरनाथजी महाराज का नगरागमन 22 को

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। परम् पूज्य तपस्वी गुरुदेव 1008 मारवाड़ राजगुरु आयस योगी डॉ.गिरीवरनाथजी महाराज शनिवार 22 अप्रैल प्रात: 6 बजे हैदराबाद राजीव गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। जहाँ पर मारवाड़ विधानसभा के छत्तीस कोम प्रवासी बन्धुओं द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में मुख्य आयोजक पारसनाथ चौहान व मोहनलाल सीरवी ने बताया कि भाग्यनगर तेलंगाना की पावन धरा पर मारवाड़ जंक्शन विधायक उम्मीदवार डॉ.गिरीवरनाथजी महाराज 22 अप्रैल को नगर पधार रहे है। एयरपोर्ट पर उनका विशेष स्वागत किया जाएगा। डॉ.योगी गिरीवरनाथजी महाराज प्रियादर्शनी कॉलनी कोवकुर मे विश्रामकर मारवाड़ विधान सभा छत्तीस कोम प्रवासी बन्धुओं से मुलाकात करेंगे। रविवार 23 अप्रैल सायं 7.15 बजे से बाबा रामदेव मंदिर मच्छा बोलारम, ओल्ड अलवाल में जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमे लक्ष्मण सुथार बालोतरा भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। जागरण के मध्य नगर पधारे डॉ.गिरीवरनाथजी महाराज का प्रवचन व आगामी विधान सभा चुनाव के लिए अपनी रणनीती पर विचार-विमर्श एवं मारवाड़ जंक्शन छत्तीस कोम प्रवासी बन्धुओं द्वारा विशेष सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर पधारे प्रवासी बन्धुओं के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम मुख्य आयोजक पारसनाथ चौहान ने छत्तीस कोम समाज बन्धुओं से कार्यक्रम का लाभ लेने का आग्रह किया है।

प्रेरणा संस्था द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर 22 को

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य ही जीवन है और जीवन को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए इसका नियमित रूप से बीपी वह शुगर चेक करते रहना चाहिए। इसी उद्देश्य को लेकर प्रेरणा संस्था द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर 22 को रखा गया है।उक्त जानकारी को देते हुए प्रेरणा संस्था की संस्थापिका श्रीमती पूजा गुप्ता ने बताया कि संस्था द्वारा अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर मॉर्निंग वॉकर्स के लिए मेडिकोवर हॉस्पिटल के सौजन्य से इंदिरा पार्क में नि:शुल्क बीपी, शुगर, वेट मेजरमेंट चेक किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जीएचएमसी की डेप्युटी मेयर श्रीमती श्रीलता शोभन रेड्डी उपस्थित रहेंगी। कमिश्नर ऑफ पुलिस सीवी आनंद ने कार्यक्रम की सफलता हेतु अग्रिम शुभकामनाएं दी हैं।

अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन अग्निशमन विभाग ने किया। बीते 14 अप्रैल से अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान विभाग ने फायर ड्रिल और प्राथमिक चिकित्सा का संचालन किया। हाईराइज इमारतों/मॉल में फायर फाइटिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम्स का आयोजन किया गया। इसके अलावा अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों में अग्नि रोकथाम व्याख्यान/प्रदर्शन किया गया।

एलपीजी सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा और पर प्रकाश डालने के लिए आवासीय अपार्टमेंट/कालोनियों में जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के क्रम में गृह मंत्री ने पोस्टर जारी किया। स्टेट ट्रेनिंग स्कूल में फायर कर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई। रक्तदान शिविरों ने तेलंगाना राज्य में विभिन्न अग्निशमन स्टेशनों में रक्तदान शिविर, जीएचएमसी में वाहन रैली 60 किलोमीटर की दूरी तक निकाली गई। गुरूवार को नगर के एक होटल में होटल फायर सेफ्टी पर कार्यशाला आयोजित की गई। राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्नि सेवा, हैदराबाद के विभिन्न कार्यक्रमों में वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

विश्वमंगल गौशाला में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वमंगल गौशाला में वैशाख अमावस्या पर सभी 36 कॉम गौभक्तों ने तन मन धन से सहयोग किया और सुंदर सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर लक्ष्मण सुथार, लिकमाराम, लुंबाराम सीरवी, प्रकाश भायल, सवाईराम सुथार, खेताराम सीरवी, दिनेश कोलू, विशनाराम सुथार, प्रभुराम सुथार, जबराराम प्रजापत, देवाराम परायरिया, जसराज सुथार, भोमाराम सुथार, विकास, नवदीप, कानाराम सुथार, गोगाराम सुथार, मोहनलाल सीरवी, कुन्नाराम सीरवी, गेनाराम मुलेवा, गंगाराम, जसराज, ओमप्रकाश सुथार उपाथित रहे। विश्वमंगल गौशाला के सचिव शांतिलाल सुथार, धर्माराम सुथार एवं दलपत सिंह ने धन्यवाद प्रकट किया।

मंचेरियल में लटका मिला दिहाड़ी मजदूर

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भीमाराम मंडल के पोथनपल्ली गांव में गुरुवार को एक 41 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर फांसी पर लटका मिला। भीमाराम सब-इंस्पेक्टर जी सुधाकर ने कहा कि धारावत राजेश पर संदेह है कि उसने खुद को फांसी लगा ली क्योंकि वह छह महीने पहले पेट दर्द का पता लगाने में असमर्थ था। राजेश का शव गांव के बाहरी इलाके में आम के बगीचे में पेड़ से लटका मिला। उनकी पत्नी रमादेवी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

एनएमडीसी में मासिक हिंदी प्रतियोगिता सम्पन्न

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। देश में मनाए जा रहे अमृत महोत्सव के अवसर पर भाषायी आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने एवं राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में त्वरित गति से वृद्धि हेतु एनएमडीसी लिमिटेड, हैदराबाद में लागू मासिक हिंदी प्रतियोगिता योजना के अंतर्गत हिंदी टिप्पण एवं शब्दावली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता हिंदीभाषी तथा हिंदीतर भाषी कार्मिकों के लिए पृथक रूप से आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्मिकों ने रुचि के साथ प्रतिभागिता की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में रुद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने कार्यक्रम के अध्यक्ष एस. महेश नायर, महाप्रबंधक (कार्मिक) एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा प्रतियोगिता के विषय में संक्षिप्त जानकारी देते हुए बताया कि आज की हिंदी टिप्पण एवं शब्दावली प्रतियोगिता एक लिखित प्रतियोगिता है। इस प्रतियोगिता में पूछे गए प्रश्नों के अभ्यास से प्रतिभागियों को अपने दैनिक कार्यालयीन कामकाज को निपटाने में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए एस. महेश नायर, महाप्रबंधक (कार्मिक) ने सभी उपस्थित प्रतिभागियों का अभिनन्दन करते हुए कहा कि प्रसन्नता का विषय है कि एनएमडीसी में राजभाषा हिंदी का प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है। कार्यालयों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग बोलचाल के अतिरिक्त लिखित रूप में अधिक होता है इसलिए आज की यह प्रतियोगिता राजभाषा हिंदी के कार्यालयीन प्रयोग में सहायक सिद्ध होगी। कार्यक्रम के अध्यक्ष द्वारा मार्च, 2023 में सम्पन्न हिंदी मासिक प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया गया है। इसे देखते हुए इस अवसर पर मिलेट्स का महत्व बताया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता पुरस्कार के रूप में विभिन्न प्रकार के मिलेट्स के पैकेट वितरित किए गए।

प्रतियोगिता का संचालन डॉ. रजिन्दर कौर, प्रबंधक (राजभाषा) ने किया तथा आयोजन में राजेश कुमार गोंड, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), एस.के. सनोडिया, सहायक प्रबंधक (सचिवीय) एवं सुश्री के. सौम्या, अप्रेंटिस प्रशिक्षु ने सहयोग प्रदान किया।

अमावस्या पर बजरंगसेना ने इमलीबन गौशाला में गोसेवा की। उपस्थित हैं एनआर लक्ष्मण राव, मनोज, रजनी, काजल, शैलजा, सुनील अग्रवाल व अन्य।

डॉ. जीएस मेलकोटे पार्क के लाफ्टर क्लब द्वारा गणेश प्रतिमा चित्र बनाने की प्रतियोगिता के अवसर पर उपस्थित सुषमा शाह, भूषण व क्लब के सदस्य।

अमावस्या पर बापूजी नगर श्रीदेवी नल्ला पोचम्मा मंदिर में आयोजित अन्न दान कार्यक्रम में भाग लेते हुए छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जेपी, पूर्व मार्केट कमेटी अध्यक्ष टीएन श्रीनिवास, जहांगीर, दुर्गय्या, प्रेम मुदिराज, रामू गौड़, गोपी, शशि, क्रांति, अरुण, ज्वाला व अन्य।

अमावस्या पर इमलीबन गौशाला, गौलीगुड़ा में गोसेवा करते हुए ए. गौतम जैन, गजानंद चौधरी, पी. राजेंद्र यादव, महेश अग्रवाल, रघुनंदन गोप, विष्णु यादव व अन्य।

तेलंगाना में गुरुवार को मिले 52 कोविड पॉजिटिव मिले

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को 52 कोविड-सकारात्मक संक्रमणों की सूचना दी, जिनमें से कुल 23 हैदराबाद से थे, दो-दो मामले आदिलाबाद, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, रंगारेड्डी, सिद्दीपेट और वारंगल ग्रामीण से हैं। जगित्याल, जोगुलम्बा गडवाल, कामारेड्डी, करीमनगर, महबूबनगर, मनचेरियल, महबूबाबाद, मनचेरियल, मेडक, मेडचल-मलकजगिरी, नागरकुर्नूल, नलगोंडा, निजामाबाद, राजन्ना सिरिसिला, संगारेड्डी, विकाराबाद, हनुमाकोंडा और यदाद्री भोंगीर से एक-एक सकारात्मक मामले सामने आए। गुरुवार को ठीक होने वालों की कुल संख्या 99.48 प्रतिशत की रिकवरी दर के साथ 45 थी। तेलंगाना में अब तक कोविड पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या 8,43,157 है, जबकि ठीक होने वालों की संख्या 8,38,747 तक पहुंच गई है।

पेंशनरों ने की जीवन प्रमाण पत्र के कार्यान्वयन की मांग

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद कैंटनमेंट बोर्ड के पेंशनरों ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी मधुकर नाईक से उनके कार्यालय में मुलाकात की। वरिष्ठतम नागरिक पेंशनरों ने सभी पेंशनरों के लिए जीवन प्रमाण के कार्यान्वयन के संबंध में उनके ध्यान में लाया, जो बड़े पैमाने पर योग्य पेंशनरों को राहत देगा, जिन्हें हर साल व्यक्तिगत रूप से कार्यालय आने में बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। सीईओ ने जल्द ही एक विशिष्ट ऐप बनाकर इसे लागू करने का आश्वासन दिया। जब पेंशनरों ने पेंशनरों के लिए आईडी कार्ड जारी करने का अनुरोध किया, तो उन्होंने पेंशन प्रभारी वेंकट रमना को 2021 से लंबे समय से लंबित इस मुद्दे को गति देने का निर्देश दिया। इस अवसर पर पूर्व आफिस सुप्रींनटेंडेंट श्रीमती सविता, रीता कुमारी, चारी आदि उपस्थित रहे।

मकान में आग लगने से 20 लाख की संपत्ति जलकर राख

कुमरभीम आसिफाबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरमभीम आसिफाबाद जिले में रेब्बेना मंडल के नंबाला गांव में बुधवार आधी रात को बिजली के शॉर्ट सर्किट से घर में आग लगने की घटना घटी। परिजनों व स्थानीय लोगों के अनुसार नंबाला गांव के रहने वाले पुदारी राजाया के घर में बिजली के शार्ट सर्किट से आग लग गई। और देखते ही देखते आग पूरे मकान में लगने लगी। यह देखकर परिजन व स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया। और फायर स्टेशन को इसकी सूचना देने पर फायर स्टेशन की गाड़ी आकर आग को बुझाने का प्रयास लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और आग लगने के कारण राजस्व अधिकारियों का अनुमान है कि लगभग 20 लाख की संपत्ति का नुकसान हुआ होगा। उसमें लगभग 80 क्विंटल कपास, 12 तोला सोना, 5 लाख रुपये और नकदी पूरी तरह से जलकर राख हो गए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

... तो जलवायु ...

समग्रता का ये बुद्ध मंत्र ही एकमात्र रास्ता है।

भारत सभी के साथ खड़ा :

इस दौरान आपदाओं को लेकर भी पीएम मोदी ने बात की। उन्होंने कहा कि दुनिया के अलग-अलग देशों में शांति अभियान हों या तुर्किए में भूकंप जैसी आपदा हो। भारत अपना पूरा सामर्थ्य लगाकर हर संकट में सभी के साथ खड़ा होता है। बुद्ध का मार्ग है- परियक्ति, पटिपत्ति और पटिवेध यानी सिद्धांत, अभ्यास और अहसास। पिछले 9 वर्षों में भारत इन तीनों ही बिन्दुओं पर तेजी से आगे बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि बुद्ध व्यक्ति से आगे बढ़ कर एक बोध हैं, बुद्ध स्वरूप से आगे बढ़कर एक सोच हैं, बुद्ध चित्रण से आगे बढ़कर एक चेतना हैं और बुद्ध की ये चेतना चिरंतर है। यह सोच शाश्वत है, ये बोध अविस्मरणीय है। इसलिए आज अलग-अलग देशों से, भौगोलिक-सांस्कृतिक परिवेश से लोग यहां एक साथ उपस्थित हैं। पीएम ने कहा कि यही भगवान बुद्ध का वो विस्तार है जो पूरी मानवता को एक सूत्र में जोड़ता है।

30 देशों के 171 प्रतिनिधि शामिल :

इस दो-दिवसीय वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन का विषय समकालीन चुनौतियों के प्रति प्रतिक्रिया : दर्शन से अभ्यास तक है। इस शिखर सम्मेलन में लगभग 30 देशों के लगभग 171 प्रतिनिधि और भारतीय बौद्ध संगठनों के 150 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। दुनिया भर के प्रतिष्ठित विद्वान, संघ के नेता और धर्म के अनुयायी भी इसमें भाग लिया।

शादी के लिए ...

वे संबंधों में भी स्थिर होंगे। सीजेआई की यह टिप्पणी विवाह में सुधार के लिए सरकार के विरोध के बीच आई है। सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ताओं की अपील "शहरी संभ्रांतवादी विचार" का परिणाम है। साथ ही कहा कि इस मामले पर बहस करने के लिए संसद सही मंच है।

मोदी सरकार ने याचिका को दी है चुनौती :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने याचिकाकर्ताओं की अपील को चुनौती दी है। याचिकाकर्ताओं में कुछ समलैंगिक जोड़े भी शामिल हैं। सरकार ने इस आधार पर चुनौती दी है कि समलैंगिक विवाह पति, पत्नी और बच्चों के साथ भारतीय परिवार की अवधारणा के साथ तुलना योग्य नहीं हैं।

सरकार ने रविवार को सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामे में कहा था कि ये याचिकाएं केवल शहरी अभिजात्य विचारों को दर्शाती हैं, जिसकी तुलना उपयुक्त विधायिका से नहीं की जा सकती है, जो व्यापक पहुंच के विचारों और आवाजों को दर्शाती है और पूरे देश में फैली हुई है।

हाल के महीनों में इस मामले में अदालत में कम से कम 15 अपील दायर की गई हैं। इनमें कहा गया है कि कानूनी मान्यता के बिना कई समलैंगिक जोड़े अपने अधिकारों का उपयोग नहीं कर सकते हैं, जैसे कि चिकित्सा सहमति, पेंशन, गोद लेने या यहां तक कि क्लब सदस्यता से जुड़े अधिकार।

कोहली की कप्तानी में 24 रन से जीता बेंगलुरु

सीजन की तीसरी जीत हासिल की, प्लेसिस-कोहली की फिफ्टी के बाद सिराज की दमदार गेंदबाजी

चंडीगढ़, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मोहम्मद सिराज ने चार विकेट चटकाए। उन्होंने अथर्व तायड़े, लियाम लिविंगस्टोन, हरप्रीत बरार और नाथन एलिस के विकेट लिए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग-2023 के 27वें मुकाबले में पंजाब किंग्स को 24 रनों से हरा दिया है। इस मैच में विराट कोहली बेंगलुरु की कप्तानी कर रहे थे।

यह बेंगलुरु की इस सीजन की तीसरी जीत है। टीम पॉइंट्स टेबल के 5वें नंबर पर आ गई है। चंडीगढ़ के पीसीए आईएस बिंद्रा स्टेडियम में पंजाब ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। बेंगलुरु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 174 रन बनाए। जवाब में पंजाब 18.2 ओवर में 150 रन पर ऑलआउट हो गई।

मैच के टार्निंग पॉइंट्स

पहलाः सिराज की गेंदबाजी मोहम्मद सिराज ने सटीक गेंदबाजी की। पहले उन्होंने पंजाब को पावरप्ले में दो झटके दिए। उसके बाद 18वें ओवर में दो विकेट चटकाकर जीत की ओर बढ़ रही पंजाब की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। पंजाब ने लगातार विकेट 175 रन के टारगेट का पीछा करते हुए पंजाब ने लगातार विकेट गंवाए। टीम के टॉप ऑर्डर और मिडिल ऑर्डर में कोई बड़ी साझेदारी नहीं हो सकी। टीम की सबसे बड़ी साझेदारी 41 रनों की रही, जो जितेश शर्मा और हरप्रीत बरार के बीच 8वें विकेट के लिए हुई। ओपनिंग पार्टनरशिप विराट कोहली और फाफ डु प्लेसिस ने 137 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। बेंगलुरु का पहला विकेट 17वें ओवर की पहली बॉल पर गिरा। इस पारी में पंजाब के गेंदबाज नाकाम रहे।

ऐसे गिरे पंजाब के विकेट...

पहला : पहले ओवर की दूसरी बॉल पर सिराज ने अर्थव तायड़े को एलबीडब्ल्यू कर दिया। दूसरा : वनिंदु हसरंगा ने मैथ्यू शॉर्ट को तीसरे ओवर की पहली बॉल पर बोल्ड कर दिया। तीसरा : मोहम्मद सिराज ने चौथे ओवर की दूसरी बॉल पर लिविंगस्टोन को एलबीडब्ल्यू किया। चौथाः छठे ओवर की तीसरी बॉल पर सिराज ने हरप्रीत भाटिया को रनआउट कर दिया। पांचवां : 10वें ओवर की 5वीं बॉल पर सैम करेन रनआउट हुए। उन्हें हसरंगा ने रनआउट किया। छठा : 12वें ओवर की तीसरी बॉल पर वेन पार्नेल ने प्रभसिमरन सिंह को बोल्ड कर दिया।

सातवां : 13वें ओवर की 5वीं बॉल पर वनिंदु हसरंगा ने शाहरुख खान को दिनेश कार्तिक के हाथों स्टंप कराया। आठवां : 18वें ओवर की तीसरी बॉल पर सिराज ने हरप्रीत बरार को बोल्ड कर दिया। नौवां : 18वें ओवर की आखिरी बॉल पर सिराज ने नाथन एलिस को बोल्ड कर दिया। दसवां : 19वें ओवर की दूसरी बॉल पर हर्षल पटेल जितेश शर्मा को शहबाज अहमद के हाथों कैच कराया। पावरप्ले में पंजाब को शुरुआती झटके लगे। टीम ने 49 रन बनाने में चार विकेट गंवा दिए। मोहम्मद सिराज ने बेंगलुरु को दो विकेट दिलाए।

चंडीगढ़ के पीसीए आईएस बिंद्रा स्टेडियम में पंजाब ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। बेंगलुरु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 174 रन बनाए। विराट कोहली और फाफ डु प्लेसिस ने 137 रन की ओपनिंग साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत तो दिलाई, लेकिन स्कोर को 200 पार नहीं पहुंचा सके। फाफ डुप्लेसिस ने 84 रन और कप्तान विराट कोहली ने 59 रन बनाए। शेष कोई भी बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सका।

केएल राहुल के 2 कैच छूटे:आथिया चियर करने पहुंचीं

बटलर ने लगाया सीजन का दूसरा सबसे लंबा छक्का

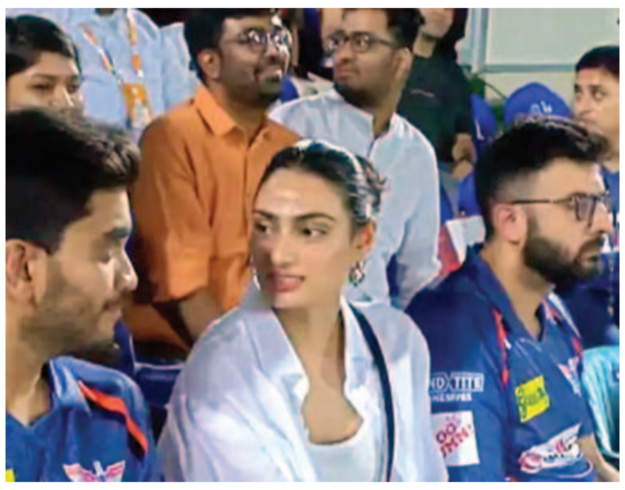

जयपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल-16 में बुधवार रात खेले गए रोमांचक मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स ने राजस्थान रॉयल्स को उसी के घरेलू मैदान पर 10 रन से हराया। राजस्थान चार साल बाद अपने घर में खेल रही थी।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में एलएसजी के कप्तान केएल राहुल के 2 कैच छूटे। उन्हें कुल तीन जीवनदान मिले। राहुल को सपोर्ट करने के लिए उनकी पत्नी आथिया शेट्टी स्टेडियम पहुंची थीं। वहीं, राजस्थान के ओपनर जोस बटलर ने सीजन का दूसरा सबसे लंबा सिक्स लगाया। मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स इस खबर में हम जानेंगे।

केएल राहुल के 2 कैच छूटे

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल को पावरप्ले के दौरान 2 जीवनदान मिले। जायसवाल-होल्डर ने उनके कैच ड्रॉप किए। चौथे ओवर में संदीप बॉलिंग कर रहे थे। पहली बॉल पर बोल्ट ने फुल लेंथ बॉल फेंकी। इसे राहुल ने उठाते हुए एक्स्ट्रा कवर की ओर खेला। वहां यशस्वी जायसवाल मौजूद थे, लेकिन उन्होंने कैच ड्रॉप कर दिया। राहुल का दूसरा कैच बोल्ट ने अपने ही गेंद पर छोड़ा। पांचवें ओवर की आखिरी बॉल पर बोल्ट ने ऑफ स्टंप पर फुल लेंथ बॉल फेंकी। राहुल ने शॉट मिसटाइम किया और मिड ऑफ पर शॉट खेला। होल्डर ने दौड़ते हुए कैच लेने की कोशिश की, लेकिन बॉल उनके हाथों से छिटक गई।

बटलर ने लगाया सीजन का दूसरा सबसे लंबा सिक्स

युद्धवीर सिंह के 5वे ओवर की चौथी बॉल पर बटलर ने डीप मिड विकेट की ओर शॉट खेला और 112 मीटर का छक्का लगा दिया। यह सीजन का दूसरा सबसे लंबा सिक्स था। पहले नंबर पर फाफ डु प्लेसिस हैं। उन्होंने 115 मीटर का सिक्स लगाया था।

अथिया शेट्टी राहुल को चियर करने पहुंची

अथिया शेट्टी अपने पति और लखनऊ के कप्तान केएल राहुल को चियर करने जयपुर के SMS स्टेडियम पहुंचीं। राहुल के सिक्स लगाने पर आथिया क्लैप कर अपने पति को चियर किया।

आवेश खान के अंगूठे पर पर लगी चोट

लखनऊ के खिलाड़ी आवेश खान के अंगूठे पर चोट लग गई। स्टोइनिस के 12वें ओवर की तीसरी बॉल पर जायसवाल ने शॉट थर्ड मैन पर शॉट खेला और आवेश ने उनका कैच लपक लिया। कैच लपकने के बाद आवेश के अंगूठे पर चोट आ गई।

8 आईपीएल स्टार खटखटा रहे टीम इंडिया का दरवाजा

रिंकू अब रसेल से बेहतर फिनिशर, बटलर को टक्कर दे रहे यशस्वी जायसवाल

खेल डेस्क, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन के 26 मैच खेले जा चुके हैं। इस सीजन की अब तक की खासियत रही है भारत के युवा सितारों का शानदार प्रदर्शन। इन सितारों ने अपने दमदार प्रदर्शन से टी20आई के लिए टीम इंडिया की दावेदारी भी ठोंक दी है। इनमें कुछ ऐसे हैं जो भारत के लिए अब तक नहीं खेले हैं। वहीं, कुछ जिन्हें भारतीय टीम में दो-चार मौके मिले लेकिन जल्द ही बाहर कर दिया गया।

इस स्टोरी में हम ऐसे ही 8 खिलाड़ियों के बारे में जानेंगे..

1. रिंकू सिंह : 5 बॉल में 5 छक्केनहीं भूलेंगे फैंस

इस सीजन के 13वें मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स को रोमांचक जीत दिलाने वाले रिंकू सिंह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के रहने वाले हैं। रिंकू यूपी के लिए खेलते हैं। रिंकू सिंह ने गुजरात के खिलाफ आखिरी ओवर में लगातार पांच गेंदों पर 5 छक्के जड़े और कोलकाता को जीत दिलाई थी। उन्होंने मैच में 21 गेंदों पर 48 रन ठोककर नाबाद पारी खेली। एक विस्फोटक बैटर होने के चलते रिंकू को साल 2013 में उत्तर प्रदेश की अंडर-16 टीम में जगह दी गई थी। बाद में वो अपने स्टेट की अंडर-19 टीम का भी हिस्सा बने। विजय हजारे ट्रॉफी 2018 में वो त्रिपुरा के खिलाफ 44 गेंदों पर 91 रन ठोककर चर्चा में आए। रिंकू ने आईपीएल डेब्यू 2018 में किया था। इस साल उन्हें केकेआर ने 55 लाख में टीम में शामिल किया था।

रिंकू की 5 मैचों में 1 अर्धशतकीय पारी देखने को मिल चुकी हैं। वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल को केकेआर का बेस्ट फिनिशर माना जाता है। लेकिन, रिंकू ने इस सीजन रसेल को फीका साबित कर दिया है।

2. यशस्वी जायसवाल : आईपीएल के साथ डोमेस्टिक में भी दमदार परफॉर्मेंस

21 साल के यशस्वी जायसवाल का आईपीएल के इस सीजन में अभी तक काफी शानदार फॉर्म देखने को मिला है, जिसमें 6 मैचों में 2 अर्धशतकीय पारियां देखने को मिल चुकी हैं। उत्तर प्रदेश के भदोही के रहने वाले यशस्वी का अब तक का आईपीएल करियर काफी प्रभावित करने वाला रहा है। यशस्वी ने साल 2020 में आईपीएल में डेब्यू किया था। यशस्वी मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। यशस्वी भारतीय घरेलू क्रिकेट में पहले ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने एक ही सीजन में दलीप ट्रॉफी और ईरानी ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाने का कारनामा किया है। यशस्वी ने इस साल घरेलू सीजन की शुरुआत में दलीप ट्रॉफी और ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की तरफ से खेलते हुए दोहरा शतक लगाया था। वह लिस्ट ए में दोहरा शतक बनाने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के क्रिकेटर हैं। इस साल राजस्थान ने उन्हें 4 करोड़ में टीम में शामिल किया था।

यशस्वी के आरआर के लिए जोस बटलर के साथ ओपनिंग का मौका मिल रहा है। दोनों ही खिलाड़ी टीम को तेज शुरुआत दिला रहे हैं। बलटर ने 6 मैचों में 244 रन बनाए हैं तो जायसवाल ने भी इतने मुकाबलों में 180 रन बना दिए हैं।

3. तिलक वर्मा : 20 साल के खिलाड़ी का शानदार फॉर्म जारी

तिलक वर्मा का इस सीजन में भी शानदार प्रदर्शन जारी है। हैदराबाद के तिलक ने पिछले साल आईपीएल डेब्यू किया था। 20 साल के खिलाड़ी को आईपीएल 2022 में सभी 14 मैचों में खेलने का मौका मिला और उन्होंने 36.09 की औसत से 397 रन बनाए थे। तिलक को मुंबई की टीम ने 1.70 करोड़ में टीम में शामिल किया था। तिलक ने साल 2018-19 के सीजन में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया था। इसी साल वह हैदराबाद की ओर से ही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेले और अगले विजय हजारे में भी डेब्यू किया। साल 2020 में हुए अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए उन्हें टीम में चुना गया था। यहां उन्होंने छह मैचों की तीन पारियों में 86 रन बनाए थे।

4. साई सुदर्शन : स्पोर्ट्स विरासत में मिला

21 साल के साई सुदर्शन को इस सीजन में चोटिल केन विलियमसन की जगह टीम में खेलने का मौका मिला था। सुदर्शन पिछले साल आईपीएल में डेब्यू किए थे। तब उन्होंने पांच मैचों में 145 रन बनाए थे। साई सुदर्शन के लिए इस साल का डोमेस्टिक सीजन शानदार रहा था। सुदर्शन तमिलनाडु की टीम से घरेलू क्रिकेट खेलते है। साई बायें हाथ के बल्लेबाज होने के साथ ही बायें हाथ से स्पिन गेंदबाजी भी करते है। इनका जन्म तमिलनाडु के चेन्नई में हुआ था। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में तीन शतक और रणजी ट्रॉफी में एक शतक जड़ा। इनमें से एक डेब्यू पर था। आईपीएल में गुजरात ने उन्हें बेस प्राइस 20 लाख में खरीदा था। सुदर्शन को स्पोर्ट्स विरासत में मिला है। उनकी मां उषा भारद्वाज राज्य स्तर की बॉलीबॉल प्लेयर रही हैं।

5. रवि बिश्नोई : किफायती गेंदबाज हैं, अहम मौकों पर विकेट लेते हैं

टीम इंडिया से बाहर चल रहे रवि बिश्नोई का आईपीएल में इस सीजन में प्रदर्शन अभी तक काफी शानदार रहा है। बिश्नोई इस सीजन में लखनऊ के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी हैं। इस खिलाड़ी ने पिछले साल आईपीएल के दम पर ही टीम इंडिया में जगह बनाई थी। लेकिन हाल के समय में ये खिलाड़ी टीम इंडिया में जगह बनाने के लिए जूझ रहा है। आईपीएल 2023 में लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेलते हुए इस खिलाड़ी ने अभी तक काफी बेहतरीन खेल दिखाया है। राजस्थान में जन्में रवि ने टीम इंडिया के लिए अब तक एक वनडे और 10 टी-20 खेल चुके हैं। बिश्नोई ने साल 2020 में आईपीएल डेब्यू किया था।

6. वेंकटेश अय्यर : इंजरी से वापसी की, शतक भी जमाया

कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर का इस सीजन में भी शानदार प्रदर्शन जारी है। अय्यर इस सीजन में रन बनाने के मामले में अभी दूसरे स्थान पर हैं। अय्यर ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार (16 अप्रैल) को शानदार शतक लगाया था। अय्यर इस सीजन में शतक लगाने वाले पहले भारतीय हैं। अय्यर KKR के ऐसे दूसरे बल्लेबाज है जिन्होंने IPL में शतक जमाया है। उनसे पहले यह कारनाम सिर्फ ब्रैंडन मैकुलम किया था। बात करें अय्यर के इंटरनेशनल क्रिकेट करियर के बारे में तो उन्होंने टीम इंडिया के लिए अब तक कुल 11 मुकाबले खेले है। जिसमें नौ टी-20 और दो वनडे शामिल है। इस बीच उनके बल्ले से 157 रन निकले हैं। वहीं गेंदबाजी के दौरान टी-20 में पांच सफलता हासिल हुई है। अय्यर टीम इंडिया के लिए पिछले साल फरवरी में आखिरी इंटरनेशनल मैच खेले थे। हालांकि बीच में वह इंजरी से भी जूझ रहें थे।

7. वरुण चक्रवर्ती : 7 विकेट ले चुके हैं

वरुण चक्रवर्ती आईपीएल के इस सीजन में कोलकाता के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी हैं। चक्रवर्ती टीम इंडिया के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट भी खेल चुके हैं। उन्होंने 6 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। हालांकि उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाने के कारण वह अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए। वह भारतीय टीम के लिए टी-20 वर्ल्ड कप 2020 भी खेल चुके हैं। चक्रवर्ती ने 2019 में आईपीएल डेब्यू किया था।

8. कर्ण शर्मा : बेंगलुरु की गेंदबाजी का अहम हिस्सा

कर्ण शर्मा ने तीनों प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। दाएं हाथ के लेग स्पिनर इस सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम का हिस्सा हैं। उत्तर प्रदेश के रहने वाले कर्ण का यह सीजन अभी तक काफी शानदार रहा है। कर्ण ने 2009 में आईपीएल डेब्यू किया था। आईपीएल में कर्ण शर्मा सीएसक, एमआई, एसआरएच और आरसीबी के लिए खेले हैं। कर्ण ने अब तक भारत के लिए दो वनडे, एक टेस्ट और एक टी-20 खेला है।

देश में ई स्पोर्ट्स प्लेयर्स की संख्या बढ़ी

4 गुना बढ़कर 6 लाख; महिलाएं ज्यादा वक्त दे रहीं

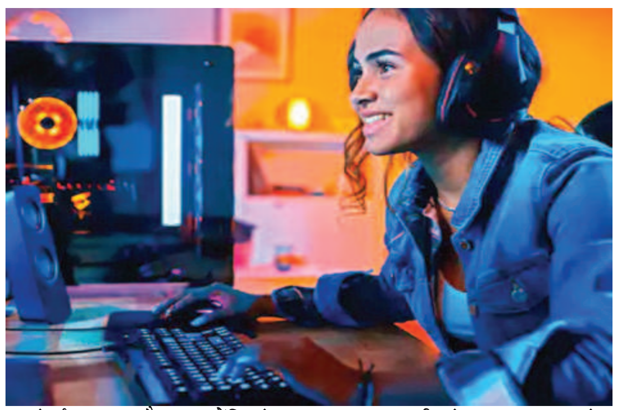

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में ई स्पोर्ट्स तेजी से बढ़ रहा है। गेमिंग एंड इंटरेक्टिव मीडिया कंपनी लुमिकाइ और एमाजन वेब सर्विस की रिपोर्ट के अनुसार, देश में ई-स्पोर्ट्स खिलाड़ियों में 4 गुना का उछाल देखा गया है। 2021 में भारत में डेढ़ लाख ई स्पोर्ट्स खिलाड़ी थे।

अब इनकी संख्या 6 लाख पहुंच गई है। एक भारतीय गेमर हफ्ते में 8.5 से 11 घंटे गेम खेलता है। साथ ही, इसमें महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। महिलाएं औसतन हफ्ते में 11 घंटे गेम खेलती हैं। जबकि, पुरुष हफ्ते के 10.2 घंटे ऑनलाइन गेम को दे रहे हैं।

ई-स्पोर्ट्स खिलाड़ी भारतीय थीम पर बने गेम खेलना चाहते हैं

गेमर्स को भारतीय थीम वाले गेम ज्यादा पसंद है। 82% गेमर्स पौराणिक कथाओं पर बने गेम खेलना चाहते हैं। 78% का मानना है कि वे भारतीय सितारों (सेलेब्रिटी) पर बने खेल खेलना चाहते हैं। भारतीय इतिहास वाले गेम के लिए 79% खिलाड़ियों ने हामी भरी।

ई स्पोर्ट्स का भारतीय बाजार हर साल 32 फीसदी से बढ़ रहा

ई स्पोर्ट्स का भारतीय बाजार लगातार बढ़ रहा है। साल 2022 में भारतीय ई-स्पोर्ट्स इंडस्ट्री ने 328 करोड़ रुपए की कमाई की। जबकि, 2021 में कमाई का आंकड़ा 250 करोड़ रुपए था। भारतीय ई स्पोर्ट्स इंडस्ट्री हर साल 32% तक बढ़ रही है।

चैंपियंस लीग : मैनचेस्टर सिटी ने बायर्न म्यूनिख को किया बाहर

इंटर मिलान 13 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचा

स्पोर्ट्स डेस्क, अमर उजाला, 2021–22 में रियल मैड्रिड ने मैनचेस्टर सिटी को सेमीफाइनल में हरा दिया था। लगातार दूसरे साल रियल और सिटी के बीच सेमीफाइनल मैच होगा। इस बार पेप गॉर्डियोला की टीम पिछले सीजन में मिली हार का बदला लेना चाहेगी। इंग्लैंड के क्लब मैनचेस्टर सिटी ने यूईएफए चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सिटी ने बुधवार (19 अप्रैल) रात छह बार की चैंपियन बायर्न म्यूनिख को बाहर कर दिया। दोनों टीमों के बीच बायर्न के होमग्राउंड एलियांज एरीना में क्वार्टर फाइनल का दूसरा लेग 1-1 की बराबरी पर छूटा। इससे पहले सिटी ने पिछले हफ्ते पहले लेग में 3-0 की जीत हासिल की थी। इस तरह दो मुकाबलों के स्कोर को जोड़कर सिटी 4-1 से क्वार्टर फाइनल को जीतने में सफल रहा।

सिटी की टीम लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंची है। वह कुल चौथी बार सेमीफाइनल में खेलेगी। 2015–16 में वह इसी राउंड में बाहर हुई थी। उसके बाद 2020–21 में चेल्सी के खिलाफ फाइनल में हार मिली। वहीं, 2021–22 में रियल मैड्रिड ने उसे सेमीफाइनल में हरा दिया था। लगातार दूसरे साल रियल और सिटी के बीच सेमीफाइनल मैच होगा। इस बार पेप गॉर्डियोला की टीम पिछले सीजन में मिली हार का बदला लेना चाहेगी। मैनचेस्टर सिटी की टीम जब पहले लेग में 3-0 की जीत के बाद बायर्न के होमग्राउंड पर दूसरे लेग में उतरी तो शुरुआती मिनटों में उसने कई गलतियां की। बायर्न के फैंस स्टेडियम में काफी शोर कर रहे थे। वह अपनी टीम का हौसला बढ़ा रहे थे। बायर्न ने पहले हाफ में कई मौके बनाए, लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया। 35वें मिनट में डिफेंडर ओपमेकानो की गलती के कारण मैनचेस्टर सिटी को पेनल्टी मिल गई। उसके बाद मैच में बड़ी बढ़त बनाने का सुनहरा मौका था। सिटी के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड पेनल्टी लेने आए। इस दौरान बायर्न के खिलाड़ी और फैंस ने उनके ऊपर काफी दबाव बनाया। यह बायर्न के काम भी आया। हालैंड दबाव को नहीं झेल पाए और गेंद को गोलपोस्ट में नहीं डाल सके। उनका शॉट गोलपोस्ट के काफी ऊपर से निकल गया।

पहले हाफ में पेनल्टी चूकने के बाद एर्लिंग हालैंड ने दूसरे हाफ में जबरदस्त वापसी की। उन्होंने 57वें मिनट में गोल कर मैनचेस्टर सिटी को मैच में 1-0 की और कुल स्कोर में 4-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद बायर्न को 81वें मिनट में सिटी के अकांजी की गलती के कारण पेनल्टी मिली। उसके कप्तान जोशुआ किमिच ने गोल कर मैच को 1-1 की बराबरी पर ला दिया, लेकिन यह काफी नहीं था। बायर्न को कुल स्कोर में बराबरी करने के लिए तीन गोल और करने थे। यह उसके लिए असंभव साबित हुआ। बायर्न की टीम लगातार तीसरे सीजन में क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई। इंटर मिलान की टीम दूसरे लेग में 2-0 की बढ़त के साथ उतरी। बेनफिका ने उसके होमग्राउंड पर अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन वह चमत्कार नहीं कर सकी। दोनों टीमों के बीच दूसरे लेग का मुकाबला 3-3 गोल की बराबरी पर छूटा। इंटर के लिए निकोलो बरेला ने 14वें, लोटारो मार्टिनेज ने 65वें और जोआकिन कोरेया ने 78वें मिनट में गोल किया।

सभी विधानसभा क्षेत्रों में मुफ्त डायलिसिस सुविधा : हरीश राव

तेलंगाना में अब तक डायलिसिस केंद्रों की बढकर 102 हुई

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने गुरुवार को नामपल्ली एरिया अस्पताल में 5-बेड वाले डायलिसिस सेंटर और ब्लड बैंक का उद्घाटन करते हुए कहा कि क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) के जरूरतमंद रोगियों को महंगी डायलिसिस सुविधाएं मुफ्त में उपलब्ध कराने के लिए तेलंगाना सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में डायलिसिस सुविधाओं की संख्या तीन से बढ़ाकर 102 कर दी है। लंबे समय तक किडनी की देखभाल के लिए बहुत सारे वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती है और अक्सर सीकेडी के रोगी इलाज को वहन करने और छोड़ने के लिए संघर्ष करते हैं। इस तरह की कठिनाइयों को महसूस करते हुए, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने सभी विधानसभा क्षेत्रों में मुफ्त डायलिसिस सुविधा स्थापित करने का फैसला किया है।

निरंतर समर्थन के परिणामस्वरूप, वर्तमान में तेलंगाना के लगभग 10,000 सीकेडी रोगी 102 केंद्रों में मुफ्त डायलिसिस सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। इसके अलावा, जिन किडनी डायलिसिस मशीनों को नियोजित किया जा रहा है, वे एकल-उपयोगकर्ता अपोहक हैं, जो सीकेडी रोगियों के बीच संक्रमण दर को कम करने में एक लंबा रास्ता तय करती हैं।

चूंकि प्रत्येक सीकेडी रोगी जो डायलिसिस पर है, उसे अंतत: किडनी प्रत्यारोपण की आवश्यकता होगी, राज्य सरकार ऐसे रोगियों को आरोग्यश्री के माध्यम से वित्तीय सहायता भी प्रदान कर रही है। वर्तमान में किडनी प्रत्यारोपण के लिए आरोग्यश्री के माध्यम से 10 लाख रुपये प्रदान किए जाते हैं, साथ ही प्रत्यारोपण के बाद जीवन भर आवश्यक दवाओं की आपूर्ति की जाती है। निजी अस्पतालों में, गुर्दा प्रत्यारोपण की लागत 20 लाख रुपये से अधिक होगी, लेकिन यह निम्स में 10 लाख रुपये के लिए उपलब्ध है। राज्य सरकार किडनी रोगियों की सहायता के लिए लगभग 200 करोड़ रुपये का वार्षिक व्यय करती है, जिसमें से 100 करोड़ रुपये अकेले डायलिसिस पर खर्च किए जा रहे हैं।

इसके अलावा, तेलंगाना में डायलिसिस रोगियों को 2,000 रुपये मासिक पेंशन की पेशकश की जा रही है। मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने जल्द ही पूरे तेलंगाना राज्य में "केसीआर पोषण किट" कार्यक्रम शुरू करने का फैसला किया है और कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए 250 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

एरिया अस्पताल में मरीजों से बातचीत करते हुए हरीश राव ने कहा कि पिछले कुछ सालों में तेलंगाना में ब्लड बैंकों की संख्या भी 28 से बढ़कर 56 सरकारी ब्लड बैंक हो गई है। उन्होंने कहा कि हम टिम्स गच्चीबोवली को 1000-बेड की सुविधा में अपग्रेड कर रहे हैं और बहुत जल्द निम्स में 2000 और सुपरस्पेशियलिटी बेड जोड़ेंगे।

आंध्र प्रदेश में कोई कोविड मौत नहीं : स्वास्थ्य सचिव

विजयवाड़ा, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव, एमटी कृष्ण बाबू के अनुसार आंध्र प्रदेश में कोई कोविड मौत नहीं है। आंध्र प्रदेश में कोरोना वायरस की बीमारी से तीन लोगों की मौत होने की अफवाहों को खारिज करते हुए उन्होंने गुरुवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि काकीनाडा और विशाखापत्तनम में दर्ज की गई तीन मौतें कोविड के कारण नहीं हुई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनमें से दो की मौत वायरल निमोनिया के कारण हुई, जबकि एक की अग्नाशय शोथ से मौत हुई। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले सप्ताह राज्य में सकारात्मकता दर केवल 2.12 प्रतिशत थी और लगभग 17,000 व्यक्तियों को चिकित्सा परीक्षण किया गया था, जिन्हें राज्यव्यापी बुखार सर्वेक्षण के दौरान पहचाना गया था, साथ ही निवारक उपाय भी किए गए थे।

गुजरात नहीं, देश को तेलंगाना विकास मॉडल की जरूरत : येर्राबेल्ली

जनगांव, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायतीराज और ग्रामीण विकास मंत्री येर्राबेली दयाकर राव ने कहा कि गुजरात के विकास मॉडल ने देश को विफल कर दिया है। उन्होंने कहा कि देश को अब विकास के तेलंगाना मॉडल की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना बहुत कम समय में कई क्षेत्रों में विकास के मामले में कई अन्य राज्यों से आगे निकल रहा है। वह जिले के पलकुर्ती निर्वाचन क्षेत्र में आयोजित बीआरएस पार्टी के आत्मीय सम्मेलनम की कई बैठकों को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री ने कहा कि राज्य में बीआरएस पार्टी के लिए कोई चुनौती नहीं है, क्योंकि विपक्षी दलों को जनता का समर्थन नहीं है। देश को अब हमारे दूरदर्शी नेता के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व की आवश्यकता है। उन्होंने बीआरएस शासन के तहत विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और विकास परियोजनाओं को सूचीबद्ध करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से इन योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने की अपील की है। उन्होंने यह भी कहा कि विकास को बाधित करने के प्रयासों के लिए लोगों को विपक्षी दल के नेताओं को एक करारा सबक देना चाहिए।

राव ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाला केंद्र राज्य के प्रति उदासीन रवैया दिखा रहा है और राज्य के विकास को रोकने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों द्वारा किए गए अवरोधों के बावजूद, तेलंगाना ने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के गतिशील नेतृत्व में कई क्षेत्रों में शीर्ष स्थान हासिल किया है। बाद में मंत्री ने पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं के साथ दोपहर का भोजन किया। उन्होंने गांवों में किए जाने वाले कार्यों के बारे में पूछताछ की और धन आवंटित करने का वादा किया।

इस बीच, देवरुप्पुला मंडल केंद्र में बीआरएस के पालकुर्ती निर्वाचन क्षेत्र स्तर की पूर्ण बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस बीच मंत्री ने देवरुप्पुला मंडल के धर्मपुरम गांव में धान खरीद केंद्र का उद्घाटन किया।

वन्यजीवों की प्यास बुझाने के लिए आगे आया वन विभाग

जंगलों में स्थापित की जल संरचनाएं

कोत्तागुडेम, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी के मौसम में वन्यजीवों को पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में वन विभाग ने जल संरचनाओं का निर्माण शुरू किया है। लगभग 10 लाख एकड़ में फैले वन क्षेत्र में मौजूद प्राकृतिक जल निकायों के पूरक के लिए कई कृत्रिम जल संरचनाएं विकसित की गई हैं। गर्मियों में बढ़ते तापमान के कारण प्राकृतिक जल स्रोत सूख जाते हैं, कृत्रिम जल संरचनाएं वन्यजीवों के भरण-पोषण के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

जिला वन कार्यालय के अधीक्षक केएसएन मूर्ति के अनुसार जंगली जानवरों की प्यास बुझाने के लिए 47 परकोलेशन टैंक और 52 चेक डैम बनाए गए हैं। कई तश्तरी गड्ढों के अलावा जंगलों में ऐसी और संरचनाएं बनाने का काम चल रहा है। सहायक वन संरक्षक ए. अप्पैया ने बताया कि वन क्षेत्र को तीन वर्ग किलोमीटर के दायरे में प्रत्येक ग्रिड में विभाजित किया गया है और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं कि प्रत्येक ग्रिड में एक जल निकाय हो। वन विभाग की मिट्टी और नमी संरक्षण (एसएमसी) उपायों जैसे कंपित समोच्च खाइयों का निर्माण और जल संचयन संरचनाएं जैसे चेक डैम, रॉकफिल डैम, चेक वॉल और मिनी वॉटर होल जहां बारहमासी जल स्रोत हैं, वन्यजीवों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद कर रहे हैं। जंगलों में गेबियन संरचना विकसित करने के अलावा, पहाड़ी की चोटी और स्थानों पर तश्तरी के गड्ढे बनाए गए हैं। तश्तरी के गड्ढों में नियमित रूप से पानी के टैंकरों या बैलगाड़ियों से पानी भरा जा रहा है। अप्पैया ने बताया कि उन्हें सप्ताह में एक बार साफ किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक जल निकाय में आने वाली वन्यजीव प्रजातियों और उनकी संख्या का आकलन करने के लिए जल निकायों पर कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं। यह देखने के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं कि जल निकायों में उपलब्ध घास की प्रत्येक प्रजाति के लिए उपयुक्त घास है। ज्ञात हो कि जिले के पलोंचा मंडल में 635.41 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले किन्नरसनी वन्य जीव अभ्यारण्य में साल भर पानी की उपलब्धता वाला विशाल जलाशय वन्य जीवों के लिए जीवन रेखा का काम करता है।

बेरोजगार युवाओं को गुमराह कर रही है भाजपा : पल्ला राजेश्वर रेड्डी

हनमकोंडा, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने कहा कि भाजपा नेता विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक करके बेरोजगार युवाओं को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं और लीक के लिए बीआरएस सरकार को दोष देने की कोशिश कर रहे हैं।

स्थानीय एमएलसी दस्यम विनय भास्कर के नेतृत्व में गुरुवार को यहां 4,5, 6 और 8 डिवीजनों में बीआरएस के आत्मीय सम्मेलन में बोलते हुए, रेड्डी ने लोगों से राज्य के निर्माण से पहले और उसके बाद की स्थिति पर विचार करने का आग्रह किया। 2014 में राज्य के गठन के बाद से वारंगल पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र में बड़े विकास हुए हैं। विनय भास्कर, जो पिछले 15 वर्षों से निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, निर्वाचन क्षेत्र को विकसित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के समर्थन और आशीर्वाद से, विधायक को पहले ही इस क्षेत्र के लिए सैकड़ों करोड़ रुपये मिल चुके हैं।

विनय भास्कर ने कहा कि वह पिछले 30 वर्षों से क्षेत्र के लोगों की समस्याओं और परिस्थितियों को जानते हैं। कल्याण लक्ष्मी/शादी मुबारक की शुरुआत से पहले लोग कर्ज के बोझ तले दबे रहते थे, लेकिन अब वे खुश हैं क्योंकि सरकार वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है, विधायक ने कहा, और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को ऐसी योजनाओं को लागू करने के लिए धन्यवाद दिया। लाभार्थियों को बाद में 34,03,944 रुपये के कल्याण लक्ष्मी चेक सौंपे गए। बैठक में कुडा के अध्यक्ष एस. सुंदरराज यादव, पूर्व महापौर गुंडा प्रकाश, नगरसेवक चेन्नम मधु, बोंगू अशोक यादव सहित अन्य उपस्थित थे।

सड़क हादसे में पिता पुत्र की मौत

नलगोंडा, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा के बाहरी इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 365 पर गुरुवार को हुए सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना उस समय हुई जब कार, जिसमें पीड़ित यात्रा कर रहे थे, नियंत्रण खो बैठी और सड़क किनारे पुलिया से जा टकराई। पिता और पुत्र एक कार में जनगांव से हैदराबाद जा रहे थे।

विवेकानंद रेड्डी हत्याकांड : कडप्पा सांसद से लगातार दूसरे दिन सीबीआई पूछताछ

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कडप्पा के सांसद वाई.एस. अविनाश रेड्डी से गुरुवार को लगातार दूसरे दिन पूर्व मंत्री वाई.एस. विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में पूछताछ कर रही है। बुधवार को करीब आठ घंटे तक पूछताछ करने वाले अविनाश रेड्डी एजेंसी के क्षेत्रीय कार्यालय में सुबह 10.30 बजे पेश हुए। सीबीआई अधिकारी अविनाश रेड्डी के पिता वाईएस भास्कर रेड्डी और एक अन्य आरोपी उदय कुमार रेड्डी से दूसरे दिन भी पूछताछ कर रहे थे। दोनों को चंचलगुडा जेल से सीबीआई कार्यालय लाया गया।

पहले दिन सीबीआई अधिकारियों ने उनसे अलग-अलग पूछताछ की थी और यह स्पष्ट नहीं है कि अविनाश रेड्डी से उनके पिता और उदय कुमार रेड्डी की मौजूदगी में पूछताछ की जाएगी या नहीं। सीबीआई की टीम आरोपियों से हत्या के कारणों, अपराध के दिन की घटनाओं और दिन में उनकी गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी के चचेरे भाई अविनाश रेड्डी को तेलंगाना उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुसार, 25 अप्रैल तक प्रतिदिन सीबीआई के सामने पेश होना है। यह पांचवीं बार है, जब वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के सांसद सीबीआई के सामने पेश हुए।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने मंगलवार को सीबीआई को अविनाश रेड्डी को 25 अप्रैल तक गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दिया है। अदालत ने सांसद की अग्रिम जमानत याचिका पर अपने अंतरिम आदेश में उन्हें 25 अप्रैल तक रोजाना सीबीआई के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया। सीबीआई ने 17 अप्रैल को अविनाश रेड्डी को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन एजेंसी ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के कारण पूछताछ को दो बार टाल दिया। अग्रिम जमानत याचिका पर अंतिम आदेश 25 अप्रैल को सुनाया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डीके भाई और जगन मोहन रेड्डी के चाचा विवेकानंद रेड्डी की चुनाव से कुछ दिन पहले 15 मार्च, 2019 को पुलिवेंदुला स्थित उनके आवास पर हत्या कर दी गई थी। राज्य के 68 वर्षीय पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद अपने घर पर अकेले थे, तभी अज्ञात लोगों ने उनके घर में घुसकर हत्या कर दी।

सीबीआई ने विवेकानंद रेड्डी की बेटी सुनीता रेड्डी की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के निर्देश पर 2020 में मामले की जांच अपने हाथ में ली, जिसने कुछ रिश्तेदारों पर संदेह जताया था। सुनीता रेड्डी द्वारा आंध्र प्रदेश में निष्पक्ष सुनवाई और जांच पर संदेह जताने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल नवंबर में इस मामले को हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को अपनी जांच पूरी करने के लिए 30 अप्रैल की समय सीमा निर्धारित की है, एजेंसी ने भास्कर रेड्डी और उदय कुमार रेड्डी की गिरफ्तारी और अविनाश रेड्डी से पूछताछ के साथ जांच तेज कर दी है।

राउडी शीटर को अज्ञात लोगों ने मारी गोली

करीमनगर, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मानाकोंदूर मंडल मुख्यालय में बुधवार रात अज्ञात लोगों ने उपद्रवी अरुण पर फायरिंग कर दी। अरुण मामूली रूप से घायल हो गया। हालांकि अभी सही कारण का पता नहीं चला है, लेकिन हमले की वजह पुरानी रंजिश बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, रात करीब 10 बजे अरुण अपने घर के सामने अपने दोस्तों के साथ बात कर रहा था, तभी चार लोगों ने उस पर हमला कर दिया।

उन्होंने पहले शराब की बोतल से उस पर हमला किया, जिससे वह नीचे गिर गया, जिसके बाद वह उठकर मौके से भाग गया। हालांकि, वह फिर गिर पड़े, तभी हमलावरों ने रिवाल्वर से उन पर फायरिंग कर दी, लेकिन गोली उन्हें मिस कर गई। इसके बाद हमलावर ग्रामीणों के साथ ही मौके से फरार हो गए। अरुण की बेटी व एक अन्य महिला भी घायल हो गई।

भागने की कोशिश में अरुण एक पड़ोसी के घर में घुस गया, जिसके बाद हमलावरों ने निवासियों पर हमला किया और उनके फर्नीचर को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घायलों को जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पता चला है कि पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया है और तीन अन्य फरार हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पूर्व मंत्री श्रीनिवासुलु को पुलिस ने हिरासत में लिया

अनंतपुर, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के नेता कलवा श्रीनिवासुलू को गुरुवार को जिले के रायदुर्गम निर्वाचन क्षेत्र के एन. हनुमानपुरम में तनाव के बीच पुलिस ने हिरासत में ले लिया। ऐसा कहा जाता है कि सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के स्थानीय विधायक कापू रामचंद्र रेड्डी ने टीडीपी को निर्वाचन क्षेत्र में विकास पर बहस के लिए आने की चुनौती दी थी और श्रीनिवासुलु ने त्वरित प्रतिक्रिया में दोपहर में अपने अनुयायिओं के साथ गांव में जाकर धरना दिया।

वह मीडिया को संबोधित कर रहे थे कि तभी पुलिस मौके पर आ गई और किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए उन्हें हिरासत में ले लिया।

स्कूली बच्चे ने दूसरे को चाकू मारा

राजमंड्री, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्वी गोदावरी जिले के राजनगरम उच्च विद्यालय में गुरुवार को नौवीं कक्षा के एक छात्र ने अपने सहपाठी पर चाकू से हमला कर दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना स्कूल के शिक्षकों की नाक के नीचे परीक्षा केंद्र पर हुई। घायल छात्र का यहां एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है और वह खतरे से बाहर बताया जा रहा है। जिसने चाकू मारा वह फरार है और पुलिस जांच कर रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.